शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 279 | गुवाहाटी | रविवार, 7 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को मिलेगा बढ़ावा : केंद्रीय मंत्री पेज 3

डिग्री प्राप्त करने पर शिक्षा प्रक्रिया पूरी नहीं होती, शिक्षा एक सतत प्रक्रिया : राष्ट्रपति पेज 4

भाजपा को आशीर्वाद देकर विपक्ष को आईसीयू में पहुंचाएं : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5

दूसरी पार्टियों में परिवारवाद व भाई भतीजावाद प्रमुख: डॉ. कमल गुप्ता पेज 8

मणिपुर में सुधर रहे हालात ज्यादातर दुकानें और बाजार खुले

इंफाल। मणिपुर के कई जिलों में जनजातीय समूहों द्वारा रैलियां निकाली गई जिसके बाद मणिपुर में कई जगहों पर हिंसा देखने को मिली। वहीं, इस हिंसा में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। हालांकि हिंसा धीरे-धीरे शांत हो रही है, लेकिन राज्य में हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इंफाल घाटी में आज यानी शनिवार को जनजीवन सामान्य हो गया। वहां दुकानें और बाजार फिर से खुल गए और सड़कों पर गाड़ियों ने दौड़ना शुरू कर दिया है। हिंसा से प्रशासन सख्त हो गया था। वहां हालात को काबू करने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी प्रमुख क्षेत्रों और सड़कों पर सेना की अधिक टुकड़ियों और रैपिड एक्शन फोर्स और केंद्रीय पुलिस बलों को भेजकर सुरक्षा उपस्थिति को मजबूत किया गया था। इंफाल शहर और अन्य जगहों पर सुबह ज्यादातर दुकानें और बाजार खुले और लोगों ने सब्जियां और अन्य आवश्यक वस्तुएं खरीदीं। हालांकि वहां बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात रहे। मणिपुर हिंसा में मारे गए 54

मृतकों में से 16 शव चुराचंदपुर जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखे गए हैं, जबकि 15 शव इंफाल पूर्वी जिले के जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान में हैं। अधिकारी ने कहा कि इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल में क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान ने 23 लोगों के मरने की सूचना दी है। इस बीच, चुराचांदपुर जिले में शुक्रवार रात दो अलग-अलग मुठभेड़ों में पहाड़ी इलाके में रहने वाले पांच उग्रवादी मारे गए और इंडिया रिजर्व बटालियन के दो जवान घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि चुराचांदपुर जिले के -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार हिंसा को रोकने के लिए कर रही हर संभव प्रयास : रिजिजू

नई दिल्ली। मणिपुर के कई जिलों में जनजातीय समूहों द्वारा रैलियां निकाली गई जिसके बाद मणिपुर में कई जगहों पर बड़े पैमाने पर हिंसा देखने को मिली। वहीं, इस हिंसा में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि भारत सरकार मणिपुर में हालात को काबू करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार हिंसा प्रभावित राज्य के जिलों में व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। हालांकि अब वहां हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री रिजिजू खुद राज्य में स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसाग्रस्त मणिपुर में सुरक्षा बल की गोली से उपद्रवी की मौत

इंफाल (हि.स.)। हिंसाग्रस्त मणिपुर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए *देखते ही गोली मारने* के आदेश के बाद पहली मौत की सूचना मिली है। फायरिंग के शिकार व्यक्ति की पहचान बिष्णुपुर जिले के नंबल इलाके के रहने वाले 23 वर्षीय बियाशानिंग थुजाम के रूप में हुई है। इंफाल में राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार बीती रात करीब 11 बजे कर्फ्यू के चलते युवकों का एक समूह बिष्णुपुर की सड़कों पर उतर गया और विरोध के नाम पर अराजक स्थिति पैदा कर दी। गश्त पर निकले कमांडो फोर्स के जवानों ने उन्हें अपने-अपने घरों में जाने को कहा। किसी भी चेतावनी पर ध्यान न देते हुए उपद्रवी हिंसक स्थिति पैदा करने -शेष पृष्ठ दो पर

मानव रहित विमानों से सीमा पर हो रही है निगरानी

इंफाल। मणिपुर हिंसा के बीच सेना भारत-म्यांमार सीमा पर हवाई और यूएवी से निगरानी निगरानी की जा रही है। चौकसी और बढ़ा दी गई है। विद्रोहियों के भारत-म्यांमार सीमा पर शिविरों के कारण मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने में समय लग सकता है। इसलिए सेना ने भारत-म्यांमार सीमा पर हवाई और यूवी से निगरानी शुरू कर दी है। इसमें सेना के चीता हेलीकॉप्टरों को शामिल किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह जानकारी मिल रही है कि -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर हिंसा : 11 सौ से अधिक लोगों ने असम में ली शरण

कछार (हि.स.)। हिंसा प्रभावित मणिपुर के जिरीबाम जिला सहित अन्य जिलों से पलायन कर आए 11 सौ से अधिक लोगों को असम के कछार जिला के लखीपुर में शरण दी गई है। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हिंसा के बीच मणिपुर के निवासी जितनी जल्दी हो सके, अपने पालतु जानवरों के साथ सुरक्षित स्थान पर आ गए हैं। लखीपुर के आश्रय शिविर की एक तस्वीर लोगों को काफी भावुक कर रहा है। फोटो में आश्रय शिविर के अंदर दो बच्चों को अपने साथ लाए गए पालतू कुत्ते के -शेष पृष्ठ दो पर

बच्चा पैदा करने की मशीन नहीं है मुस्लिम बेटियां : हिमंत

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा धुआंधार प्रचार कर रही है। आरोप और प्रत्यारोप का दौर जारी है। वह कर्नाटक की सत्ता में वापस लौटने के लिए जमकर पसीना बहा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से सहित पूरा हाई कमान राज्य में चुनाव प्रचार की बागडोर संभाले हुए है। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक ऐसा बयान दिया है जिस पर सियासी पारा चढ़ सकता है। दरअसल उन्होंने मुस्लिम बेटियों को लेकर कहा है कि उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर बनाना है, बच्चा पैदा करने की मशीन नहीं बनाना है। साथ ही साथ सीएम शर्मा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड लाने की बात कही है। दक्षिण कन्नड़ जिले के उजिरे, बेलथांगडी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि हमें यूनिफॉर्म सिविल कोड भी बनाना है। मुसलमान महिलाओं और बेटियों को देखिए। चार-चार बार शादियां करनी पड़ रही हैं। ये कोई सिस्टम हो गया है। एक-एक पुरुष क्यों चार-चार बार शादियां करेगा? ऐसा नियम दुनिया में नहीं होना चाहिए। इसी वजह से यूनिफॉर्म सिविल कोड को लाना है और इस सिस्टम को बंद करना है। सीएम शर्मा ने बताया है कि कर्नाटक भाजपा ने बोला है कि हमारी सरकार आएगी तो यूनिफॉर्म सिविल कोड लाने के लिए काम किया जाएगा। इस बार भाजपा बहुत अच्छा घोषणा पत्र लेकर आई है। यह पहला मौका नहीं जब असम के मुख्यमंत्री ने मुसलमान पुरुषों की कई शादियों पर सवाल उठाए हैं। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी मुस्लिम समुदाय के पुरुषों के कई पत्नियां -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा प्रभावित मणिपुर में नीट-यूजी परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर में हिंसा के कारण रविवार को होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट- यूजी 2023) की परीक्षा को यहां स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा सिर्फ उन उम्मीदवारों के लिए स्थगित की गई है जिनका परीक्षा केंद्र मणिपुर में है। शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ट्वीट करके जानकारी दी कि कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण और राज्य सरकार के अनुरोध पर मणिपुर में रविवार को आयोजित -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जैसे एक बछड़ा हजारों गायों के झुंड में अपनी मां के पीछे चलता है। उसी प्रकार आदमी के अच्छे और बुरे कर्म उसके पीछे चलते हैं।
- आचार्य चाणक्य

बिजली गुल : राष्ट्रपति ने अंधेरे में पढ़ा भाषण

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने गृह राज्य ओडिशा के दौरे पर हैं। ओडिशा के बारीपदा में आज वह महाराजा श्री रामचंद्र भंजदेव विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। हालांकि, इस समारोह में एक ऐसी घटना हुई जिसकी अब खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, दीक्षांत समारोह के दौरान 9 मिनट तक बिजली गुल रहीं। यह तब हुआ जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपना संबोधन शुरू ही हुआ था। लगभग 9 मिनट तक बिजली गायब रही। यह बाधा सुबह 11.56 बजे से दोपहर 12.05 बजे तक उत्पन्न हुई। लेकिन उन्होंने अपना संबोधन जारी रखा क्योंकि माइक सिस्टम भी अप्रभावित रहा। बिजली लुका-छिपी खेल रही है, मुर्मू, जो अपनी मातृभाषा, ओडिया में बोल रही थी, को यह कहते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

विहिप ने कांग्रेस अध्यक्ष को भेजा मानहानि का नोटिस

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को मानहानि के मामले में 100 करोड़ रुपए के मुआवजे का कानूनी नोटिस भेजा है। विहिप का आरोप है कि कांग्रेस ने कर्नाटक चुनावों के घोषणा पत्र में विहिप के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। नोटिस विहिप की चंडीगढ़ इकाई ने जारी किया है। 4 मई को भेजे गए इस लीगल नोटिस में 14 दिन के भीतर मुआवजा देने की मांग की गई है।

अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन में दो की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले के इंगकियोंग-तुतिंग रोड पर भारी बारिश के कारण बीती रात हुए भूस्खलन में चार श्रमिक जिंदा दफन हो गए थे। उनमें से दो व्यक्तियों को मलबे से बेहद गंभीर स्थिति में जीवित बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि प्रारंभिक रिपोर्टों में बताया गया था कि मलबे में दबे चारों लोगों की मौत हो गई है, लेकिन बाद में दो की सांसें चलती देख उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपर सियांग जिला उपायुक्त हागे लैलांग के अनुसार यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना शुक्रवार की रात करीब 1.30 बजे बोमडो के इंगकियोंग-तुतिंग रोड पर हुई। उस वक्त सड़क निर्माण मजदूर गहरी नींद में सो रहे थे और भूस्खलन के मलबे में जिंदा दफन हो गए। बचाव दल ने चारों व्यक्तियों को मलबे से बाहर निकाला तो उनमें से -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गोलियों से भूना गया खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ परमजीत पंजवड़ को

जालंधर (पंजाब)। आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ परमजीत सिंह पंजवड़ की लाहौर में हत्या कर दी गई है। उसे जौहर कस्बे की सनफ्लावर सोसाइटी में घुसकर गोलियां मारी गईं। भारत में आतंकवाद का पर्याय बना पंजवड़ इन दिनों टाउनशिप क्षेत्र, अकबर चौक, नेसपैक कॉलोनी, लाहौर में रह रहा था। पंजवड़ की मौके पर ही मौत हो गई। पंजवड़ 1990 से ही पाकिस्तान में शरण लेकर बैठा था और -शेष पृष्ठ दो पर

जजों को भी ट्रेनिंग की जरूरत : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि अदालती कार्यवाही की नई अपनाई गई लाइव स्ट्रीमिंग पद्धति का एक *दूसरा पहलू* है और न्यायाधीशों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है क्योंकि उनके और वकीलों के बीच आदान-प्रदान सार्वजनिक डोमेन में जाता है। यूट्यूब पर बहुत सारी अजीब चीजें चल रही हैं, जिन्हें हमें नियंत्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि यह गंभीर चीजें हैं। अदालत में जो कुछ होता है वह बेहद गंभीर चीजें होती है। हम जो लाइव स्ट्रीमिंग कर रहे हैं उसका एक दूसरा पक्ष है। न्यायाधीशों के रूप में हमें इसकी आवश्यकता है ट्रेनड हों क्योंकि हम जो भी शब्द अदालत में कहते हैं वह सार्वजनिक दायरे से ऊपर है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कटक में डिजिटाइजेशन, पेपरलेस कोर्ट्स और ई-पहल पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि हम इस तथ्य से अवगत हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक दूसरा पहलू भी है। उदाहरण के लिए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को हमें यह बताने की अनुमति देना बहुत मुश्किल होगा कि एक आपराधिक मामले में सजा के बाद क्या सजा दी जाए। सीजेआई ने कहा कि अधिकांश हाई कोर्ट यू ट्यूब पर लाइव स्ट्रीम कर रहे हैं और जो डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाने का इरादा है, उसमें पेपरलेस और वर्चुअल कोर्ट शामिल हैं। सीजेआई ने एक क्लिप का हवाला दिया जो पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा एक आईएएस

अधिकारी से यह पूछने पर वायरल हो गया था कि वह उचित कपड़े क्यों नहीं पहनता है। उन्होंने एक अन्य क्लिप का भी उल्लेख किया जिसमें गुजरात हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने एक वकील से पूछा कि वह अपने मामले के लिए तैयार क्यों नहीं है। सीजेआई ने कहा कि 20 जिलों के अधिवक्ता ओडिशा में अपने जिलों में बैठे हाई कोर्ट को संबोधित कर सकते हैं। ई-न्यायालय परियोजना की दृष्टि सस्ती, सुलभ, लागत प्रभावी, पर्यावरण आदि है। चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि राज्य सरकारें इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी नहीं ले रही हैं। हम भारत के वित्त विभाग पर 100 प्रतिशत निर्भर हैं। 10,000 से 15,000 पन्नों के फैसले हमें न्यायाधिकरणों -शेष पृष्ठ दो पर

एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर के संचालन पर सेना ने लगाई रोक

जम्मू। 4 मई को एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर के क्रैश होने के बाद अब इसके संचालन को रोक दिया गया है। दरअसल जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था, जिसमें एक जवान ने बलिदान दे दिया था। एक रक्षा अधिकारी के मुताबिक, सेना ने इसे एहतियात के तौर पर संचालन के लिए रोक दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दूर दराज इलाके मड़वा के मचना जंगलों में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ था। तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सेना का ये हेलीकॉप्टर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कर्नाटक को नंबर-1 बनाने का रोडमैप लेकर आई है भाजपा : पीएम

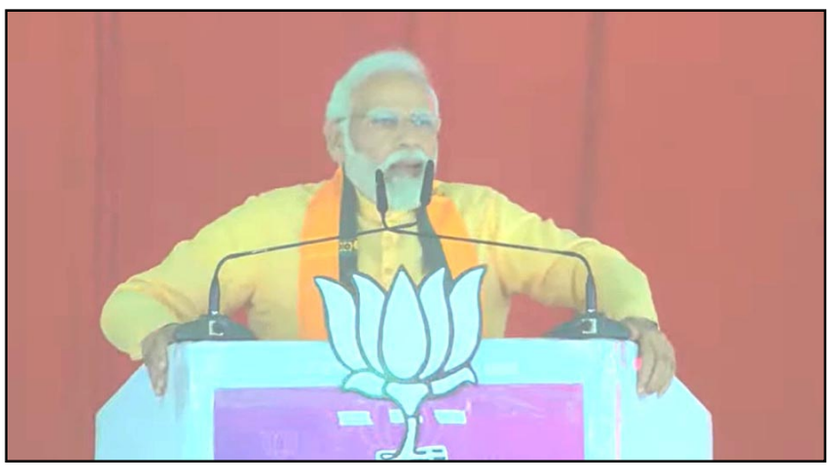

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास कर्नाटक के विकास का रोडमैप है जबकि कांग्रेस सिर्फ तुष्टीकरण, तालाबंदी और गाली को ही चुनावी मुद्दा बना रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कर्नाटक के बादामी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने तय किया है कि वह अपनी पुरानी आदत नहीं छोड़ेगी। वह तुष्टीकरण, तालाबंदी और गाली को ही चुनाव का मुद्दा बनाएगी। कांग्रेस के पास राज्य के विकास का कोई विजन नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कौन सा पंजा है जो 01 रुपए में से 85 पैसे खा जाता है? कांग्रेस के इन्हीं कुकर्मों के कारण हमारा देश इतने दशकों तक पिछड़ा बना रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन बीमारियों को कांग्रेस ने अपने बरसों के शासन में मजबूत किया अब भाजपा उन्हीं बीमारियों का परमानेंट इलाज कर रही है। कांग्रेस ने तय किया है कि वो अपनी पुरानी आदतें नहीं छोडेगी। वो तुष्टिकरण, तालाबंदी और गाली को ही चुनावी मुद्दा बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग आज भी देश-दुनिया में भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहने की हिम्मत नहीं करते, ये सिर्फ भारत के लोकतंत्र पर हमला करते हैं। यही गुलामी की मानसिकता है जिससे आज भारत बाहर आ रहा है। भाजपा सरकार अपनी संस्कृति और अपनी विरासत के लिए समर्पित है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बेंगलुरु में मेगा रोड शो किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी वहां पहुंचे हैं।

खरगे और उनके परिवार की हत्या कराना चाहती है भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक उम्मीदवार पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पूरे परिवार की *हत्या* की साजिश रचने का आरोप लगाया। सुरजेवाला ने कलबुर्गी जिले की चित्तपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मणिकांत राठौर की एक कथित ऑडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें वह कन्नड़ में कथित तौर पर यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि वह खरगे, उनकी पत्नी और बच्चों का सफाया कर देंगे। हालांकि, राठौर ने सुरजेवाला द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह सब झूठ है। वे कोई फर्जी ऑडियो क्लिप चला रहे हैं। कांग्रेस हार के डर से बेबुनियाद आरोप लगा रही है। सुरजेवाला ने बेंगलुरु में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपके सामने एक ऑडियो क्लिप चलाने जा रहा हूं, जिसमें भाजपा नेता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, उनकी पत्नी और उनके पूरे परिवार का सफाया करने के लिए उनकी हत्या की साजिश रचते हुए सुनाई दे रहे हैं। इससे ज्यादा गंभीर कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के चुनाव में हत्या की साजिश को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई है। कोई भी राजनीतिक दल इससे ज्यादा निचले स्तर की बयानबाजी पर नहीं उतर सकता। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के लोगों द्वारा कांग्रेस पार्टी पर चारों तरफ से की जा रही आशीर्वाद की बौछार से भयभीत और राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की बुरी हार को लेकर आशंकित भाजपा नेता अब मल्लिकार्जुन खरगे और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चित्तपुर के भाजपा प्रत्याशी राठौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की आंखों का तारा हैं।

आपत्तिजनक सामग्री समेत चार व्यक्ति गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला के डिंगडिंगा में आपत्तिजनक सामग्री ले जा रहे वाहन सहित चार लोगों को पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। तामारहाट के डिंगडिंगा में आपत्तिजनक सामग्री की आपूर्ति करने वाले गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ग्राहमपुर पुलिस चौकी की टीम ने एक वाहन (एएस-16एसी-2481) के जरिए आपत्तिजनक सामग्री ले जा रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वाहन को भी जब्त कर लिया है। चार लोगों को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे असम-पश्चिम बंगाल सीमा से गोसाईगांव जा रहे थे। चारों व्यक्ति कोकराझाड़ जिला के गोसाईगांव के रहने वाले हैं। गिरफ्तार लोगों की पहचान गोसाईगांव के गोलाप हुसैन, रहीज उद्दीन शेख, रबीउल शेख और हुसैन अली के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

बांदा में घरों के बाहर लिखे हिंदू विरोधी नारे, मामला दर्ज

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में शरारती तत्वों के कई घरों के बाहर हिंदू भारत छोड़ो के नारे लिख दिए हैं। इसकी जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों में काफी रोष है। हिंदुओं मकान खाली करो जैसे स्लोगन भी लिखे गए हैं। वहीं मामला संज्ञान में आने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आक्रोशित लोगों को शांत कराने का प्रयास किया है। पुलिस ने मामले की जानकारी मिलते ही अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस इसकी जांच कर रही है कि यह हरकत किसने और कब की है। शहर कोतवाली के मर्दन नाका मुहल्ले से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह 2 मकानों के बाहर इस तरह के स्लोगन लिखे पाए गए थे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और बजरंग दल को दी। इसके बाद काफी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों को समझा बुझाकर शांत कराते हुए केस दर्ज किया है।

गलती से बांग्लादेश की सीमा के अंदर चला गया था किसान, 15 महीने बाद लौटा घर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले का एक किसान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास खेत में काम करने के दौरान गलती से बांग्लादेश की सीमा में दाखिल हो गया और 15 महीने पड़ोसी देश में रहने के बाद शनिवार को घर लौट आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छपरा पुलिस थाना क्षेत्र के ब्रह्मनगर निवासी नासिर शेख खेत में काम करते हुए गलती से बांग्लादेश की सीमा में प्रवेश कर गए और उन्हें बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने पकड़ लिया। अधिकारियों ने कहा कि दोनों देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कई क्षेत्रों में बाड़ नहीं है, और दोनों तरफ के लोग अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के क्षेत्र में आ जाते हैं। शेख ने कहा कि उन्हें बीजीबी द्वारा पुलिस को सौंप दिया गया और बाद में एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें दो महीने के लिए जेल भेज दिया। हालांकि, कई जटिलताओं के कारण, उन्हें लगभग 15 महीने तक वहां रहना पड़ा और बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के हस्तक्षेप के बाद ही स्वदेश लौट सके। गेदे चेक पोस्ट पर बीजीबी ने उन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया। नासिर शेख के भाई सिराज उन्हें लेने के लिए एक स्थानीय पंचायत सदस्य के साथ चेक पोस्ट पर गए। नासिर शेख ने कहा कि मुझे अच्छा लग रहा है कि मैं 15 महीने बाद घर लौट सका। बांग्लादेश में रहने के दौरान मेरे साथ अच्छा व्यवहार हुआ। नासिर के चार बच्चे हैं, जबकि उनकी पत्नी की मौत करीब सात साल पहले हो गई थी।

No. AE.150/2023/01
SHORT NOTICE INVIITING RFP

DIPR, Assam invites RFP proposals from reputed Agencies based at Guwahati having requisite experience in managing and publishing E-Newsletter in Digital and physical format/ Digital campaigns /Social media campaigns/ Multimedia creative production, Digital Branding, Digital Communications, Online Content creation and management, Planning and executing Influencer programs to appoint a Social Media Agency for CMO, Assam.

Intending Bidder(s) may collect the RFP Documents on payment of non-refundable Rs. 500/- (Rupees Five Hundred) only in the form of Demand Draft pledged in favour of DIPR, Assam on submission of written application in the official latter head of the concerned firm on any working day during office hours till 12th May, 2023. Intending Bidder(s) should submit the RFP proposal in the office of DIPR, Assam, Dispur upto 1.00 pm on 15th May, 2023. The RFP will be opened on the same day or on subsequent working day if it falls on Government holiday at 3.00 pm in presence of Bidders or their authorised representative present at that time only.

-- Janasanyog /C/ 2067/23

Sd/-
Director of Information and Public Relations
Assam, Dispur, Guwahati-6

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में सुधर ...

सैटन में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार उग्रवादी मारे गए। टोरबंग में उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाईं, जिससे उन्हें जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया और आईआरबी के दो जवान घायल हो गए। वहीं, पिछले 12 घंटों में पूर्वी इंफाल और पश्चिमी जिलों में आगजनी की छिटपुट घटनाएं हुईं। असामाजिक तत्वों ने लगातार उत्पात मचाने की कोशिशें की हालांकि, घटनाओं का विवरण उपलब्ध नहीं था। कई स्रोतों ने कहा कि समुदायों के बीच लड़ाई में कई लोग मारे गए और लगभग सौ घायल हो गए। हिंसा में मृतकों के शव इंफाल पूर्व और पश्चिम, चुराचांदपुर और बिशेनपुर जैसे जिलों से लाए गए थे। गोली लगने से घायल कई लोगों का इलाज रिम्स और जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान में भी चल रहा है। सुरक्षा बलों ने हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों के विभिन्न अल्पसंख्यक इलाकों से सभी समुदायों के नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया है। इसी वजह से राज्य के चुराचंदपुर, कांगपोकपी, मोरेह और काकचिंग अब पूरी तरह से नियंत्रण में हैं और कल रात से किसी बड़ी हिंसा की सूचना नहीं मिली है। सेना और असम राइफल्स के लगभग 10,000 सैनिकों को राज्य में तैनात किया गया है। मणिपुर के इंफाल घाटी में रहने वाले मैतेई समुदाय और पहाड़ी जिलों के निवासी नागा और कुकी आदिवासियों के बीच बुधवार को हिंसक झड़प हुई थी। जिसने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया था। सुरक्षाकर्मियों ने 13,000 नागरिकों को सुरक्षित कर लिया है। सभी नागरिक वर्तमान में कंपनी ऑपरेटिंग बेस और सैन्य गैरीसन के भीतर विशेष रूप से बनाए गए बोर्डिंग सुविधाओं में रह रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और शीर्ष अधिकारियों के साथ मणिपुर में स्थिति की समीक्षा की। यहां तक कि केंद्र ने वहां शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल और दंगा रोधी वाहनों को भेजा। सूत्रों ने कहा कि लगभग 1,000 और केंद्रीय अर्धसैनिक बल दंगा रोधी वाहनों के साथ शुक्रवार को मणिपुर पहुंचे। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक प्रवक्ता ने कहा कि मणिपुर जाने वाली ट्रेनों को शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के विरोध में बुधवार को आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग क्षेत्र में पहली बार हिंसा भड़की थी। मणिपुर उच्च न्यायालय ने पिछले महीने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय द्वारा एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को सिफारिश भेजने के लिए कहा था। जिसके बाद आदिवासियों ने नागा और कुकी सहित विरोध में मार्च निकाला था। पुलिस ने कहा कि टोरबुंग में मार्च के दौरान एक सशस्त्र भीड़ ने मैतई समुदाय के लोगों पर कथित तौर पर हमला किया था। जिसके कारण घाटी के जिलों में जवाबी हमले हुए जिससे पूरे राज्य में हिंसा भड़क गई। मैतेई राज्य की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, आदिवासी समुदाय में नागा और कुकी शामिल हैं और यह आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं। ये ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में ...

की कोशिश की जिसके चलते कमांडो ने अनियंत्रित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की। इसी दौरान गोली लगने से बियाशानिंग थुजाम नामक युवक की मौत हो गई। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि हिंसा प्रभावित जिलों में जहां स्थिति नियंत्रण में है, वहीं उपद्रवी दूर-दराज के इलाकों में टायर जलाकर सड़कों को जाम करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि सीआरपीएफ की 204 कोबरा बटालियन की डेल्टा कंपनी के कांस्टेबल चोंखोलेन हाओकिप की कल दोपहर 2.00 से 3.00 बजे के बीच हथियारबंद हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना चुराचांदपुर जिले के उनके गांव की है। कोबरा बटालियन की डेल्टा कंपनी के कॉन्स्टेबल चोंखोलेन हाओकिप छुट्टी पर घर आए थे। शीर्ष पुलिस सूत्रों ने कहा कि उनकी मौत के चलते आसपास के इलाके जांच के दायरे में हैं। हालांकि, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पुलिसकर्मियों के वेश में कुछ अज्ञात बदमाशों ने गांव पर हमला किया और कोबरा बटालियन की डेल्टा कंपनी के कांस्टेबल चोंखोलेन हाओकिप की गोली मारकर हत्या कर दी।

मानव रहित विमानों ...

भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित विद्रोहियों के शिविरों से मणिपुर को अशांत करने की कोशिशें हो रही हैं। इस कारण सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सुबह से ही भारत-म्यांमार सहित मणिपुर के कई इलाकों में चीता हेलीकॉप्टरों ने निगरानी की जा रही है। भारत-म्यांमार सीमा के पाक चौकसी और बढ़ा दी गई है। सूत्रों के मुताबिक सेना ने मणिपुर में शांति बहाली के लिए पूरी रणनीति बना ली है। लेकिन पता चला है कि भारत-म्यांमार सीमा पर विद्रोहियों के शिविरों से यहां की शांति बहाली में परेशानी आ सकती है। जमीनी स्तर पर असम राइफल्स के जवान चौबीसों घंटे चौकसी कर रहे हैं और सीमा पर भी चौकसी और निगरानी बढ़ा दी गई है। मणिपुर में हवाई निगरानी के लिए मानव रहित विमान और सेना के हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। चीता हेलीकॉप्टरों का उपयोग कर मणिपुर में सुबह से ही सेना द्वारा कई दौर की हवाई निगरानी की जा चुकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सेना और असम राइफल्स बढ़िया तालमेल के साथ काम कर रहे हैं। सेना को उम्मीद है कि जल्द ही मणिपुर में शांति लौट आएगी।

सरकार हिंसा को...

की निगरानी कर रहे हैं और सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दो समुदायों के बीच सांप्रदायिक हिंसा एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। कई लोगों की जान चली गई है और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। रिजिजू ने दोनो वर्गों से बातचीत का आह्वान करते हुए कहा कि चाहे मैतेई हों या कुकी, दोनों एक ही राज्य के हैं और उन्हें साथ रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे उत्तर पूर्व में तेजी से विकास हो रहा है। हिंसा को इसमें सेंध लगाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस तरह की घटनाएं लोगों के भविष्य को प्रभावित करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह युवाओं और महिलाओं को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सुंदर उत्तर पूर्व के विकास को आगे ले जाने के लिए शांति की आवश्यकता है। समाज तभी प्रगति कर सकता है जब शांति हो। उन्होंने लोगों से गृह मंत्रालय द्वारा आदेशित बलों की तैनाती का समर्थन करने का आग्रह किया। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के विरोध में बुधवार को आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग क्षेत्र में पहली बार हिंसा भड़की थी। हिंसा में कुकी जनजाति और बहुसंख्यक मैतई चपेट में आ गए थे। जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हो गए। मैतेई राज्य की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, आदिवासी समुदाय में नागा और कुकी शामिल हैं और यह आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं। ये ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं। उधर मणिपुर के कई जिलों में जनजातीय समूहों द्वारा रैलियां निकाली गई, जिसके बाद मणिपुर में कई जगहों पर हिंसा देखने को मिली। वहीं, इस हिंसा में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। हालांकि हिंसा धीरे-धीरे शांत हो रही है, लेकिन राज्य में हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीचच राज्य में सर्वदलीय बैठक चल रही है। सीएम एन बीरेन सिंह की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में कांग्रेस, एनपीएफ, एनपीपी, सीपीएम, आम आदमी पार्टी, शिवसेना समेत राजनीतिक दल शामिल हो रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सर्वदलीय बैठक में सीएम एन बीरेन सिंह ने सभी राजनीतिक दलों का समर्थन मांगा और उनसे क्षेत्र में शांति की अपील करने को कहा।

मणिपुर हिंसा : 11 सौ ...

साथ प्यार करते देखा गया। हिंसक स्थिति के बीच उन्होंने अपने प्यारे जानवर को भी खतरे वाली स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा। कछार जिला के दंडाधीश रोहन कुमार झा के अनुसार हिंसा की वजह से मणिपुर के कुछ लोगों ने नदी और जमीन के रास्ते कछार जिले में प्रवेश किया। मणिपुर से आने वाले लोगों को जोरखा हमार लोअर प्राइमरी स्कूल, मीरपुर लोअर प्राइमरी स्कूल, फुलेरताल यूनियन हाई स्कूल, के बेथेल प्राइमरी स्कूल सहित लखीपुर उप-मंडल के विभिन्न स्कूलों में आश्रय दिया गया है। उन्होंने बताया कि शिविर में दो दिनों से राशन दिया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर और राशन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में स्थिति शांतिपूर्ण है। जिला मजिस्ट्रेट ने आम लोगों से पड़ोसी राज्य मणिपुर में अशांति से संबंधित कोई भी अफवाह नहीं फैलाने की अपील की। कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महतो के अनुसार कछार-मणिपुर सीमा पर सुरक्षा और मजबूत कर दी गई है और क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी उपाय किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के लखीपुर इलाके में हिंसा की कोई घटना नहीं हुई है। मणिपुर से आए लोगों ने बताया कि उन्होंने राज्य की सीमा पार कर गुरुवार आधी रात को असम में शरण ली। उससे पहले मैतेई और कुकी दोनों समुदायों ने गुरुवार सुबह अपने क्षेत्र में शांति बैठक कर एक-दूसरे की रक्षा का आश्वासन दिया। लेकिन रात में उपद्रवियों ने हमला कर दिया। इनके मुताबिक सेना ने गुरुवार रात स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। आधी रात को इन परिवारों ने असम सीमा की ओर चलने का फैसला किया और बच्चों व बुजुर्गों के साथ जिरी नदी पार कर असम के कछार जिले के लखीपुर में प्रवेश किया। गौरतलब है कि मैतेई लोगों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के फैसले से मणिपुर में हिंसा भड़क गई थी।

बच्चा पैदा करने ...

रखने के खिलाफ है। उनका कहना था कि स्वतंत्र भारत में रहने वाले एक पुरुष को तीन-चार महिलाओं से शादी करने का कोई अधिकार नहीं हो सकता है। हम ऐसी व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। हम *सबका साथ सबका विकास* चाहते हैं। अगर असमिया हिंदू परिवारों के डॉक्टर हैं तो मुस्लिम परिवारों के डॉक्टर भी होने चाहिए।

हिंसा प्रभावित मणिपुर ...

होने वाली नीट की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इन उम्मीदवारों के लिए नीट परीक्षा की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक इस संबंध में छात्र हेल्प लाइन नंबर 011-4075900 पर कॉल कर सकते हैं। छात्र एनटीए की वेबसाइट पर भी इस संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

बिजली गुल : राष्ट्रपति...

सुना गया। इस दौरान वातानुकूलित प्रणाली भी सामान्य रूप से काम करती रही। वहां मौजूद बड़ी संख्या में दर्शक उन्हें सुनने के लिए धैर्यपूर्वक बैठे रहे। बताया जा रहा है कि वहां कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। टाटा पावर की कंपनी नॉर्थ ओडिशा पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के सीईओ भास्कर सरकार ने कहा कि हॉल (कार्यक्रम स्थल) में कोई आपूर्ति व्यवधान नहीं था और गड़बड़ी शायद बिजली के तारों में कुछ खराबी के कारण हुई थी। विश्वविद्यालय के कुलपति संतोष कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान बिजली के गुल होने को लेकर खेद जताया और माफी मांगी। मुर्मू, भारत की दूसरी महिला राष्ट्रपति (प्रतिभा पाटिल के बाद), पिछले साल जुलाई में देश के सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय के लिए चुनी गईं। वह राम नाथ कोविंद के उत्तराधिकारी हैं।

अरुणाचल प्रदेश में ...

दो व्यक्ति जिंदा पाये गये, जिन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में इंगकियोंग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चारों की पहचान असम तोकोपाथर गांव के पेंगरी, डिग्बोई के रहने वाले बच्चू राहुतिया, भैया रहुतिया और मोटू रहुतिया और सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के प्रीतम के रूप में की गई है। जिलाधिकारी ने बताया है कि ऊपरी सियांग जिला पुलिस घटना की निगरानी कर रही है और नागरिक प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी बचाव अभियान में लगे हुए हैं। इस घटना पर जेंगिंग पुलिस स्टेशन में धारा 174 के तहत अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया गया है। इंगकियोंग के डिप्टी एसपी तासो काटो ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम के बाद संबंधित परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया है।

जजों को भी ट्रेनिंग...

से भेजे जाते हैं। एक न्यायाधीश इसे कैसे पचा सकता है? उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को सोशल मीडिया के इस युग के बारे में पता होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस राजेश बिंदल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में लगभग 5 करोड़ मामले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि तो इन मामलों में लगभग 15 से 20 करोड़ लोग शामिल हैं। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति एस मुरलीधर, ओडिशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, ओडिशा हाई कोर्ट, कटक के अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश और अधिवक्ता और अन्य उच्च न्यायालयों के सभी मुख्य न्यायाधीश भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपस्थित थे।

एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर...

क्रैश हो गया था। हेलीकॉप्टर क्रैश होने से पहले पायलट और को-पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को तकनीकी खराबी की सूचना दी थी और फिर इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की गई। पायलट ने हेलीकॉप्टर को मारुआ नदी के किनारे पर लैंड करवाने की कोशिश की थी लेकिन सफल नहीं रहा और एक बड़ा हादसा हो गया। हेलीकॉप्टर में पायलट, को-पायलट के साथ-साथ एक टेक्नीशियन मौजूद था। बता दें कि एएलएच हेलिकॉप्टर भारतीय तटरक्षक बल के साथ सेना, नौसेना और वायु सेना सहित तीनों रक्षा बलों द्वारा संचालित किया जाता है। इससे पहले मुंबई में हुए हादसे के बाद भारतीय सेना एएलएच ध्रुव हेलिकॉप्टर की तरफ से इसके संचालन पर रोक लगा दी गई थी। इसके साथ ही घटना के कारणों की जांच की जा रही थी। एक सूत्र ने बताया कि जांच प्रक्रिया में जिन हेलीकॉप्टरों को मंजूरी दी गई है, वे अब उड़ान भर रहे हैं। भारतीय वायु सेना लगभग 70 एएलएच ध्रुव का संचालन करती है।

गोलियों से भूना गया ...

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का दाहिना हाथ माना जाता था। पंजवड़ ने पाकिस्तान में अपना नाम मलिक सरदार सिंह रखा हुआ था। शनिवार सुबह 6 बजे बाइक पर आए दो लोगों ने उस पर हमला किया और फरार हो गए। परमजीत सिंह पंजवड़ पुत्र कश्मीरा सिंह, गांव पंजवड़, जिला अमृतसर का रहने वाला था और पंजाब से फरार होकर 1990 में पाकिस्तान चला गया था, जहां पर उसने खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ की कुर्सी संभाल रखी थी। मनबीर सिंह चहेड़ू के नेतृत्व में अगस्त 1986 में पंथक कमेटी और दमदमी टकसाल के सहयोग से खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) का गठन किया गया था और वर्तमान में खालिस्तान कमांडो फोर्स की पहचान केसीएफ-पंजवड़ के रूप में की जाती है। अगस्त 1986 में मनबीर सिंह चहेड़ू को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद सुखदेव सिंह उर्फ सुखा सिपाही ने प्रमुख का पदभार संभाला। बाद में इस आतंकी संगठन की कमान पाकिस्तान में शरण लिए परमजीत सिंह पंजवड़ को सौंपी गई। पंजवड़ ने ही इस्लामी समूहों जैसे लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के साथ संबंध बनाकर अपने संगठन को काफी मजबूत किया। पंजाब में 57 वर्षीय परमजीत पंजवड़ पर देशद्रोह, हत्या, साजिश, हथियारों की तस्करी व आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के मामले दर्ज हैं। पंजवड़ पूर्व सेना प्रमुख जनरल एएस वैद्य की हत्या और लुधियाना में देश की सबसे बड़ी बैंक डकैती के मामले में भी वांछित रह चुका है। खालिस्तान कमांडो फोर्स में शामिल होने से पहले 1986 उसने केंद्रीय सहकारी बैंक में काम किया। 1986 में वह केसीएफ में शामिल हो गया। उसके चचेरे भाई लाभ सिंह का उस पर बड़ा प्रभाव था। 1990 के दशक में लाभ सिंह के खात्मे के बाद केसीएफ का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद पंजवड़ पाकिस्तान भाग गया। पंजवड़ ने सीमा पार से हेरोइन की तस्करी के माध्यम से धन जुटाकर केसीएफ को जीवित रखा हुआ था। भोला और परगट सिंह नारली जैसे पंजाब के बड़े तस्करों की मदद से फंड लेकर आतंकवाद को जिंदा करने व हथियारों पर खर्च किया है। भारत की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, उसकी पत्नी और बच्चों ने खुद को जर्मनी में स्थानांतरित कर लिया था। परमजीत पंजवड़ के खिलाफ 1989 से 1990 तक दस प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिनमें हत्या के सात मामले और टाडा के तहत दो मामले शामिल हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **एकादश अध्याय**

(ब्रह्म-वृक्ष)

शोभा अकथ अवाच्य है, श्वेत ध्वजा फहराया।
द्वारे नौवत्त बाजती, शून्य शिखर घहराय॥ 23॥

शब्दार्थ : (शोभा) सौंदर्य (नौबत) बाजा (घहराय) गर्जन (शून्य शिखर) चेतन-मण्डल।

भाष्य : चेतन-मण्डल शब्द कह रहा है और श्वते ध्वजा फहरा रहीं है एवं द्वार पर सब प्रकार के बाजे बज रहे हैं। चेतन-मण्डल की शोभा अकथनीय और अवाच्य है, उसको प्राकृतिक वाणी से कथन या दूसरे के लिए वर्णन नहीं किया जा सकता। वह अनुभवगम्य आत्मा का विषय है।

सहज सिहाँसन पुरुष का, सन्तन कर दरबार।
सुरति सो चँवर डोलावती, दशो दिशा सुख सार॥ 24॥

शब्दार्थ : (पुरुष) सत्यनाम, सत्यपुरुष (सुरति) आत्मा का चेतन, चितिशक्ति।

भाष्य : सत्यपुरुष का सहज सिहांसन है, जहां पर संतजन आनंद का उपभोग करते हैं। आत्मा की शुद्ध शक्ति अर्थात चेतन सुरति चंवर डुला रही है और दशो दिशाओं में आनंद-ही आनंद प्राप्त हो रहा है। यह परमानंद स्वरूप परम पुरुष की महिमा है।

डावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन

भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को मिलेगा बढ़ावा : केंद्रीय मंत्री

शिलांग। बांग्लादेश में संबंधित भूमि बंदरगाह *तमाबिल* है, जो सिलहट जिले में स्थित है। डावकी भूमि बंदरगाह भारत-बांग्लादेश के बीच अहम व्यापार और परिवहन केंद्र के रूप में काम करेगा। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में डावकी भूमि में पोर्ट का उद्घाटन किया। ये उद्घाटन मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियावभालांग धर की मौजूदगी में किया गया। नित्यानंद राय ने कहा कि ये भूमि बंदरगाह से पर्यटन और व्यापार क्षेत्रों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नित्यानंद राय

ने कहा कि यह पोर्ट दोनों देशों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें अच्छा बुनियादी ढांचा है। साथ ही इसमें कैंटीन, पर्यटकों के लिए कार्गो और पॉवर सब स्टेशन जैसी कई सुविधाएं हैं। इसका उद्देश्य सभी एजेंसियों और हितधारकों को एक ही छत के नीचे लाना है। डावकी भूमि बंदरगाह मेघालय में पश्चिम जयंतिया हिल्स में स्थित है। यह *जोवाई* से 55 किलोमीटर और मेघालय की राजधानी शिलांग से लगभग 84 किलोमीटर दूर है। बांग्लादेश में संबंधित भूमि बंदरगाह *तमाबिल* है, जो सिलहट जिले में स्थित है। डावकी भूमि बंदरगाह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार और परिवहन केंद्र के रूप में काम करेगा। साथ ही सीमा पार से लोगों, समान और वाहनों के आने जाने की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही यह सीमा पार यात्रियों की आवाजाही को भी सुविधाजनक बनाएगा। राय ने कहा भारत के सहयोग से बांग्लादेश प्रगति के पथ पर है। समय के साथ संबंध और मजबूत हुए हैं। यह संपर्क स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ गति शक्ति को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब से मैं यहां आया, तभी से मैं डावकी के आकर्षण को निहार रहा हूं। यहां के नजारे, पहाड़ियां, पेड़ और हर चीज जिसे मैं देखता हूं, मुझे उसमें सिर्फ खूबसूरती नजर आती है। यह बहुत सुंदर है। क्षेत्र में विकास के लिए राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार मेघालय को एक मजबूत राज्य बनाने की दिशा में काम कर रही है।

भारी मात्रा में गांजा के साथ एक ट्रक जब्त

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के गोसाईगांव महकमा अंतर्गत असम-पश्चिम बंगाल सीमावर्ती इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज एक ट्रक से लाखों रुपए मूल्य का गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने बताया की आज एक गुप्त सूचना के आधार पर शिमुलतापू पुलिस की एक टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-31 %सी% पर एक तलाशी अभियान चलाया और इसी दौरान एक ट्रक (पीबी- 05एबी-6969) जो पश्चिम बंगाल की तरफ जा रहा था। ट्रक की तलाशी ली गई तो चालक के केबिन में बने गुप्त चैंबर से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। गांजा बरामद होने के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर ट्रक के चालक और सह चालक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान बिहार के दरभंगा जिला के छोटू कुमार झा और सह चालक रवि कुमार मंडल के रूप में किया गया है। जब्त गांजे का बाजार मूल्य करीबन 50 लाख आंका गया है। चालक के अनुसार गांजा को त्रिपुरा सीमावर्ती इलाके से किसी अज्ञात स्थान से चालक छोटू कुमार झा को सौंपकर बिहार भेजा जा रहा था।

माजरचर में लगी आग से दो घर जलकर राख

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बागबर विधानसभा क्षेत्र के आलोपतिचर थानांतर्गत माजर चर में आज दोपहर आग लगने से एक ही परिवार के दो घर जलकर खाक हो गए। मिली जानकारी के अनुसार आग देखने के साथ ही परिवार वालों ने शोर मचाया, उन्होंने विभिन्न उपाय करके आग को बुझाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन आग की लपटें पूरी तरह से जलकर खाक हो गईं। बताया जा रहा है कि माजर चर गांव के तोराप अली के बेटे इंसार अली के घर में सोने के गहने और 50 हजार रुपए सहित पांच लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। क्षेत्र के निवासियों ने सरकार प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय विधायकों से प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की है।

कार में युवती से बलात्कार कर वीडियो बनाया, पांच आरोपी गिरफ्तार

असम में पांच दिन में रेप की तीसरी घटना

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के गोहपुर में बीती रात कथित तौर पर एक युवती को उसके घर से 5 लोगों ने अगवा कर कार में उसके साथ बलात्कार किया। युवकों ने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया। ज्ञात हो कि तिनसुकिया जिला में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या की घटना के दो दिनों बाद राज्य में एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक बीती रात करीब एक बजे एक युवती आई उसने यह कहते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई कि उसके साथ बलात्कार किया गया और घटना को फिल्माया गया। इसके बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई और सर्च अभियान शुरू कर दिया। इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार करने में पुलिस को कामयाबी मिली। गिरफ्तार पांचों आरोपितों में से एक ने अपराध स्वीकार किया है जबकि अन्य ने कहा कि उन्होंने बलात्कार का प्रयास किया और घटना को फिल्माया था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पुरनचदगवारा बसुमतारी (कथित मास्टरमाइंड), बिपुल बसुमतारी, सोंगखोर बसुमतारी, सोहेन ग्यारी और विजय मुसाहारी के रूप में हुई है। गौरतलब है कि असम में महज 5 दिनों में रेप का यह तीसरा मामला सामने आया है। 4 मई को 12 वर्षीय बच्ची से बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर शव को सेप्टिक टैंक में फेंके जाने की भयावह घटना सामने आई थी। दुष्कर्मी और हत्यारा बच्ची का परिचित था।

राज्यपाल ने कामरूप (मेट्रो) कार्यालय का दौरा कर लिया विकास कार्यों का जायजा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कामरूप (ग्रामीण) जिला के अपने एक दिवसीय दौरे पर आज (शनिवार) जिला उपायुक्त, एसपी, विभागों के प्रमुखों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक की और राज्य में विकास कार्यों और मौजूदा कानून व्यवस्था का जायजा लिया। राज्यपाल ने कामरूप (ग्रामीण) एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी विभागों के कार्यों का जायजा लिया। इसके अलावा, उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पीएचई, समाज कल्याण, मनरेगा जैसे विभागों द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन का भी जायजा लिया। उन्होंने जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल करने का निर्देश दिया कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे निचले तबके तक जल्द से जल्द पहुंचे। कामरूप जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने राज्यपाल को जिले में वर्तमान में चल रहे कई विकास कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन जिले के सभी वर्गों के लोगों तक शासन के लाभों का विस्तार करने के लिए हमेशा तत्पर रहा है। राज्यपाल कटारिया ने अमृत सरोवर योजना की प्रगति और जनता पर इसके प्रभाव का भी जायजा

लिया। उन्होंने अधिकारियों से बैठक आयोजित करने और ग्रामीणों के साथ बातचीत करने और योजना पर उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए कहा। राज्यपाल ने पीएमएवाई-जी योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि चूंकि योजना जनता के जीवन स्तर में सुधार के लिए शुरू की गई थी, इसलिए जिला प्रशासन को इसके लिए विशेष पहल करनी चाहिए। राज्यपाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि कृषि सामाजिक-आर्थिक विकास में प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है, इसलिए उन्होंने डीसी और जिला कृषि अधिकारी से कहा कि वे किसानों को उचित प्रशिक्षण दें ताकि वे अपनी भूमि में बहुफसली खेती कर सकें। उन्होंने कहा कि किसानों को अन्य राज्यों में भी ले जाया जा सकता है जहां बारह महीने की फसल उगाई जाती है। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसी फसल की खेती करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए जो उनकी जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल हो। तकनीकी नवाचारों का उपयोग करके फल और सब्जियां उगाई जा सकती हैं। राज्यपाल ने कहा कि किसान अपने मौजूदा खेत के साथ-साथ मछली पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन के विस्तार के लिए युवाओं को जोड़ा जा सकता है जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) के एक प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की, जिन्होंने पुनर्नवीनीकरण जल जलकुंभी का उपयोग करके उत्पादों को बनाने में प्रभावशाली रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। राज्यपाल ने सभी पदाधिकारियों को अपने व्यवहार में समय के पाबंद और पारदर्शी होने और जिले के साथ-साथ राज्य के विकास में योगदान देने के लिए भी कहा। एसपी कामरूप हितेश चौधरी राय ने जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति की जानकारी दी। राज्यपाल ने साइबर अपराधों के निस्तारण पर बल दिया और यह भी कहा कि जघन्य अपराध करने वालों को शत-प्रतिशत सजा दिलाने के लिए कदम उठाए जाएं। राज्यपाल ने आईआईटी-गुवाहाटी का भी दौरा किया और कार्यवाहक निदेशक प्रो. परमेश्वर के. अय्यर, संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों को देश का भविष्य बनाने का चुनौतीपूर्ण कार्य करने के लिए शिक्षकों की भी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को रोजगार के लिए तैयार करना ही एकमात्र एजेंडा नहीं होना चाहिए। प्रत्येक छात्र को दूसरों के लिए नौकरी के अवसर पैदा करके देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने छात्रों से बातचीत करते हुए उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और हमेशा सकारात्मक रहने के लिए कहा। उन्होंने उनके नवाचारों की सराहना की और उनके विकास के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

दो सौ बोरे बर्मीज सुपारी एवं ट्रक जब्त, दो गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिला के बजाली के भवानीपुट में पुलिस ने आज (शनिवार) तलाशी अभियान चलाते हुए 200 बोरे बर्मीज (म्यांमार) सुपारी जब्त किया है। इस संबंध में पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर एवं हैंडिमैन को गिरफ्तार किया है। बरामद सुपारी की कीमत लाखों रुपए आंकी गयी है। गिरफ्तार चालक और हैंडीमैन की पहचान मैयदुल इस्लाम और इसोव अली के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया है कि तलाशी अभियान के दौरान ट्रक (एनएल-01एजी-1530)

से 200 बोरे बर्मीज सुपारी को जब्त किया गया। पूछताछ में पता चला है कि सुपारी को मेघालय से लाया गया था, जिसे दूसरे राज्य में ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

चुराईबाड़ी गेट पर छह करोड़ रुपए की 60 हजार याबा टैबलेट्स बरामद, तीन गिरफ्तार

धर्मनगर (त्रिपुरा) (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने इस वर्ष अब तक सबसे अधिक मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। उत्तरी त्रिपुरा पुलिस ने शनिवार की सुबह करीब छह बजे असम-त्रिपुरा अंतरराज्यीय सीमा पर चुराईबाड़ी गेट पर 60 हजार याबा टैबलेट्स के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्तरी त्रिपुरा जिला पुलिस अधीक्षक भानुपद चक्रवर्ती ने अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि बरामद मादक पदार्थ सामग्री का बाजार मूल्य करीब छह करोड़ रुपए है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूत्रों से सूचना मिली थी कि असम के करीमगंज से याबा टैबलेट लेकर एक वाहन त्रिपुरा में प्रवेश करेगा। इसके मद्देनजर चुराईबाड़ी गेट पर कड़ी चौकसी की व्यवस्था की गई थी। सुबह करीब छह बजे एक बोलेरो वाहन (टीआर-01एफ-2938) को जब्त कर उसकी तलाशी ली गई। वाहन से 60 हजार याबा टैबलेट्स बरामद की गई। इसकी बाजार कीमत करीब छह करोड़ रुपए होगी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तीन लोगों की पहचान शुभंकर देबनाथ, इदरीस मियां और रजत पाल के के रूप में की गयी है। तीनों सोनामुरा अनुमंडल के धनपुर के रहने वाले हैं। तीनों को चुराईबाड़ी थाने को सौंप दिया गया है। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक भानुपद चक्रवर्ती ने बताया कि पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी जब्त कर पुलिस स्टेशन ले गई।

डॉक्टर दंपति पर बाल शोषण का आरोप, डॉ. वलीउल इस्लाम गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के डॉक्टर दंपति डॉ संगीता दत्ता और उनके पति डॉ वलीउल इस्लाम पर बाल शोषण का आरोप लगा है। डॉ. वलीउल इस्लाम को पलटन बाजार पुलिस ने घर में काम करने वाली बच्ची के साथ उत्पीड़न चलाने के आरोप में बीती रात को गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर दंपति पर आरोप है कि उन्होंने बच्ची को चिलचिलाती धूप में घर की छत पर बांध रखा था। हालांकि, डॉ संगीता दत्ता फरार बतायी गयी हैं। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया है कि स्थानीय लोगों के एक समूह ने पुलिस को बच्ची के साथ उत्पीड़न की घटना के बारे में सूचित किया। यह घटना कथित तौर पर गुवाहाटी में आर्य अस्पताल के पास रामा एन्क्लेव में हुई। इसके बाद पुलिस ने डॉ. वलीउल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर इस घटना पर कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। घटना के तुरंत बाद डॉ. संगीता दत्ता ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा कि किसी ने उनके खिलाफ बड़ी साजिश रची है। उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है। यह उनके खिलाफ साजिश है। हालांकि, बाद में इस वीडियो को सोशल मीडिया से हटा दिया गया। पुलिस ने उत्पीड़न की शिकार बच्ची को चाइल्ड लाइन के हवाले कर दिया है। घटना के संबंध में पुलिस ने दंपति की देखभाल करने वाले को भी हिरासत में ले लिया है। घर की देखभाल करने वाले पर कथित तौर पर बच्ची को बांधने का आरोप लगाया गया है।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने दस साल पहले कहा था : एक असंवैधानिक संस्था है सीबीआई, मच गया था तहलका

गुवाहाटी/नई दिल्ली। संविधान और कानून के जानकार अच्छी तरह जानते हैं कि केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ को आजादी के पचहत्तर सालों में भी संवैधानिक बैधता नहीं मित्र पाई है। इसीलिए गुवाहाटी की उच्च न्यायालय ने इसे दस साल पहले एक आदेश के जरिए असंवैधानिक संस्था करार देकर तहलका मचा दिया था। तब से यह संस्था सर्वोच्च न्यायालय के स्थगन आदेश पर क्रियाशील बनी हुई है। मगर अब केंद्र सरकार इसकी भूमिका और कार्यप्रणाली को वैधानिक श्रेणी में लाकर इसे देशव्यापी संस्था बनाने की तैयारी में है। अभी तक सीबीआइ *दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 1946* के तहत काम करती है। इस कानून की सीमाओं और बैधता पर विचार-विमर्श के बाद संसद की स्थायी समिति ने सिफारिश की है कि सीबीआइ के लिए अलग से कानून बने। यह कानून ऐसा हो कि उसमें सीबीआइ की श्रेणी, कार्यप्रणाली अधिकार और क्षेत्र निर्धारित हों। इसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता स्थापित हो। सीबीआइ को असंवैधानिक ठहराने का फैसला हैरत में डालने वाला जरूर था, लेकिन इस सवाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सर्बोच्च न्यायालय ने आधार कार्ड की बैधानिकता को भी कठघरे में लाकर उसकी अनिवार्यता पर रोक लगा दी थी। बाद में इसे कानूनी वैधता संसद के जरिए दी गई। हमारे यहां गैरजरूरी और विसंगतियों से भरे ऐसे कई कानून हैं, जिनकी या तो जरूरत नहीं रह गई है या उन्हें विधायिका और कार्यपालिका अपने निजी हितों के त्रिए बजूद में बनाए रखना चाहती हैं। सीबीआइ के कानूनी संस्थागत ढांचे को गैरकानूनी ठहराना उनके लिए आईना है, जो संसद की गरिमा और सर्वोच्चता का बखान करते नहीं अघाते। क्योंकि सीबीआइ की मौजूदा स्थापना का कानून संसद से कभी पारित ही नहीं हुआ। इसलिए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इकबाल अहमद अंसारी और इंदिरा शाह की युगल खंडपीठ मे बीएसएनएल के अधिकारी नवेंद्र कुमार की याचिका पर सुनवाई के बाद सीबीआइ को अवैधानिक संस्था ठहराया था। दरअसल, सीबीआइ ने नवेंद्र के खिलाफ अष्टाचार का एक मामला 2001 में धारा 120 बी और आइपीसी की धारा 420 के तहत दर्ज किया था। इस बाबत नवेंद्र कुमार ने जनहित याचिका के जरिए सीबीआइ के गठन को ही चुनौती दे दी थी। हालांकि इस याचिका को एकल खंडपीठ ने खारिज कर दिया था, पर युगल पीठ ने सीबीआइ के बजूद को ही अपने फैसले में नक्कार दिया था। अदालत ने कहा था कि संसद में कानून बनाए बिना, महज एक सचिव द्वारा तैयार किए गए प्रारूप और प्रस्ताव की मार्फत 7 अप्रैल, 1965 को सीबीआइ का गठन हो गया था। इस पर तत्कालीन सचिव वी विश्वनाथन ने दस्तखत किए थे। महज एक पृष्ठीय प्रस्ताव से प्रक्रिया पूरी कर ली गई

थी। अदालत के समक्ष जब यह तथ्य आया तो वह चौकन्नी हुई और उसके जेहन में सवाल कौंधा कि क्या वाकई कोई सचिव सीबीआइ जैसी देशव्यापी एजेंसी खड़ी कर सकता है? इस लिहाज से अदालत ने सीबीआइ के तत्कालीन गठन को मौजूदा अनिवार्यताओं को पूरा करने के लिए एक अस्थायी उपाय माना। क्योंकि इस प्रस्ताव को वैधानिक स्वरूप देने के क्रम में न तो कोई अध्यादेश जारी हुआथा और न ही कानून में कोई संशोधन हुआ। यह केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला भी नहीं था। राष्ट्रीय अभिलेखागार दिल्ली से मंगवाए गए सीबीआइ के गठन के अभिलेखों से खुलासा हुआ कि इस कार्यकारी आदेश की स्वीकृति राष्ट्रपति से भी नहीं ली गई है। इसलिए इसे विभागीय आदेश तो माना जा सकता है, पर भारत सरकार का कानूनी आदेश नहीं माना जा सकता। इस फैसले के बाद सीबीआइ के कानूनी स्वरूप की समीक्षा और इसे कानूनी शकल दिए जाने का अवसर आ गया है। इस फैसले को केवल यह कह कर नहीं टाला जा सकता कि सीबीआइ बीते तिरसठ साल से बजूद में है, इसलिए इसके मौजूदा स्वरूप को ही बने रहना चाहिए। हालांकि गुवाहाटी हाईकोर्ट दवारा इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय के नजरिए को नजरअंदाज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 1990 में दिए एक फैसले में डीएसपीई अधिनियम की वैधानिकता को स्वीकार किया था। तीन न्यायमूर्तियों की पीठ ने 2007 में और संविधान पीठ ने 2010 में सीबीआइ के गठन को संवैधानिक ठहराया था। इसके अलावा बहुचर्चित बिनीत नारायण मामले में भी सुप्रीम कोर्ट सीबीआइ के मौजूदा स्वरूप के पक्ष में थी। आश्चर्यजनक है कि जब देश के सर्वोच्च न्यायालय और कई उच्च न्यायालयों ने सीबीआइ को अनेक आपराधिक मामलों की जांच के निर्देश दिए हैं, फिर एकाएक गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने इसकी बैधता पर प्रश्तचिह्न क्यों खड़ा कर दिया था? दरअसल, ब्रिटिश हुकूमत के दौरान 1946 में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम बनाया गया था। इसका कार्यक्षेत्र केवल केंद्र शासित प्रदेशों तक सीमित रखते हुए इसे इंटेलिजेंस ब्यूरो के तहत रखा गया था। तब इसका मुख्य उद्देश्य क्रांतिकारी आंदोलनों और उनके आय के स्रोतों का पता लगाना था। 1948 में एक पुलिस महानिरीक्षक की तैनाती कर इस संस्था को उसके मातहत कर दिया गया। आजादी के बाद इसके कार्यक्षेत्र में विस्तार करने के साथ 1963 में इसके दायरे में भारतीय दंड विधान की अपराध को संज्ञान में लाने वाली 9] धाराएं जोड़ दी गईं। साथ ही 16 अन्य केंद्रीय अधिनियम और भ्रष्टाचार निरोधक कानून भी इसके दायरे में ला दिए गए। बाद में 7 अप्रैल 1965 को गृह मंत्रालय के सचिव वी विश्वनाथन ने एक प्रस्ताव बनाया और इसे कार्मिक मंत्रालय के अधीन कर दिया। तदर्थ संस्था होने के बावजूद सीबीआइ तीन स्तरों पर काम करती है। पहला, केंद्र सरकार और केंद्रशासित प्रदेशों के मामले। दूसरा, उच्च और सर्वोच्च न्यायालय से मिले आदेश का पालन, तीसरा, राज्य सरकारों के आग्रह पर जांच करना। सीबीआइ का वर्तमान ठांचा तीन शाखाओं के अंतर्गत काम करता है। पहली. अष्टाचार निरोधक शाखा, दूसरी, आर्थिक अपराध शाखा और तीसरी, विशेष अपराध शाखा। 1946 के जिस कानून से सीबीआइ अस्तित्व में आई थी, उसके अनुसार राज्यों में अपराध दर्ज करने और जांच के लिए राज्य सरकारों की अनुमति आवश्यक है। सामान्य तौर पर राज्य सरकारें अनुमति दे देती हैं, लेकिन सीबीआइड़ की बैधानिकता पर उच्च न्यायालय दवारा ही प्रश्नचिहन लगा देने के बाद से कई राज्य सरकारों ने दी हुई सहमतियां बापस भी ले ली हैं। पिछले सात साल में नौ राज्य सरकारें सीबीआइ से सामान्य सहमति (जनरल कसेंट) वापस ले चुकी हैं। हालांकि वर्तमान में सीबीआइ एक ऐसा ढांचा है, जिसे एक साथ तीन-गृह-कानून और कार्मिक-मंत्रालय नियंत्रित करते हैं। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआइ को पिंजरे का तोता कहते हुए इसे स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था बनाने का निर्देश दिया था। जिससे यह महत्वपूर्ण संस्था एक तो राजनीतिजें के हाथ का खिलौना न बनी रहे और दूसरे, इसकी भूमिका न्यायपालिका, निवाचल आयोग और नियंत्रक एवं लेखा महानिरीक्षक जैसी बन जाए। लेकिन तत्कालीन सरकार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की थी। संसद की सर्वोच्च गरिमा को ठेंगा दिखाना नौकरशाही के लिए कोई मुश्किल बात नहीं है। ऐसे ही एक कैबिनेट सचिव केएम चंद्रशेखर ने सीबीआइ को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर करवा दिया। जबकि यह बदलाव अगर जरूरी भी था, तो इसे संसद के पटल पर रख कर किया जाना चाहिए था। गोपनीयता कानून के तहत यह कार्रवाई की गई। बहरहाल, अब निर्वाचित प्रतिनिधियों को सोचने की जरूरत है कि वे आखिर संसद में किन कानूनी भूमिकाओं के निर्वहन हुए इसे स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था बनाने का निर्देश दिया था। जिससे यह महत्वपूर्ण संस्था एक तो राजनीतिजें के हाथ का खिलौना न बनी रहे और दूसरे, इसकी भूमिका न्यायपालिका, निवाचल आयोग और नियंत्रक एवं लेखा महानिरीक्षक जैसी बन जाए। लेकिन तत्कालीन सरकार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की थी। संसद की सर्वोच्च गरिमा को ठेंगा दिखाना नौकरशाही के लिए कोई मुश्किल बात नहीं है। ऐसे ही एक कैबिनेट सचिव केएम चंद्रशेखर ने सीबीआइ को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर करवा दिया। जबकि यह बदलाव अगर जरूरी भी था, तो इसे संसद के पटल पर रख कर किया जाना चाहिए था। गोपनीयता कानून के तहत यह कार्रवाई की गई। बहरहाल, अब निर्वाचित प्रतिनिधियों को सोचने की जरूरत है कि वे आखिर संसद में किन कानूनी भूमिकाओं के निर्वहन में लगे हैं। शीर्ष न्यायालय ने स्थगन देकर सीबीआइ की लाज तो जरूर बचा ली, अलबत्ता अब इसे संवैधानिक स्वरूप देने की बारी आई है, तो संसद में इस मुद्दे पर आवश्यक विचार-विमर्श भी होना चाहिए।

डिग्री प्राप्त करने पर शिक्षा प्रक्रिया पूरी नहीं होती, शिक्षा एक सतत प्रक्रिया: राष्ट्रपति

- महाराजा श्रीराम चंद्र भंजदेव विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में दिया उद्बोधन

भुवनेश्वर, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने का अर्थ यह नहीं है कि शिक्षा प्रक्रिया पूरी हो गई है। शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है। मयूरभंज के जिला मुख्यालय बारिपदा में महाराजा श्रीराम चंद्र भंजदेव विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में उद्बोधन देते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनमें से कुछ नौकरी करेंगे, कुछ व्यवसाय करेंगे और कुछ शोध भी करेंगे परंतु नौकरी करने की सोचने से बेहतर नौकरी प्रदान करने की सोच है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इस विश्वविद्यालय ने एक इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया है और छात्रों, पूर्व छात्रों तथा आम लोगों को स्टार्ट-अप स्थापित करने में सहायता प्रदान करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि महाराजा श्रीराम चंद्र भांजा देव विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बहुत कम समय में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इस विश्वविद्यालय ने एक इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया है और छात्रों, पूर्व छात्रों तथा आम लोगों को स्टार्ट-अप स्थापित करने में सहायता प्रदान करता है। राष्ट्रपति ने जनजातीय प्रथाओं और सांस्कृतिक परंपराओं के आधार को संरक्षित करने के उद्देश्य से अपने परिसर में 'सेक्रेड ग्रोव' की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'सेक्रेड ग्रोव' पर्यावरण और स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

यह प्राकृतिक संसाधनों के समुदाय-आधारित प्रबंधन के सर्वोत्तम उदाहरणों में से एक है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व ग्लोबल वार्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) और जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत ने प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है, जिसे लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट या लाइफ कहा जाता है। हमारी परंपरा में माना जाता है कि पेड़-पौधे, पहाड़, नदियां सभी में जीवन है और केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि सभी जीव-जंतु भी प्रकृति की संतान हैं। इसलिए प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर रहना सभी मनुष्यों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में स्थित सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता की दृष्टि से विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक अपने अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से जैव विविधता की रक्षा का रास्ता खोज लेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धा जीवन का अनिवार्य पक्ष है। जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को हमेशा प्रतियोगिता में सफल होने का प्रयास करते रहना चाहिए, इसके लिए उन्हें उच्च कौशल प्राप्त करते रहना चाहिए तथा अधिक दक्षता की ओर बढ़ना चाहिए। ये अपनी इच्छा शक्ति से असंभव को भी संभव में बदल सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धा जीवन का स्वाभाविक पक्ष है लेकिन सहयोग जीवन का सुंदर पक्ष है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए जब वे पीछे मुड़कर देखेंगे तो पाएंगे कि समाज के कुछ लोग उनका मुकाबला करने के काबिल नहीं हैं। उन्होंने छात्रों को वंचितों का हाथ पकड़कर आगे लाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उदारता और सहयोग से स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से न केवल अपने सुख और हित के बारे में बल्कि समाज तथा देश के कल्याण के बारे में भी सोचने का आग्रह किया।

कर्नाटक को नंबर-1 बनाने का रोडमैप लेकर आई है भाजपा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास कर्नाटक के विकास का रोडमैप है जबकि कांग्रेस सिर्फ तुष्टीकरण, तालाबंदी और गाली को ही चुनावी मुद्दा बना रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कर्नाटक के बादामी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने तय किया है कि वह अपनी पुरानी आदत नहीं छोड़ेगी। वह तुष्टीकरण, तालाबंदी और गाली को ही चुनाव का मुद्दा बनाएगी। कांग्रेस के पास राज्य के विकास का कोई विजन नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कौन सा पंजा है जो 01 रुपये में से 85 पैसे खा जाता है? कांग्रेस के इन्हीं कुकर्मों के कारण हमारा देश इतने दशकों तक पिछड़ा बना रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन बीमारियों को कांग्रेस ने अपने बरसों के शासन में मजबूत किया अब भाजपा उन्हीं बीमारियों का परमानेंट इलाज कर रही है। कांग्रेस ने तय किया है कि वो अपनी पुरानी आदतें नहीं छोडेगी। वो तुष्टिकरण, तालाबंदी और गाली को ही चुनावी मुद्दा बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग आज भी देश-दुनिया में भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहने की हिम्मत नहीं करते, ये सिर्फ भारत के लोकतंत्र पर हमला करते हैं। यही गुलामी की मानसिकता है जिससे आज भारत बाहर आ रहा है। भाजपा सरकार अपनी संस्कृति और अपनी विरासत के लिए समर्पित है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बेंगलुरु में मेगा रोड शो किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी वहां पहुंचे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ राजौरी पहुंचे

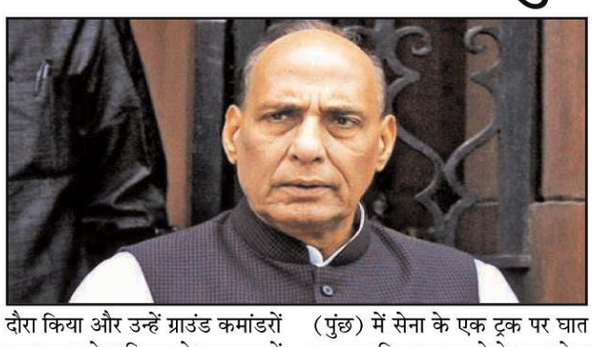

राजौरी, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ राजौरी पहुंच गए हैं। रक्षा मंत्री के साथ इस दौरान उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, कॉर्प्स कमांडर व्हाइट नाइट कॉर्प्स और जम्मू के डिवीजनल कमिश्नर भी राजौरी पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री इस दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के अलावा राजौरी-पुंछ में हुए हमलों के बारे में विस्तार से जानेंगे। उन्हें कश्मीर समेत जम्मू संभाग में चल रहे सैन्य अभियानों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कंडी वन क्षेत्र में अभियान के बारे में जानकारी हासिल करने के बाद रक्षा मंत्री जम्मू-कश्मीर खासकर राजौरी और पुंछ में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं। इससे पहले दिन में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने मुठभेड़ स्थल का दौरा किया और उन्हें ग्राउंड कमांडरों द्वारा चल रहे अभियान के घटनाक्रमों की जानकारी दी गई।

उल्लेखनीय है कि जम्मू में राजौरी और पुंछ, जिन्हें एक दशक से अधिक समय पहले आतंकवाद मुक्त घोषित किया गया था, पिछले 18 महीनों में आतंकियों द्वारा किए गए घातक हमलों से अब यहां दहशत का माहौल है। राजौरी के कंडी वन क्षेत्र में पांच जवानों का बलिदान इस साल की तीसरी बड़ी घटना है। यह ऐसे समय में हुआ जब भाटा धूलियां (पुंछ) में सेना के एक ट्रक पर घात लगाकर किए गए हमले के बाद सेना पिछले 15 दिनों से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान में लगी हुई थी।

20 अप्रैल को इफ्तार के लिए फल और सब्जियां ले जा रहे सेना के एक ट्रक पर आतंकियों द्वारा किए गए हमले में पांच जवान बलिदान हो गए थे और एक अन्य घायल हो गया था। घटना के मद्देनजर तलाशी अभियान के दौरान 250 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था।

एलजी ने फ्लाइंग ऑफिसर बेटी को किया सम्मानित

अजय कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के द्वारा सेलेक्शन होकर देश की पांचवी महिला फ्लाइंग ऑफिसर बनने वाली और दिल्ली पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल ललित कुमार की बेटी कोमल दहिया को उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने बुलाकर सम्मानित किया। इस सफलता के लिए बधाई दी, उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कोमल के पिता ललित अभी एलजी हाउस में तैनात हैं। उसके बाद उत्तरी जिले के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने भी कोमल दहिया को डीसीपी ऑफिस में बुलाकर यहां के सभागार में सम्मानित किया। कोमल ने पुलिस सभागार में सबको बताया कि वह किस तरह पहले ह्यूमेनिटिज की स्टूडेंट थी, लेकिन 6 महीने बीतने के बाद उसने स्विच किया और साइंस की पढ़ाई की शुरूआत की। उनकी मां ने काफी हौसला अफजाई किया, मोटिवेट किया लगातार उनके साथ लगी रही और कहती रही तुम कर सकती हो। उल्लेखनीय है कि कोमल हरियाणा के सोनीपत के एक गांव की रहने वाली है। पांचवी तक की पढ़ाई गांव के एक स्कूल में की। एनडीए में लड़कियों के थर्ड बैच में लड़कियों में पांचवा रैंक हासिल किया है। लड़की और लड़कों को मिलाकर इसे 34 वां रैंक मिला है। परिवार के लोग और दिल्ली पुलिस परिवार कोमल की सफलता से गौरवान्वित है। कोमल के पिता ललित कुमार 2018 में कॉन्स्टेबल के रूप में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे। अभी हेड कांस्टेबल के रूप में इनकी पोस्टिंग एलजी हाउस में है।

जाति आधारित जन गणना एक महा अपराध, पटना हाईकोर्ट बधाई का पात्र : शान्ता कुमार

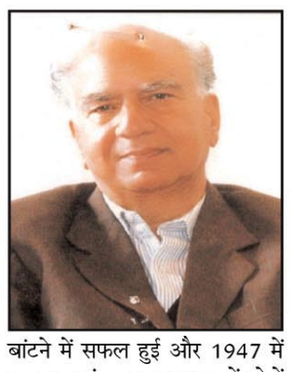

पालमपुर, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने आज कहा कि पटना उच्च न्यायालय बधाई का पात्र है, जिसने बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित जन गणना पर रोक लगा दी है। जाति आधारित जन गणना एक महा अपराध है। भारत में हजारों जातियां और लाखों उप-जातियां है। इसके कारण पूरा देश लाखों जातियों में बंट जायेगा। शान्ता कुमार ने यहां जारी एक बयान में कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेज सरकार ने हमेशा के लिए भारत को गुलाम रखने के लिए दो नीतियां बनाई थी। हिन्दू मुसलमान को लड़ाना और जातियों के आधार पर समाज को बांटना। 1931 में अंग्रेज सरकार ने इसी उद्देश्य से जाति आधारित जन गणना करने का निर्णय किया परन्तु महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरे देश ने उसका विरोध किया। अंग्रेज सरकार वह जन गणना नहीं करवा सकी परन्तु अंग्रेज सरकार हिन्दू-मुसलमान को बांटने में सफल हुई और 1947 में भारत का बंटवारा हुआ। लाखों लोगों का कत्लेआम हुआ और लाखों विस्थापित हुए। शान्ता कुमार ने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने भी एक बार जाति आधारित जन गणना करवाई थी। हालांकि, उसका घोर विरोध होने के कारण उसके परिणाम की घोषणा नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि गुलाम भारत में गांधी जी से लेकर नेहरू तक के नेतृत्व में पूरा देश जाति आधारित जन गणना का विरोध करता रहा। दुर्भाग्य से आज वही कांग्रेस जातिगत जन गणना का समर्थन कर रही है। आज की कांग्रेस केवल वोट की राजनीति के लिए ऐसी मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ता डा. आंबेडकर ने संविधान सभा में एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था, भारत में जाति प्रथा राष्ट्र विरोधी है, इससे परस्पर द्वेश पैदा होता है। यदि भारत को एक राष्ट्र बनाना है तो जाति प्रथा को समाप्त करना पड़ेगा। डा. आंबेडकर के नाम पर वोट मांगने वाले उनको भूल गये। शान्ता कुमार ने कहा कि भारत का इतिहास साक्षी है कि भारत हजारों साल तक केवल इसी कारण गुलाम रहा कि पूरा देश जातियों और प्रान्तों में बंटा था। यदि देश एक होता तो भारत कभी भी गुलाम नहीं होता। यह बड़े दुख की बात है कि जो अंग्रेज जातियों में देश को बांट कर देश की एकता को बर्बाद नहीं कर सका। अंग्रेज के उस अधूरे काम को अब नीतीश कुमार और कांग्रेस पूरा कर रही है।

एलजी को लिखी चिट्ठी दावा केजरीवाल के बंगले में फर्नीचर से लेकर क्रॉकरी तक मैंने दिए पैसे : सुकेश

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर जेल से लिखी अपनी चिट्ठियों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहता है। एक बार फिर उसने तिहाड़ में बैठकर लेटर बम फोड़ा है। इस बार सुकेश ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखकर सीएम अरविंद केजरीवाल के बंगले के पुनर्निर्माण पर हुए खर्चे को लेकर जो विवाद चल रहा है, उसी के बारे में जानकारी दी है। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर जेल से लिखी अपनी चिट्ठियों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहता है। एक बार फिर उसने तिहाड़ में बैठकर लेटर बम फोड़ा है। इस बार सुकेश ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखकर सीएम अरविंद केजरीवाल के बंगले के पुनर्निर्माण पर हुए खर्चे को लेकर जो विवाद चल रहा है, उसी के बारे में जानकारी दी है। सुकेश ने अपने खत में दावा किया है कि केजरीवाल के आवास में जो फर्नीचर लगे हैं वह सत्येंद्र जैन और केजरीवाल के द्वारा खुद सेलेक्ट किए थे। उनके फोटो मैंने उन्हें व्हाट्सएप और फेस टाइम चैट के जरिए सीएम और जैन के मोबाइल पर भेजा था। सुकेश का दावा है कि उसने ये जो फर्नीचर बताए हैं ये सब उसने खुद मुंबई और दिल्ली से खरीदे हैं क्योंकि ये सब इटली और फ्रांस से आयात हुए थे। सभी पेमेंट मेरे फर्म न्यू एक्सप्रेस पोस्ट एंड एलएस फिशरीज के द्वारा किए गए। इन सब के रिकॉर्ड मैं जांच एजेंसी को दे सकता हूं इसके साथ ही व्हाट्सएप चैट भी मेरे, केजरीवाल और सिसोदिया के बीच में जो हुई थी वह भी उपलब्ध करा सकता हूं। सारे फर्नीचर सीधे केजरीवाल के दफ्तर भेजे गए थे, जहां से मेरे स्टाफ रिषभ शेट्टी ने उन्हें उनके आवास पर लगाया था। सुकेश ने दावा किया है कि सत्येंद्र जैन उस-ाके चेन्नई स्थित घर गए थे तब उन्होंने वहां की फोटो खींची थी और वह उन्होंने केजरीवाल को दिखाई थी जिसके बाद केजरीवाल वैसे ही हाइएंड फर्नीचर खरीदने का दबाव सुकेश पर बना रहे थे। सुकेश ने दावा किया है कि एक साउथ इंडियन ज्वेलर से केजरीवाल न 90 लाख की चांदी की क्रॉकरी मंगाई थी। इस-ाके बदले उसे करोल बाग प्रोजेक्ट में अलॉटमेंट दी थी। सुकेश चंद्रशेखर ने ये दावे करते हुए एलजी से मांग की है कि केजरीवाल के आवास के निर्माण पर हुए खर्च की जांच हो जिससे सारा सच सामने आ सके।

पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक आज कांग्रेस में शामिल होंगे

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे कैलाश जोशी के बेटे दीपक जोशी आज कांग्रेस में शामिल होंगे। इससे पहले वह 74 बंगले स्थित अपने सरकारी आवास बी-30 से पिता की तस्वीर लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचेंगे। पूर्व मंत्री दीपक जोशी सादे समारोह में आज कांग्रेस की सदस्यता लेंगे। उन्होंने अपने समर्थकों से भोपाल न आने का आग्रह किया है। दीपक ने कहा कि पिता को राजनीति का संत कहा जाता है। वे सदैव दिखावे से दूर रहे। इसलिए वह बिना किसी ताम झाम के साथ अकेले कांग्रेस दफ्तर पहुंचेंगे। दीपक जोशी ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता मुख्यमंत्री रहे। भोपाल से सांसद रहे। वहां से वोटर रहे। लेकिन उनके नाम पर कुछ नहीं है। उनका स्मारक बनाने की मांग की, तो कमलनाथ जी ने पूछा बताइए कहां जमीन चाहिए। उन्होंने हाटपिपलिया में तीन महीने में जमीन का आवंटन कर दिया। जबकि शिवराज जी को 30 महीने स्मारक की स्वीकृति देने में ही लग गए।

दिल्ली आबकारी घोटाला: मनीष सिसोदिया के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर सुनवाई टली

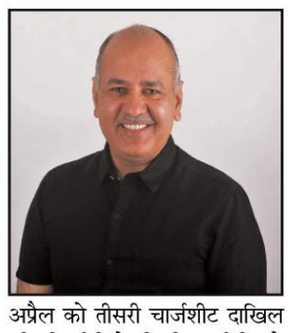

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ईडी की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ दायर चार्जशीट पर सुनवाई टाल दी। स्पेशल जज एमके नागपाल ने 10 मई को सुनवाई करने का आदेश दिया। 04 मई को ईडी ने इस मामले में चौथी चार्जशीट दाखिल की थी। चौथी चार्जशीट में मनीष सिसोदिया को आरोपित बनाया गया है। ईडी की चौथी चार्जशीट 2100 पेज की है। सिसोदिया इस मामले में 29वें आरोपित हैं। एक मई को कोर्ट ने ईडी की ओर से दाखिल तीसरी चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। स्पेशल जज एमके नागपाल ने तीसरी चार्जशीट में बनाए गए सभी आरोपितों को 10 मई को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया है। ईडी ने 6 अप्रैल को तीसरी चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने तीसरी चार्जशीट में तीन लोगों को आरोपित बनाया है। ईडी ने राजेश जोशी, राघव मगुंटा और गौतम मल्होत्रा को आरोपित बनाया है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि गौतम मल्होत्रा को 7 फरवरी, राजेश जोशी को 8 फरवरी और राघव मगुंटा को 10 फरवरी को गिरफ्तार किया था। ईडी ने कहा है कि करीब ढाई करोड़ रुपये पहले अमित अरोड़ा को दिए गए और फिर दिनेश अरोड़ा को दिए गए। आखिरकार ये रकम आप नेताओं को दी गई। ईडी के मुताबिक आम आदमी पार्टी के कैंपेन को चलाने के लिए राजेश जोशी ने 77 लाख रुपये लिये। राजेश जोशी एक एडवरटाइजिंग कंपनी का प्रमुख था। छह जनवरी को ईडी ने शराब घोटाले में दूसरी चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में 12 को आरोपित बनाया गया है। इसमें 05 व्यक्तियों और 07 कंपनियों के नाम हैं। चार्जशीट में ईडी ने जिन लोगों को आरोपित बनाया, उनमें विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, शरद चंद्र रेड्डी, विनय बाबू और अमित अरोड़ा हैं। इसके पहले कोर्ट ने 20 दिसंबर, 2022 को ईडी की ओर से दाखिल पहली चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। ईडी ने 26 नवंबर, 2022 को कोर्ट में पहली चार्जशीट दाखिल की थी।

मध्य प्रदेश में फिल्म 'द केरल स्टोरी' होगी टैक्स फ्री, मुख्यमंत्री की घोषणा

भोपाल, (हि.स.)। फिल्म "द केरल स्टोरी" को मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वयं ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फिल्म "द केरल स्टोरी" शिक्षित और जागरूक करती है। बच्चों और अभिभावकों को यह फिल्म जरूर देखना चाहिए। मुख्यमंत्री चौहान ने शनिवार को ट्वीटर पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि "द केरल स्टोरी" आतंकवाद, मतांतरण और लव जिहाद के घिनौने चेहरे को उजागर करती है। क्षणिक भावुकता में जो बेटियां लव जिहाद के जाल में उलझ जाती हैं, उनकी कैसे बबार्दी होती है यह फिल्म बताती है। आतंकवाद के डिजाइन को भी यह फिल्म उजागर करती है। यह फिल्म हमें जागरूक करती है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में पहले ही हमने मतांतरण के खिलाफ कानून बनाया है। यह फिल्म जागरूक करती है। इस फिल्म को सबको देखना चाहिए। अभिभावकों को और बच्चों को भी देखना चाहिए। बेटियों को भी देखना चाहिए। इसलिए मध्य प्रदेश शासन इस फिल्म को टैक्स फ्री कर रहा है। गौरतलब है कि "द केरल स्टोरी" को लेकर विरोध और समर्थन दोनों हो रहा है। फिल्म की कहानी लव जिहाद पर केंद्रित है। फिल्म केरल की महिलाओं के ग्रुप के बारे में बनी फिल्म है, जो इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) में शामिल हो जाता है। फिल्म शुक्रवार को रिलीज हो चुकी है।

'द कश्मीर फाइल्स' को भी किया था टैक्स फ्री - मध्य प्रदेश में फिल्म द कश्मीर फाइल्स को टैक्स फ्री किया गया था। तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोगों से फिल्म देखने के लिए कहा था।

मणिपुर में फंसे बंगाल के लोगों के लिए राज्य सरकार ने शुरू किया हेल्पलाइन नंबर

कोलकाता, (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग को लेकर फैली हिंसा में फंसे बंगाल के लोगों की मदद के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। ये नंबर हैं 033-22143526 और 033-2253185। मणिपुर सरकार ने दंगाइयों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया है। इस संघर्ष में अब तक 54 लोगों की मौत हो चुकी है। जानमाल के नुकसान के डर से लोग राज्य से असम और अन्य पड़ोसी राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मणिपुर के हालात पर चिंता जताई है। शनिवार को एक ट्वीट में उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त की और राज्य के निवासियों को बचाने के लिए हेल्पलाइन नंबर लॉन्च करने की जानकारी दी। जो लोग अशांत मणिपुर से बंगाल लौटना चाहते हैं, अगर वे उस नंबर पर संपर्क करेंगे तो उन्हें मदद मिलेगी। उन्होंने मुख्य सचिव को जिम्मेदारी दी है कि मणिपुर सरकार के साथ समन्वय कर लोगों को रेस्क्यू किया जाए। ममता ने ट्वीट कर लिखा मुझे मणिपुर से रो रहे लोगों के संदेश मिल रहे हैं। बहुत चिंतित हूं। मुझे वहां के लोगों की सुरक्षा की चिंता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग वहां फंसे हुए हैं। राज्य सरकार उनके साथ है। मैंने मुख्य सचिव से मणिपुर सरकार के कहा है ताकि वहां से लौटने के इच्छुक लोगों की मदद की जा सके। सभी कृपया शांति बनाए रखें। हेल्पलाइन नंबर - 033-22143526 और 033-2253185 शुरू किए गए हैं।

अगले दो दिन दिल्ली, मुंबई में छाए रहेंगे बादल, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में दस्तक दे सकता है मोचा तूफान

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत मुंबई में अगले दो दिन बादल छाए रहने और गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ मौसम विभाग के अनुसार ओडिशा और पश्चिम बंगाल में सात मई से नौ मई तक मोचा तूफान के दस्तक देने की संभावना जताई है। इसको लेकर ओडिशा के 18 जिलों में अलर्ट भी जारी किया गया है।

इस हफ्ते ओडिशा में भारी बारिश और तूफान की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार 8 मई को दबाव के तेज होने की उम्मीद है और बाद में एक गहरे दबाव वाले क्षेत्र में बदलने और बंगाल की मध्य खाड़ी की ओर बढ़ने की उम्मीद है। 9 मई को एक चक्रवाती तूफान का रूप लेगा। मौसम विभाग ने ओडिशा के तटीय क्षेत्रों के मछुआरों, छोटे जहाजों के नाविकों से 7 से 9 मई तक बंगाल की मध्य खाड़ी में नहीं जाने की सलाह दी है।

ऐसे रखा गया चक्रवात मोचा का नाम - ओडिशा में आने वाले चक-ा वात मोचा नाम की सिफारिश यमन की ओर से की गई थी। ये नाम लाल सागर तट पर स्थित येमेनी शहर मोचा से आया है। मोचा लंबे समय से कॉफी व्यापार के लिए जाना जाता है।

पंजाब में महिला पत्रकार की गिरफ्तारी पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिला पत्रकार भावना किशोर को पंजाब पुलिस द्वारा अवैध रूप से लुधियाना में गिरफ्तार करने की घटना का संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक को व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और इस मामले की जांच करने के लिए लिखा है। आयोग ने इस संबंध में फाइल एफआईआर की एक प्रति के साथ एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट से आयोग को चार दिनों के भीतर अवगत कराने को कहा है। रेखा शर्मा ने बताया कि भावना की गिरफ्तारी के दौरान कोई महिला पुलिस अधिकारी मौजूद नहीं थी और उसे बिना कोई कारण बताए ले जाया गया। रेखा शर्मा शुक्रवार रात डीजीपी से बात की और व्यक्तिगत रूप से लुधियाना पुलिस के साथ इस मामले पर नजर रख रही हैं। उन्होंने कहा कि भावना किशोर को आप के मीडिया समन्वयक द्वारा लुधियाना में एक कार्यक्रम को कवर करने के लिए आमंत्रित किया गया था और बाद में पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया था, जो संदेह पैदा करता है और राजनीति से प्रेरित लगता है।

यूपी बोर्ड ने तैयार किया 'नए सत्र में नया सवेरा' कार्यक्रम का प्रारुप

प्रयागराज, (हि.स.)। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के साथ भविष्य में अपने को और अपडेट रखने के लिए एक नई पहल की है। बच्चों को संस्कारवान एवं रोजगार उन्मुख बनाने के लिए कॉलेजों में प्रातःकालीन सभा में प्रेरणादायक कार्यक्रम का प्रारुप तैयार किया है। प्रारम्भिक स्तर पर प्रदेश के सभी जिलों के राजकीय इंटर कॉलेजों एवं सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में इसकी शुरूआत की जा रही है। सभी शिक्षाधिकारियों से कहा गया है कि वे इन स्कूलों की प्रातःकालीन सभाओं में पहुंचें और बच्चों को प्रेरणादायक संस्मरण के साथ उनको भविष्य में क्या करना है, प्रेरित करें। साथ ही गुणवतापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगिता के इस दौर में वह कैसे सफल हो, इस पर फोकस रहेगा। स्कूलों के मेधावी छात्रों को भी इन प्रातःकालीन सभाओं में आमंत्रित किया जाएगा, ताकि वह भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बन सकें। यूपी बोर्ड सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज में सुबह पहुंचकर इसकी शुरूआत की। उन्होंने बच्चों से सीधे संवाद कर उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। इस बार के शानदार परीक्षा आयोजन के बाद बोर्ड ने 'नए सत्र में नया सवेरा' एजेंडे के तहत एक कार्यक्रम तैयार किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक और उनके सहयोगी अधिकारी प्रातः कालीन सभा में बच्चों से प्रेरणादायक संवाद करेंगे। उन्हें कैसे अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना है, इस बारे में प्रेरणादायक टिप्स देंगे। स्कूलों में शिक्षा का अच्छा वातावरण तैयार हो, इस पर उनका फोकस रहेगा। बोर्ड सचिव ने बताया कि नए शिक्षा सत्र से ही बोर्ड ने नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इस सम्बन्ध में समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देशित कर दिया गया है। राजकीय इंटर कॉलेज में शनिवार को यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने छात्रों से सचिव का परिचय कराया तो सभी उत्साहित हो उठे। सचिव ने कहा कि इस कॉलेज का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। यहां से पढ़कर निकले बच्चों ने देश दुनिया में नाम रोशन किया है। इस कॉलेज के छात्र आज देश और प्रदेशों में उच्च प्रशासनिक पदों पर आसीन हैं। राजनीति से लेकर कला, विज्ञान, चिकित्सा, व्यवसाय, सेना आदि में राजकीय इंटर कॉलेज के पुरा छात्र बड़ी संख्या में उच्च पदों पर सुशोभित हैं। सचिव ने कहा कि अब युग बदल रहा है। शिक्षा के प्रारुप में काफी परिवर्तन हो गया है। प्रतिस्पर्धा बहुत बढ़ गयी है। ऐसे में सभी को अपने को अपडेट करने की जरूरत है। पढ़ाई के शुरूआती दौर से ही उनको चैतन्य होना होगा। उन्हें कौनसा क्षेत्र चुनना है, इसकी एक रणनीति तैयार करनी होगी। उसी रणनीति या योजना के तहत उन्हें पढ़ाई करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शार्टकट रास्ता नहीं है। इसके लिए एक कठिन रास्ते से गुजरना पड़ता है। कड़ी मेहनत करनी होती है। अपने अंदर एक आत्मविश्वास पैदा करना होगा कि इस लक्ष्य को हम हर हाल में प्राप्त कर लेंगे। द्वितीय पाली की सभा में सचिव के साथ उप सचिव प्रशासन देवब्रत सिंह एवं माध्यमिक शिक्षा परिषद् की गणित विशेषज्ञ डॉ वैशाली तिवारी एवं अंग्रेजी विषय की विशेषज्ञ जूही श्रीवास्तव ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया तथा उन्हें इन विषयों में अच्छा प्रदर्शन करने हेतु उनका मार्गदर्शन किया।

भाजपा को आशीर्वाद देकर विपक्ष को आईसीयू में पहुंचाएं : केशव प्रसाद मौर्य

- मोदी सरकार के बदौलत जम्मू कश्मीर से हटी अनुच्छेद 370, अयोध्या में बन रहा राम मंदिर

कानपुर, (हि.स.)। केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से जनता भाजपा के साथ जुड़ती ही जा रही है। इससे सपा, बसपा और कांग्रेस पार्टी बीमार हो चुकी है और अब उनके नेता नगर निकाय चुनाव में चुनाव प्रचार करने से भी बचने लगे हैं। ऐसे में आप लोगों से अपील है कि पहले की भांति भाजपा को आशीर्वाद दें, ताकि विपक्ष आईसीयू में पहुंच जाये और नगर में आपकी दोबारा सरकार बन जाये। यह बातें शनिवार को कानपुर में चुनाव प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कही। नगर निकाय चुनाव में भले ही विपक्ष के नेता प्रचार से दूरी बना रखे हों लेकिन भाजपा चुनाव को चुनाव की तरह ही देख रही है। इसी के तहत कानपुर में सत्ताधारी पार्टी के नेता इन दिनों धुंवाधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर और उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी के बाद शनिवार को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी चुनाव प्रचार करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि केन्द्र की मजबूत मोदी सरकार के बदौलत जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद- 370 हटी और अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार विकास की गंगा बहा रहे हैं। योगी सरकार में पहली बार उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है और अपराधी भागने को विवश हैं। आप लोग नगर के विकास के लिए एक बार भाजपा महापौर उम्मीदवार प्रमिला पाण्डेय सहित सभी पार्षद उम्मीदवारों को आशीर्वाद देकर नगर में भाजपा की सरकार बनायें। उन्होंने कहा कि सपा बसपा कांग्रेस तीनों एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं। अखिलेश यादव का यूपी से मोहभंग हो चुका है। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को कर्नाटक में कोई जानता नहीं है। ऐसा लगता है कि अखिलेश पराजय स्वीकार करके कर्नाटक प्रस्थान कर गए हैं। व्यंग करते हुए कहा कि पहले चरण में सपा की साइकिल का टायर, ट्यूब, सब कुछ लोग खोल कर ले गए हैं। विपक्षी लोग किसी का भला नहीं चाहते, गुंडों के शरण दाता हैं, भ्रष्टाचार बढ़ाने वाले लोग हैं। एक एक वोट कमल के फूल पर आपको डालना है। इस दौरान प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जयप्रकाश कुशवाहा, मनोज राजपूत, संजय विश्वकर्मा, विधायक महेश त्रिवेदी, सुरेंद्र मैथानी, जिलाध्यक्ष डॉ वीना आर्या पटेल, सुनील बजाज, रमाकांत शर्मा, अनुभव कटियार, किरण निषाद, अरुण पाल, संजय कटियार, जिला मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी आदि मौजूद रहें।

न्यायिक आयोग की टीम ने सर्किट हाउस में डेरा डाला, पूछताछ जारी

प्रयागराज, (हि.स.)। प्रयागराज आई न्यायिक आयोग की टीम ने सर्किट हाउस में डेरा डाल दिया है। वहां किसी के आने-जाने पर प्रतिबंध भी लगा दिया गया है। टीम अतीक और अशरफ हत्याकांड की हर एंगल से जांच कर रही है। शनिवार को अतीक व अशरफ की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को सर्किट हाउस में पूछताछ के लिए बुलाया गया। शुक्रवार को पहुंची पांच सदस्यीय टीम ने धूमनगंज थाना और अस्पताल का निरीक्षण कर बारीकी से छानबीन की। हत्याकांड के दौरान पुलिस की प्रतिक्रिया कैसी थी। इस तरह के कई सवाल टीम ने पुलिस अधिकारियों से भी दागे। स्थानीय पुलिस के साथ ही एसआइटी और फोरेंसिक टीम से भी जानकारी ली। शूटरों के बारे में भी न्यायिक आयोग को पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी है। प्रदेश सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने घटना के पांच दिन बाद जांच की थी। उसी दिन एसआइटी ने क्राइम सीन का रीक्रिएशन किया था। उस पूरे वाकये को इस तरह से दोहराया गया जैसे सब कुछ दोबारा हो रहा हो। साथ में फोरेंसिक टीम ने भी फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते हुए मैपिंग भी की थी। जांच को आगे बढाते हुए टीम ने शुक्रवार को दोबारा जांच की तो यह जानने का प्रयास किया कि इस घटनाक्रम में किसी तरह की क्या लापरवाही रही। अनुमान है कि सब पहलुओं को भी जांच के दायरे में रखा गया है। बता दें कि, जांच टीम में पहले तीन सदस्य न्यायमूर्ति अरविन्द कुमार त्रिपाठी, सुबेश कुमार सिंह एवं पूर्व जिला जज बृजेश कुमार सोनी थे। लेकिन अब टीम में पूर्व चीफ जस्टिस दिलीप बाबा साहेब भोंसले को अध्यक्ष और पूर्व चीफ जस्टिस झारखंड वीरेन्द्र सिंह को न्यायिक आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

ई-रिक्शा पर जुलूस के दौरान आतिशबाजी, सपा विधायक पर आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा

मेरठ, (हि.स.)। महापौर पद की सपा उम्मीदवार सीमा प्रधान के पति सरधना विधायक अतुल प्रधान ने ई-रिक्शा पर जुलूस निकाला। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई। सपा विधायक के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ है। मेरठ नगर निगम में महापौर पद की सपा उम्मीदवार सीमा प्रधान के चुनाव प्रचार की कमान उनके पति सरधना विधायक अतुल प्रधान ने संभाली हुई है। कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम को विधायक अतुल प्रधान अपने समर्थकों के साथ रोड शो निकाला। इस दौरान अतुल प्रधान ने ई-रिक्शा पर चढ़कर जुलूस निकाला तो समर्थकों ने जुलूस में जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान कंकरखेड़ा में भारी जाम लग गए और सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। पुलिस ने इस मामले में विधायक और समर्थकों के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया। सीओ दौराला अभिषेक पटेल के अनुसार, रोड शो के दौरान युवक कारों की छतों और खिड़की से बाहर खड़े हुए थे।

समर्थकों ने सड़क पर जमकर आतिशबाजी की। समर्थकों ने पूरी तरह सड़क पर कब्जा कर लिया। रोड शो में शामिल युवक डीजे की धुन पर नाच रहे थे। विधायक और समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी तरह से लावड़ नगर पंचायत में सभासद वार्ड दो की निर्दलीय उम्मीदवार राजेश समेत तीन लोगों के खिलाफ मिठाई के डिब्बे बांटने पर आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया। लावड़ चौकी प्रभारी रविंद्र मलिक ने बताया कि निर्दलीय उम्मीदवार मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए स्टीकर लगाकर मिठाई के डिब्बे घर भेज रही थी।

देश को दिशा देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : रमेश सिंह

इंजीनियरिंग संस्थान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर हुई संगोष्ठी

जौनपुर, (हि.स.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वसरैया संगोष्ठी हाल में शनिवार को राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शाहगंज के विधायक रमेश सिंह ने कहा कि युवा भारत के शिल्पकार हैं। देश को दिशा और दशा देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व के विकसित देशों में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे भारतीय युवा हीं हैं। इसका मतलब हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था में वह ताकत है। आज हमें इसका उपयोग राष्ट्र निर्माण के लिए करने की जरूरत है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की चर्चा करते हुए कहा कि असली संस्कार घर से नहीं शिक्षा मंदिर से मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यंग इंडिया अभियान से ही विश्व में भारत को नई पहचान मिली है।

इसके पीछे भी देश के युवाओं की कड़ी मेहनत है। संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने कहा कि युवा का मतलब ऊर्जा होता है। इतनी ऊर्जा किसी देश के पास नहीं है। इसका सकारात्मक लाभ देश को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता की दृष्टि से हमारा विश्वविद्यालय हर कसौटी पर खरा उतरा है। कौशल विकास केंद्र के समन्वयक और गणित के विभागाध्यक्ष डॉ राजकुमार ने कहा कि देश में राष्ट्र निर्माण करने वाली युवाओं की जरूरत है जिससे देश विकास की ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग और विश्वविद्यालय के कौशल विकास के निःशुल्क प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के निर्देशन में हम लोगों को निशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ मनीष प्रताप सिंह ने और संचालन शुभम ओझा ने किया। इस अवसर पर डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ नृपेंद्र सिंह, डॉ मुनींद्र सिंह, डॉ सुरेंद्र सिंह, डॉ पीसी यादव, दीपक सिंह, विशाल यादव, सौरभ सिंह, प्रिंस त्रिपाठी आदि ने भाग लिया।

झारखंड में नीट परीक्षा में 10 लाख परिक्षार्थी होंगे शामिल

रांची, (हि.स.)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की परीक्षा रविवार को होगी। इसके लिए रांची में 10 केंद्र बनाए हैं। इस परीक्षा के कॉर्डिनेटर डीपीएस रांची के प्राचार्य डॉ राम सिंह हैं। राम सिंह ने बताया कि इस परीक्षा को लेकर तमाम तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। परीक्षा केंद्र पर कड़े जांच की व्यवस्था की गयी है। हर बच्चे की जांच की जाएगी। बच्चों को क्या करना है और क्या नहीं है, इसकी जानकारी स्टूडेंट्स को दे दी गयी है। इस नीट टेस्ट के जरिए झारखंड के आठ मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन मिलता है। इन सभी मेडिकल कॉलेजों में स्टेट कोटा सीट तय है। इस स्टेट कोटा सीट में केवल झारखंड राज्य के बच्चों का ही एडमिशन होता है। झारखंड के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, डेंटल और होमियोपैथी की पढ़ाई होती है। स्टेट काउंसलिंग के जरिए इन कोर्सेस में एडमिशन लिया जाता है। झारखंड के मेडिकल कॉलेजों के स्टेट कोटा में एडमिशन के लिए नीट के रिजल्ट के बाद स्टेट की ओर से काउंसलिग होती है। इस काउंसलिंग को झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (जेसीईसीईबी) कंडक्ट करती है। स्टेट के स्टूडेंट्स से जेसीईसीईबी एप्लीकेशन लेती है। इस एप्लीकेशन के आधार पर स्टेट मेरिट लिस्ट निकाला जाता है। फिर स्टूडेंट्स को रैंक के आधार पर कॉलेज और कोर्स अलॉट किए जाते हैं। जिसके बाद स्टूडेंट्स संबंधित कॉलेज में जाकर एडमिशन लेता है।

हम अखड़ा से स्टेज के युग में आ गये, लेकिन परंपरा का बचकार रखना भी जरूरी: कोचे मुंडा

-झूलन के साथ बिकुवादाग, डोड़मा और तिलमी गांव में मंडा अनुष्ठान संपन्न

खूंटी, (हि.स.)। झारखंड के परपंरागत चार दिवसीय मंडा पर्व शनिवार को कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग, तिलमी और तोरपा प्रखंड के डोड़मा में श्रद्धापूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास कें साथ संपन्न हो गया। इसके पूर्व धुंआसी, फूलखुंदी सहित कई अनुष्ठान शुक्रवार की रात आयोजित किए गए। शनिवार को भोक्ताओं को लकड़ी के साथ बांधकर झुलाया गया औरइसी अनुष्ठान के साथ पर्व का समापन हो गया। उल्लेखनीय है कि मंडा पर्व के दौरान शिवभक्त अपना गृह त्योग कर शिवालयों में रहकर भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं। अनुष्ठान के दौरान जिस परिवार से कोई व्यक्ति भोक्ता बनता है, उसके परिवार और रिश्तेदार भी अनुष्ठान के दौरान सात्विक जीवन गुजारते हैं औश्र मांस-मदिरा का पूरी तरह त्याग करते हैं। कर्रा प्रखंड के तिलमी गांव में आयोजित मंडा पूजा में तोरपा के विधयाक कोचे मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और शिव भक्तों के बीच फलों का वितरण किया। विधायक ने भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र की उन्नति की और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि हम आज अखाड़ा से स्टेज युग में आ गए हैं, लेकिन हमे अपनी परम्परागत चीजे अखड़ा और मांदर वाले युग को भी नही भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। आज हमारे क्षेत्र के कलाकार भी फिल्म इडस्ट्री में अपना परचम लहरा रहे हैं।

हृदय रोगियों के लिए रिम्स में निःशुल्क कैंप 13 और 14 मई को

रांची, (हि. स.)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित राज्यभर के कार्डधारी जो हृदय रोग से ग्रसित हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग और प्रशांति मेडिकल सर्विसेज एंड रीसर्च फाउंडेशन की ओर से दो दिवसीय निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। निःशुल्क हृदय चिकित्सा योजना के तहत कैंप 13 और 14 मई को रिम्स में लगेगा। हृदय रोग से ग्रसित बच्चे, वयस्क और बुजुर्ग इस कैंप का लाभ ले सकते हैं। शनिवार को निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने सभी सिविल सर्जन को पत्र जारी कर हृदय रोग से ग्रसित मरीजों की सूची विहित प्रपत्र में भेजने का निर्देश दिया है। सभी जिला मुख्यालय से चिकित्सा पदाधिकारी की देखरेख में मरीजों को स्क्रीनिंग के लिए रिम्स लाया जाएगा। वापस जिला मुख्यालय तक पहुंचाया जाएगा। मरीजों के लिए यात्रा के क्रम में अल्पाहार की भी व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग की ओर से की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित राज्यभर के कार्डधारी हृदय रोग के मरीज अपने नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर स्क्रिनिंग के लिए अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। रिम्स में गहन स्क्रीनिंग के बाद गंभीर मरीजों का इलाज और सर्जरी प्रशांति मेडिकल सर्विसेज एंड रीसर्च फाउंडेशन की ओर से राजकोट और अहमदाबाद में संचालित सत्य साईं हृदय अस्पताल में किया जाएगा।

बूथ स्तर तक कांग्रेस पार्टी को बनाना है सशक्त: राजेश ठाकुर

रांची, (हि. स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में शनिवार को सभी जिला प्रभारियों, प्रदेश महासचिवों और जिला कांग्रेस अध्यक्षों की वर्चुअल बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमें 2024 की चुनाव की तैयारी को मद्देनजर बूथ स्तर तक पार्टी को सशक्त बनाना है। इसलिए अबतक गठित जिला एवं प्रखंड समितियों के साथ मंडल समितियों का पूर्ण गठन आठ मई तक पूरा कर लेना है। साथ ही इसकी सूची प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जमा करवा देना है। राजेश ठाकुर ने कहा कि 2024 की लड़ाई निर्णायक लड़ाई है। इसलिए हमें पूरी मुस्तैदी के साथ पार्टी कार्यक्रमों के आयोजन के साथ वैचारिक स्तर पर भी ज्यादा से ज्यादा लोगों को चल रहे डिजिटल सदस्यता अभियान को गति प्रदान कर पार्टी के साथ जोड़ना है। उन्होंने सभी अध्यक्षों को निर्देश दिया की वह खुद सभी जिलों में 11 मई से प्रवास करेंगे और जिला बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत, वार्ड, मंडल, प्रखंड और जिला पदाधिकारियों के साथ संगठन की मजबूती एवं आगामी कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बैठक करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने साफ तौर पर निर्देश दिया कि सभी जिला अध्यक्ष उनके जिला दौरा कार्यक्रम के पूर्व अपने जिला के सभी प्रखंड का दौरा कर लें। प्रदेश अध्यक्ष का जिला दौरा कार्यक्रम की शुरूआत पूर्वी सिंहभूम जिले से होगा। बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि वर्चुअल बैठक में विशेष रूप से संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत प्रखंड से लेकर बूथ स्तर तक संगठन के पुनर्गठन की समीक्षा की गयी। सभी जिला अध्यक्षों से प्रदेश भर में चल रहे डिजिटल सदस्यता अभियान की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गयी।

अधिवक्ता कन्या विवाह एवं सांत्वना योजना लागू : आनंद अग्रवाल

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ जिला अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी की बैठक में शनिवार को दो बेहद महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की गई। संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने बताया कि सर्वसम्मति से अधिवक्ता कन्या विवाह एवं सांत्वना योजना को लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिवक्ताओं के बहुप्रतीक्षित मांग बहुत पहले आम सभा से पारित हो गई थी। अधिवक्ता कन्या विवाह योजना एवं अधिवक्ता सांत्वना योजना को सर्वसम्मति से लागू करने का निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत सभी अधिवक्ताओं को उनकी पुत्री के शुभ विवाह में जिला अधिवक्ता संघ द्वारा कन्यादान के रूप में 21000 नगद दिया जाएगा। साथ ही यदि किसी अधिवक्ता के माता-पिता का देहांत होता है तो सांत्वना स्वरूप क्रिया कर्म के लिए 10000 का आर्थिक मदद किया जाना है। उक्त प्रस्ताव को आज कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि आम सभा में पारित तिथि से ही सभी अधिवक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। आज की बैठक में मुख्य रुप से जिला अधिवक्ता संघ के विकास कार्यों संबंधित बहुत से प्रस्ताव को पारित किया गया। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष झलक देव महतो, महासचिव सीताराम, कोषाध्यक्ष हरख नाथ महतो, सहकोषाध्यक्ष धनंजय यादव, लाइब्रेरियन शंभू तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य सुबोध पांडे, राजू कुमार उपस्थित थे।

बिहार सरकार पर एनजीटी ने कोई अर्थदंड नहीं लगाया है : बुडको

पटना, (हि.स.)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने ठोस और तरल कचरे का वैज्ञानिक रूप से प्रबंधन करने में नाकाम रहने के लिए बिहार पर 4,000 करोड़ रुपये का पर्यावरणीय जुमार्ना लगाया है। इस पर बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड का कहना है कि एनजीटी ने राज्य सरकार पर कोई अर्थदंड नहीं लगाया गया है, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों के लिए उक्त राशि का प्रावधान कर अलग खाते में रखकर उपयोग करने का आदेश दिया है। जिससे ठोस एवं तरल अपशिष्ट के उपचार कार्य संबंधी योजनाएं तीव्र गति से की जा सके। बुडको का कहना है कि एनजीटी द्वारा अन्य राज्यों को भी अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को तीव्र गति से कराने के लिए इसी प्रकार "रिंग फेंस्ड अकाउंट" खोलकर उसमें चिन्हित राशि रखने एवं योजनाओं को पूर्ण करने का आदेश दिया गया है। निगम का कहना है कि बिहार में तरल अपशिष्ट के उपचार के लिए वर्तमान में शहरी क्षेत्रों में कुल 841.6 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंड प्लांट की योजनाएं स्वीकृत हैं एवं 373.3 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का डीपीआर तैयार कर एनएसीजी को स्वीकृति के लिए भेजी गई है। पटना के अतिरिक्त बिहार के अन्य शहर में भी एसटीपी निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। दिसम्बर 2023 तक कुल अतिरिक्त 170.5 एमएलडी क्षमता के एसटीपी का निर्माण पूर्ण हो जाएगा जिससे तरल अपशिष्ट के उपचार में बढ़ोत्तरी होगी। राज्य सरकार द्वारा राज्य योजना मद से राजगीर में 10 एमएलडी क्षमता के एसटीपी का निर्माण कराया गया है एवं बोधगया में 10 एमएलडी क्षमता के एसटीपी का निर्माण कराया जा रहा है, जो अंतिम चरण में है।

लोक अदालत की सफलता के लिए विधिक जागरूकता सेमिनार

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर 13 मई को सभी न्यायालयों में लगने वाले लोक अदालत की जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। शनिवार को बखरी अनुमंडल सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव-सह-एडीजे सतीश कुमार झा ने कहा कि आगामी 13 मई को अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय के तहत पड़ने वाले ज्यादा से ज्यादा मामले को समझौता के आधार पर बिना खर्च तत्काल समाप्त कराएं। उन्होंने कहा कि इस बार बखरी में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनीय अपराधिक मामलों, दीवानी मामलों, धारा 107, 144, 145 से संबंधित मामलों का निपटारा सुलह के आधार पर किया जाएगा। दोनों पक्ष इस अवसर का लाभ लें तथा ज्यादा से ज्यादा मुकदमा में सुलह समझौता करें। एसीजेएम रवीन्द्र कुमार ने कहा कि दोनों पक्षों में सुलह हो जाने से स्थाई रूप से विवाद का निपटारा हो जाता है। इसमें किसी पक्ष का हार जीत नहीं होता है। अधिवक्ता और आम आवाम इस अवसर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। सेमिनार की अध्यक्षता अनुमंडल अधिवक्ता संघ के महासचिव राजकुमार ने किया। कार्यक्रम को फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार पासवान, एसडीओ सन्नी कुमार सौरव, पैनल अधिवक्ता सुबोध कुमार झा, सचिव गौरव कुमार एवं मधुसूदन महतो ने संबोधित किया।

मुख्यमंत्री से मिलकर महापौर ने दी योजना में गड़बड़ी की जानकारी

बेगूसराय, (हि.स.)। महापौर पिंकी देवी में शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर नगर निगम के विकास पर चर्चा किया है। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जल्द राशि उपलब्ध कराने का आग्रह तथा बुडको एवं नल जल के द्वारा किए गए कार्य की शिकायत किया है। महापौर पिंकी देवी ने बताया कि पिछले तीन दिनों के पटना प्रवास के दौरान विकास के लिए ही संकल्पित रही। पूरे बिहार के नगर निगम के महापौर एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण पटना के होटल लेमन ट्री में आहूत था। प्रशिक्षण के दौरान प्रधान सचिव से मिलकर बेगूसराय की समस्या के संबंध में बताया। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद न्याय के साथ विकास की यात्रा के जनक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। उन्हें बुडको के मनमानी एवं नल जल में व्याप्त गड़बड़ी से अवगत कराया। उन्होंने आश्वस्त कराया कि बेगूसराय के विकास के लिए मुख्यमंत्री स्तर से जो भी कदम उठाने पड़ेंगे वह उठाऊंगा। पूर्व महापौर संजय कुमार ने बताया कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बिहार सरकार के जल संसाधन मंत्री संजय झा, विधान परिषद सदस्य एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ तथा विधान परिषद सदस्य एवं मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार से भी मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है।

संपादकीय

मणिपुर क्यों जल उठा ?

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर अचानक जल उठा है। एक आदिवासी समुदाय दूसरे अंतर्जातीय वर्ग को मारने-काटने पर आमादा है। मैतेई और कुकी, नगा समुदाय सनातन दुश्मन रहे हैं, जबकि वे मणिपुर के ही निवासी और नागरिक हैं। हालात इतने उबल चुके थे कि करीब 9000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर या शिविरों में भेजना पड़ा। कफ्र्यू लगा है, धारा 144 लागू है और इंटरनेट-मोबाइल बेमियादी तौर पर बंद हैं। सेना, असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस के हजारों जवान तैनात किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय को पत्र लिख कर वायुसेना की सेवाएं मांगी हैं, ताकि विभिन्न केंद्रों से अद्र्धसैन्य बलों के जवानों को एयरलिफ्ट कर मणिपुर के जलते-उबलते जिलों तक पहुंचाया जा सके। सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर घोषणा राज्यपाल ने की है कि दंगाइयों को देखते ही गोली मार दी जाए। यह बेहद असामान्य स्थिति है। मणिपुर निवासी, छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एवं राज्यसभा सांसद मैरी कॉम को, सोशल मीडिया के जरिए, प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को गुहार लगानी पड़ी है कि मेरा राज्य मणिपुर जल रहा है। कृपा करके इसे बचा लें और शांति बहाल करें।' संवेदनशील और चिंतित पक्ष यह है कि मणिपुर से म्यांमार की सरहद लगती है और वहां भी हालात बेहद हिंसक हैं। हालात आग में घी का काम कर सकते हैं। दरअसल मणिपुर उच्च न्यायालय ने हाल ही में निर्देशात्मक निर्णय सुनाया था कि राज्य सरकार मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने पर विचार करे और भारत सरकार को अनुशंसा भी भेजे। यदि ऐसा कोई निर्णय करना है और जनजाति में किसी समुदाय को शामिल करना है, तो राष्ट्रीय आयोग और केंद्रीय कैबिनेट ही फैसला ले सकते हैं। मामला संसद में भी विचारार्थ रखा जा सकता है। अन्य आदिवासी समुदायों ने उच्च न्यायालय के फैसले का विरोध किया है, नतीजतन मणिपुर एकदम धू-धू कर जलने लगा है। आंदोलित आदिवासियों की आशंका है कि मैतेई उनके अधिकारों, आरक्षण, भूमि और संसाधनों पर कब्जा कर सकते हैं, क्योंकि वे अपेक्षाकृत सम्पन्न, विकसित और ताकतवर हैं। राज्य की करीब 38 लाख आबादी में करीब 53 फीसदी मैतेई हैं। इंफाल घाटी मैतेई बहुल ही है। हालांकि मैतेई राज्य के 10 फीसदी भू-भाग में ही बसे हैं। नगा, कुकी आदिवासी समुदाय शेष 90 फीसदी क्षेत्रफल में रहते हैं, लेकिन उनकी आबादी कम है। बीते साल अगस्त में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की सरकार ने नगा और कुकी जनजाति को 'घुसपैठिया' करार देते हुए राज्य के वन-क्षेत्र से निकालने के आदेश दिए थे। नगा, कुकी नाराज और आंदोलित थे। मैतेई बुनियादी तौर पर हिंदू हैं, जबकि अधिकांश नगा और कुकी ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। मैतेई अपना पक्ष रखते आए हैं कि भारत में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान उन्हें मुख्य आदिवासी समुदाय माना जाता था। उन्हें 'हिंदू आदिवासी' भी माना गया, लेकिन 1949 में भारतीय संघ में मणिपुर का विलय हुआ और 1950 में मैतेई को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर कर दिया गया। बीते सात दशकों में मैतेई की आबादी 62 फीसदी से घटकर 50 फीसदी के आसपास रह गई है। अब मैतेई अपनी ऐतिहासिक पहचान, संस्कृति, भाषा की रक्षा करने के मद्देनजर एसटी का दर्जा मांग रहे हैं। यह उनका संवैधानिक हक भी है। वे बार-बार स्पष्ट कर रहे हैं कि उन्हें दूसरों के अधिकार और संसाधन नहीं चाहिए। वे अपनी ही जमीन पर पराए हो गए हैं, जबकि वे सबसे प्राचीन आदिवासी हैं। दूसरा पक्ष इसका विरोध कर रहा है और जुलूस आदि के आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन भी भेजा है कि मैतेई की मांग गलत है। बहरहाल, मणिपुर की आग कब शांत होगी, यह देखना अभी शेष है।

> आंदोलित आदिवासियों की आशंका है कि मैतेई उनके अधिकारों, आरक्षण, भूमि और संसाधनों पर कब्जा कर सकते हैं, क्योंकि वे अपेक्षाकृत सम्पन्न, विकसित और ताकतवर हैं। राज्य की करीब 38 लाख आबादी में करीब 53 फीसदी मैतेई हैं। इंफाल घाटी मैतेई बहुल ही है। हालांकि मैतेई राज्य के 10 फीसदी भू-भाग में ही बसे हैं। नगा, कुकी आदिवासी समुदाय शेष 90 फीसदी क्षेत्रफल में रहते हैं, लेकिन उनकी आबादी कम है। बीते साल अगस्त में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की सरकार ने नगा और कुकी जनजाति को 'घुसपैठिया' करार देते हुए राज्य के वन-क्षेत्र से निकालने के आदेश दिए थे। नगा, कुकी नाराज और आंदोलित थे। मैतेई बुनियादी तौर पर हिंदू हैं, जबकि अधिकांश नगा और कुकी ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। मैतेई अपना पक्ष रखते आए हैं कि भारत में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान उन्हें मुख्य आदिवासी समुदाय माना जाता था।

अमृत कलश

प्रतिशोध विनाशकारी

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने के बाद एक बार नेल्सन मंडेला अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ एक रेस्तरां में खाना खाने गये। सबने अपनी अपनी पसंद का खाना आर्डर किया और खाना आने का इंतजार करने लगे। उसी समय मंडेला की सीट के सामने वाली सीट पर एक व्यक्ति अपने खाने का इंतजार कर रहा था। मंडेला ने अपने सुरक्षा कर्मी से कहा कि उसे भी अपनी टेबल पर बुला लो। ऐसा ही हुआ। खाना आने के बाद सभी खाने लगे, वो आदमी भी अपना खाना खाने लगा, पर उसके हाथ खाते हुए कांप रहे थे। खाना खत्म कर वो आदमी सिर झुका कर रेस्तरां से बाहर निकल गया। उस आदमी के जाने के बाद मंडेला के सुरक्षा अधिकारी ने मंडेला से कहा कि वो व्यक्ति शायद बहुत बीमार था, खाते वक़्त उसके हाथ लगातार कांप रहे थे और वह ख़ुद भी कांप रहा था। मंडेला ने कहा नहीं ऐसा नहीं है। वह उस जेल का जेलर था, जिसमें मुझे कैद रखा गया था। जब कभी मुझे यातनाएं दी जाती थीं और मैं कराहते हुए पानी मांगता था तो ये मेरे ऊपर पेशाब करता था। मंडेला ने कहा ,"मैं अब राष्ट्रपति बन गया हूं, उसने समझा कि मैं भी उसके साथ शायद वैसा ही व्यवहार करूंगा। पर मेरा चरित्र ऐसा नहीं है। मुझे लगता है बदले की भावना से काम करना विनाश की ओर ले जाता है। वहीं धैर्य और सहिष्णुता की मानसिकता हमें विकास की ओर ले जाती है।

बोध कथा

उपकार का बोझ

एक बार एक राजा के राज्य में एक सिद्ध महात्मा जी का आगमन हुआ। महात्मा जी की कीर्ति राजा ने सुन रखी थी इसलिए पूरे राजसी अंदाज़ में हीरे-जवाहरात और उत्तम भोग से भरे भेंट के कई थाल लिये हुए वह उनके दर्शन को पहुंचा। महात्मा जी उस समय कुछ लोगों से बातचीत कर रहे थे । उन्होंने राजा को संकेत में बैठने का निर्देश दिया । महात्मा जी सबसे विदा लेकर राजा के पास पहुंचे तो राजा ने भेंट के थाल महात्मा जी की ओर बढ़ा दिये। महात्मा जी थोड़े से मुस्कुराये। हीरे-जवाहरातों को भरे थालों को उन्होंने छुआ तक नहीं । हां बदले में एक सूखी रोटी अपने पास से निकाली और राजा को देकर कहा- इसे खा लीजिए। राजा ने सूखी रोटी देखी तो उसका मन कुछ बिदका ,पर लगा कि महात्मा का दिया प्रसाद है, खा ही लेना चाहिए।उसने रोटी खाई पर रोटी सख्त थी।राजा से चबायी नहीं गई। तब महात्मा जी ने कहा,"जैसे आपकी दी हुई वस्तु मेरे काम की नहीं है उसी तरह मेरी दी हुई वस्तु आपके काम की नहीं । हमें वही लेना चाहिए जो हमारे काम का हो । अपने काम का श्रेय भी नहीं लेना चाहिए। बिना आवश्यकता किसी से लिया हुआ एक कंकड-पत्थर भी बहुत भारी चट्टान के बोझ जैसा हो जाता है । परमार्थ के लिये लिया गया विपुल धन भी फूलों के हार जैसा है जिसे धारण करना चाहिए।

राज्य के पश्चिमी एवं पूर्वी इलाकों में सड़क मार्ग की उपलब्धता में अतुलनीय सुधार किया जा रहा

एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के प्रयास करते कुछ राज्य

प्रहलाद सबनानी

> वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34 .5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अत: राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है।

भारत को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी कॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो निश्चित ही इसका रास्ता विभिन्न राज्यों के विकास के मार्ग से होकर जाता है। यह हर्ष का विषय है कि भारत के कुछ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ओर ले जाने के गम्भीर प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन राज्यों में शामिल हैं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं तमिलनाडु। इन राज्यों की वर्तमान में (वर्ष 2021-22) सकल राज्य घरेलू उत्पाद का स्तर, वर्तमान में वास्तविक वार्षिक विकास दर एवं आगे आने वाले समय में आवश्यक विकास दर की स्थिति पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इनमें से कुछ राज्यों को अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अतः राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है एवं उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था खपत आधारित अर्थव्यवस्था बन सकती है। इससे उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। हालांकि हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य विकास के पथ पर चल पड़ा है। राज्य के पश्चिमी एवं पूर्वी इलाकों में सड़क मार्ग की उपलब्धता में अतुलनीय सुधार किया जा रहा है। नए नए सड़क मार्ग के कोरिडोर एवं एक्स्प्रेस रास्तों का निर्माण किया जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। इन

समस्त सुविधाओं के बढ़ने से उत्तर प्रदेश राज्य में भारी भरकम निवेश आकर्षित हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से अन्य राज्यों की ओर कम प्रस्थान कर रहे हैं। दिनांक 10 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश राज्य ने एक निवेश सम्मेलन 2023 का आयोजन किया था। इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में भारतीय कम्पनियों के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी भाग लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सम्मेलन में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश की राशि के प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। परंतु, आश्चर्यजनक रूप से इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में 33 लाख करोड़ रुपए के 18,643 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे उत्तर प्रदेश में 92.5 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य तो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारु राज्य की श्रेणी में शामिल था परंतु अब देश में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाले राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है। अतः अब उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश राज्य वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य ने भी अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 43,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 10 प्रतिशत रही है। अब आने वाले वर्षों में, वर्ष 2030 तक महाराष्ट्र राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को औसतन 12.5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष आगे बढ़ाना होगा। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वैसे भी महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास के मामले में भारत के अग्रणी राज्यों में रहा है। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य ने भी 120,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किये हैं। निवेश के इन प्रस्तावों पर तेजी से कार्य चल रहा है। अतः महाराष्ट्र राज्य द्वारा वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया जाएगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है। गुजरात राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में गुजरात राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 28,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब गुजरात राज्य को उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 16.1 प्रतिशत की विकास दर हासिल करनी होगी। यह विकास दर आसानी से हासिल की जा सकती है। गुजरात राज्य ने भी 163,000 करोड़ रुपए के राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं एवं इन प्रस्तावों के अंतर्गत राज्य में तेज गति से निवेश हो भी रहा है। गुजरात राज्य भारत के विकसित राज्यों में शामिल है एवं गुजरात में आर्थिक विकास की दर पिछले लम्बे समय से उत्साहजनक बनी हुई है। गुजरात के पास देश में सबसे बड़ी समुद्री सीमा है, जिससे अन्य देशों के साथ उत्पादों का आयात एवं निर्यात आसानी से हो सकता है। पूर्व के वर्षों में हासिल की गई आर्थिक विकास दर को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। कर्नाटक राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में कर्नाटक राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 24,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब कर्नाटक राज्य को वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 32 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा तभी कर्नाटक राज्य एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वर्ष 2027 तक बन सकेगा।

कर्नाटक में तुष्टिकरण की चुनावी राजनीति

> गौरतलब है कि कर्नाकट देश के विकसित राज्यों में शुमार है इसके बावजूद पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं के अभाव की मार हर साल मौसम परिवर्तन के साथ ही आम लोगों को झेलनी पड़ती है। राजधानी बंगलुरू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आईटी हब के तौर पर पहचान बना चुकी है। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के हजारों कर्मचारी यहां कार्यरत हैं। इसके अलावा दूसरे बड़े उद्योगों के कर्मचारी भी बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। बारिश के मौसम में पिछले कई सालों से प्रदेश की राजधानी की हालत बाढग़्रस्त क्षेत्र जैसी हो जाती है। पिछले साल मानसून के दौरान हुई बारिश से लगभग पूरा बंगलुरू जलमग्न हो गया। हालात यह हो गए कि शहर में नावों के जरिए लोगों को बचाव करना पड़ा। इसी तरह यह शहर प्रदूषण की मार भी लंबे अर्से से झेल रहा है। शहर की एक झील में कैकिमल वेस्ट से बने झागों की तस्वीरें राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रही हैं। इससे निपटने के उपायों के भी गंभीरता से प्रयास नहीं किए गए। ऐसे चुनावी मुद्दे मुखरता से उठाने के बजाय हाशिए पर कधेले जा चुके हैं...

कर्नाटक चुनाव प्रचार के शोर से आगामी लोकसभा चुनाव के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रचार के इस शोर में प्रदेश और देश के विकास के मुद्दे गौण हो चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत लांछन लगा कर चुनाव की लोकतांत्रिक गरिमा को दूषित करने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस और बीजेपी के स्टार प्रचारकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग के मुताबिक बीजापुर शहर से बीजेपी उम्मीदवार व पार्टी के स्टार प्रचारक बासन गौड़ा आर पाटिल और चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार व पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडक़े के बेटे प्रियांक खडग़े को कारण बताओ नोटिस भेजा है। बीजेपी उम्मीदवार बासन गौड़ा पाटिल ने कोप्पल जिले के यालबुर्ग इलाके में जनसभा में सोनिया गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था। इसके अलावा आयोग को ये भी शिकायत मिली कि कांग्रेस नेता प्रियांक खडग़े ने 30 अप्रैल को कलबुर्गी की जनसभा में प्रधानमंत्री के लिए विवादित बयान दिया था। भाजपा और कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। घोषणा पत्र में किए गए वादे पीछे छूट गए हैं। इन घोषणा पत्रों पर चर्चा करने के बजाय एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप लगाने से मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने की कवायद से कर्नाटक के साथ देश को क्षति पहुंचाई जा रही है। इस चुनाव को विपक्षी एकता के लिहाज से यदि लिटमस टेस्ट माना जाए तो स्पष्ट है कि आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसी कवायद बिल्कुल भी सिरे नहीं चढ़ पाएगी। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस कर्नाटक में अपने बलबूते चुनाव लड़ रही है। जनता दल (एस) और आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इससे जाहिर है कि विपक्षी एकता के प्रयास अभी दूर की कौड़ी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार बेशक प्रयासरत हैं किन्तु कनार्टक में विपक्षी एकता के बिखराव की हालत देख कर ऐसे प्रयासों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों का दबदबा है, उनमें ये दल विपक्षी एकता के लिए किसी दूसरे दल से सीटों पर समझौता करके बलि वेदी पर चढने को तैयार नहीं हैं। यही वजह है कि कर्नाटक में जनता दल (एस), कांग्रेस और आप चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी एकता के इस बिखराव से भाजपा को पूर्व में भी चुनावी फायदा मिलता रहा है और कर्नाटक में भी मिल सकता है। कर्नाटक के चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस तथा जनता दल (एस) ने चुनावी घोषणा पत्रों में वादों की बौछार की है। इसके विपरीत चुनाव में विकास और समस्याओं के समाधान को दरकिनार कर फिजूल के मुद्दे हावी हैं। भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लगाने में कसर नहीं छोड़ रही हैं, ऐसे में घोषणा पत्र महज दिखावा साबित हो रहे हैं। घोषणा पत्रों पर सवाल-जवाब करने के बजाय इतर मुद्दों पर जोर देने से कर्नाटक में बुनियादी सुविधाओं के मसले दरकिनार कर दिए गए हैं। दरअसल विपक्षी दलों की जिम्मेदारी बनती है कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकाल के दौरान छूट गए विकास के कार्यों को मुद्दा बनाएं। इसके विपरीत कांग्रेस ने चुनाव का रंग ही बदल दिया। विकास के बजाय दूसरे आरोप और विकास विरोधी मुद्दों को हवा दे डाली। कांग्रेस ने चुनाव प्रचार को बदरंग करने की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी पर निजी रूप से टिप्पणी करके की। इसके बाद दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों की बाढ़ आ गई। दोनों दलों के नेता निजी हमले करके एक-दूसरे को नीचा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। विकास के मुद्दे दरकिनार कर दिए गए। कांग्रेस ने बजरंग दल के साथ पीएफआई पर प्रतिबंध जैसे बेबुनियाद मुद्दे को लाकर भाजपा को अपने बचाव के लिए बड़ा चुनावी प्रचार का हथियार थमा दिया। बजरंग दल की तुलना पीएफआई से करना भाजपा को खटक गया। भाजपा ने अब इसे प्रमुख मुद्दा बना कर बजरंग बली से जोड़ दिया। ऐसे धार्मिक मुद्दों पर भाजपा पूर्व में कांग्रेस पर हावी रही है। कांग्रेस की इस तरह की चुनावी शुरुआत के साथ भाजपा खुल कर धार्मिक मसले पर सामने आ गई। विकास और घोषणा पत्रों में किए गए वायदों के बजाय अब यह प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गया है। इस मुद्दे पर वोटों का ध्रुवीकरण किया जा रहा है। भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया। घोषणा पत्र के वायदे सिर्फ कागजों तक सिमट कर रह गए। गौरतलब है कि कर्नाटक देश के विकसित राज्यों में शुमार है। इसके बावजूद पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं के अभाव की मार हर साल मौसम परिवर्तन के साथ ही आम लोगों को झेलनी पड़ती है। राजधानी बंगलुरू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आईटी हब के तौर पर पहचान बना चुकी है। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के हजारों कर्मचारी यहां कार्यरत हैं। इसके अलावा दूसरे बड़े उद्योगों के कर्मचारी भी बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। बारिश के मौसम में पिछले कई सालों से प्रदेश की राजधानी की हालत बाढग़्रस्त क्षेत्र जैसी हो जाती है। पिछले साल मानसून के दौरान हुई बारिश से लगभग पूरा बंगलुरू जलमग्न हो गया। हालात यह हो गए कि शहर में नावों के जरिए लोगों को बचाव करना पड़ा। इसी तरह यह शहर प्रदूषण की मार भी लंबे अर्से से झेल रहा है। शहर की एक झील में कैमिकल वेस्ट से बने झागों की तस्वीरें राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रही हैं। इससे निपटने के उपायों के भी गंभीरता से प्रयास नहीं किए गए। ऐसे चुनावी मुद्दे मुखरता से उठाने के बजाय हाशिए पर धकेले जा चुके हैं। विपक्षी दलों के पास कर्नाटक के विकास से जुड़े इस तरह के दूसरे मुद्दों पर भाजपा को कटघरे में खड़ा करने का अच्छा मौका था। इसके बजाय वोटों की तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए दूसरे मुद्दे हावी हो गए। चुनावी में विकास से इतर मुद्दे प्रमुख होने के कारण सत्तारूढ़ भाजपा को जवाबदेही से बचने का मौका मिल गया। कर्नाटक चुनाव के मद्देनजर इस बात की संभावना कम है कि आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसे मुद्दे विकास और देश के भविष्य की रूपरेखा का स्थान नहीं लेंगे। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने चुनावों के दौरान पूर्व में भी ऐसे अनावश्यक मुद्दे भाजपा को थमाए हैं। ऐसे में कांग्रेस को लेकर विपक्षी एकता की कवायद के मंसूबों पर पानी फिर सकता है।चुनाव प्रचार के शोर से आगामी लोकसभा चुनाव के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रचार के इस शोर में प्रदेश और देश के विकास के मुद्दे गौण हो चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत लांछन लगा कर चुनाव की लोकतांत्रिक गरिमा को दूषित करने का प्रयास किया है।

देश दुनीया से

पुनः ओपीएस के काबिल

अपनी जिरह को जिम्मेदारी के अक्स में साबित करना नामुमकिन नहीं, लेकिन ज्वारभाटे से भरे समुद्र में किश्ती लेकर भी जो वचनबद्धता के साथ उतर जाए, उसे उसूल कहते हैं। इसलिए सुक्खू सरकार चुनावी गारंटियों को उसूल बनाती हुई आगे बढ़ रही है। बेशक गारंटियां सियासी जमीं की पेशकश रहीं या प्रदेश के आर्थिक हालात में इन्हें अमल में लाना मुश्किल है, लेकिन प्रदेश सरकार ने अपने इरादों का खुलासा करते हुए पहले स्पीति की लगभग नौ हजार महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रति महीने की दर से नवाजा और अब ओल्ड पेंशन स्कीम के सारे दरवाजे खोल दिए। अंततः बीस साल बाद पुनः सरकारी कर्मचारी अपनी प्राथमिकता से चुन पाएंगे कि उन्हें एनपीएस को छोडक़र ओपीएस के काबिल होना है या यथावत रहना है। इस तरह एनपीएस के तहत चल रहे एक लाख छत्तीस हजार कर्मचारियों के पक्ष में यह सुक्खू सरकार का सबसे अहम फैसला सामने आया है। यह भी उस समय जब विपक्ष में बैठी भाजपा जोर शोर से सरकार को गारंटियों पर घेर रही थी और इसकी आंच पर शिमला नगर निगम के चुनाव कोभुनाना चाहती थी। बहरहाल सरकार ने एक फार्मूले के तहत कर्मचारी वर्ग को उस एहसास का न्यौता दिया है, जो साठ दिनों के भीतर ओपीएस या एनपीएस में से किसी एक को चुनने के आर्थिक लाभ परोस देगा। जाहिर है कुछ तो पुरानी पेंशन की रिवायतें बदलेंगी या एनपीएस के तहत अब तक जमा राशि का केवल एक भाग ही हासिल होगा। सरकार पहले से रिटायर लोगों के प्रति भी अपनी वचनबद्धता निभाते हुए ओल्ड पेंशन के हस्ताक्षर कर रही है। अलबत्ता कुछ शर्तें हैं जिन्हें स्वीकार करते हुए कर्मचारियों को अपनी कंट्रीब्यूशन के खातों की गांठ ढीली करनी पड़ सकती है या सरकार से देय राशि के भुगतान में एक नई पद्धति के हिसाब से वित्तीय लाभ हासिल होंगे। एनपीएस के तहत जमा राशि किश्तों में कैसे आएगी, यह शीर्षासन अभी सरकार को करना है, लेकिन अप्रैल से ही हिमाचल ने एक तरह से केंद्र की गुल्लक में अपनी ओर से कर्मचारी हिस्सेदारी की पहले से तयशुदा राशि का भुगतान रोक दिया है। केंद्र के पास एनपीएस के तहत हिमाचल का करीब नौ हजार करोड़ का अंशदान फंसा है और इसके कई पेंच दिल्ली के फरमानों में बरकरार हैं। बहरहाल सुक्खू सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करके एक जादूगर की तरह करिश्मा तो दिखा ही रही है। कर्मचारियों के विश्वास में वर्तमान सरकार ने एक बहुत बड़ा संकल्प पूरा किया है, हालांकि राज्य की वित्तीय व्यवस्था पर इसके प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ सकते हैं। राजनीतिक तौर पर यह सौदा घाटे का नहीं है, यह भाजपा भी मान चुकी है। कांग्रेस ने हिमाचल सहित राजस्थान व छत्तीसगढ़, जबकि आम आदमी पार्टी ने भी ओल्ड पेंशन स्कीम के माध्यम से कर्मचारियों का रुझान अपने पक्ष में किया है। यही वजह है कि हरियाणा व महाराष्ट्र के अलावा कई भाजपा शासित राज्यों को भी कर्मचारी पेंशन मसले में सियासी समीकरणों की बू आ रही है। बेशक अभी ओपीएस की कई गांठें खुलनी बाकी हैं, फिर भी जिस शिद्दत से इस मसले को तरजीह मिली है, उससे कांग्रेस ने अपनी कथनी-करनी का भेद मिटा दिया है। विधानसभा के बाद नगर निगम शिमला के चुनावों ने कांग्रेस के राजनीतिक पक्ष में कर्मचारी वर्ग को खड़ा कर दिया है। ऐसे में आगे चलकर भी वर्तमान सरकार का रवैया इस दृष्टि से सरकारी मुलाजिमों के प्रति नर्म ही रहेगा, लेकिन परीक्षाओं के मैदान पर हमेशा खुशखबरियां ही नहीं मिलतीं। हिमाचल को आगे चलकर अपने बजटीय वादों तथा व्यवस्था परिवर्तन के नारों को सही सलामत जमीन पर उतारना होगा।

> प्रदेश सकरार ने अपने इरादों का खुलासा करते हुए पहले स्पीति की लगभग नौ हजार महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रति महीने की दर से नवाजा और अब ओल्ड पेंशन स्कीम के सारे दरवाजे खोल दिए।अंतत : बीस साल बाद पुन : सकरारी कर्मचारी अपनी प्राथकिमता से चुन पाएंगे कि उन्हें एनपीएस को छोडक़र ओपीएस के काबिल होना है या यथावत रहना है। इस तरह एनपीएस के तहत चल रहे एक लाख छत्तीस हजार कर्मचारियों के पक्ष में यह सुक्खू सकरार का सबसे अहम फैसला सामने आया है। यह भी उस समय जब विपक्ष में बैठी भाजपा जोर शोर से सकरार को गारंटियों पर घेर रही थी और इसकी आंच पर शिमला नगर निगम के चुना को भुनाना चाहती थी।

नजरीया

फलों की आयातित किस्मों का महत्त्व

हिमाचल में पिछले कुछ वर्षों से एक नया सिलसिला शुरू हुआ है, विदेशों से फलों की नई किस्में मंगाने का। पहले सेब के ही पौधे मंगाए जाते थे, पर अब अन्य फलों जैसे चेरी, प्लम, खुबानी, नाख आदि फलों के पौधे भी आयात करके किसानों को बेचे जा रहे हैं। शुरू में यह काम केवल सरकार ही किया करती थी, पर अब बहुत से बागबान, जिनकी नर्सरियां हैं, भी करने लगे हैं और इन पौधों को बेच कर खूब कमाई कर रहे हैं। लोग सोचते हैं कि क्योंकि ये पौधे विदेशों से आए हैं, इसलिए अवश्य ही अच्छे होंगे, और लोग इनको धड़ाधड़ खरीद रहे हैं। पर इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ऐसा ही होगा। यह जरूरी नहीं है कि सेब या किसी अन्य फल की कोई किस्म जो इटली या अमेरिका में अच्छे परिणाम दे रही हो, यहां भी वैसे ही परिणाम देगी जैसे वहां दे रही है। फलदार पौधों की बढ़त और फलन बहुत से कारकों पर निर्भर करती है। अगर इनमें से सभी अनुकूल नहीं होंगे, तो सफलता नहीं मिलेगी और सारी मेहनत और खर्च बेकार हो जाएगा। हिमाचल में सबसे पहले सेब के पौधे कुल्लू घाटी में लगे थे, पर ये पेड़ उतने कामयाब नहीं हो सके जितने बाद में शिमला में लगे कामयाब हुए। कारण यह था कि कुल्लू में सेब के बाग लगाने वाले अंग्रेज थे और उन्होंने इंग्लैंड की किस्मों के पेड़ लगाए, जिनको कुल्लू का जलवायु रास नहीं आया और वे व्यापारिक तौर पर उतने लोकप्रिय नहीं हुए। ऐसा ही कोटगढ़ के इलाके में भी हुआ था। कोटगढ़ में सेब का पहला बागीचा स्टोक्स से बहुत पहले एक स्थानीय तहसीलदार (मुझे नाम याद नहीं आ रहा है) लगाया था, पर उन्होंने भी इंग्लैंड की ही किस्में लगायीं जो सफल नहीं हुई। स्टोक्स क्योंकि अमेरिकन थे इसलिए उन्होंने पौधे अमेरिका से मंगवाए। वो किस्में अलग थीं और वो यहां की जलवायु में सफल हो गई। यह एक संयोग ही था। स्टोक्स कोई फल वैज्ञानिक नहीं थे। फलों की किस्मों की सफलता बहुत सी बातों पर निर्भर करती है। स्टोक्स के टाइम में भी कोई 8-10 किस्में आई थीं, उनमें ही 3-4 ही लोकप्रिय हुई। सेब की इन नई किस्मों के आने तक हिमाचल में सेब की सौ से आधिक किस्में हिमाचल के विभिन्न फल अनुसंधान केंद्रों में लगी हुई थी, पर लोगों ने तीन-चार किस्में ही लगाईं और पिछले कई दशकों तक वे ही लगाई जाती रहीं। अब कोई दस एक साल से नई किस्में लगाने का काम शुरू हुआ है। फलों की जो ये किस्में विदेशों से आयातित करके लोगों को बांटी जा रही हैं, ये हमारे यहां कैसी चलेंगी, सफल होंगी या नहीं, इस बात की कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। किस्मों का चुनाव करने से पहले इनका कोई परीक्षण नहीं किया गया है। इसलिए कहा नहीं जा सकता कि ये नई किस्में कैसे परिणाम देंगी। अधिकतर मामलों में किस्मों का चुनाव लिटरेचर में उपलब्ध इन किस्मों के विवरण या फिर नर्सरी वालों की सिफारिश के आधार पर किया गया है। इस चुनाव का कोई खास वैज्ञानिक आधार नहीं था।

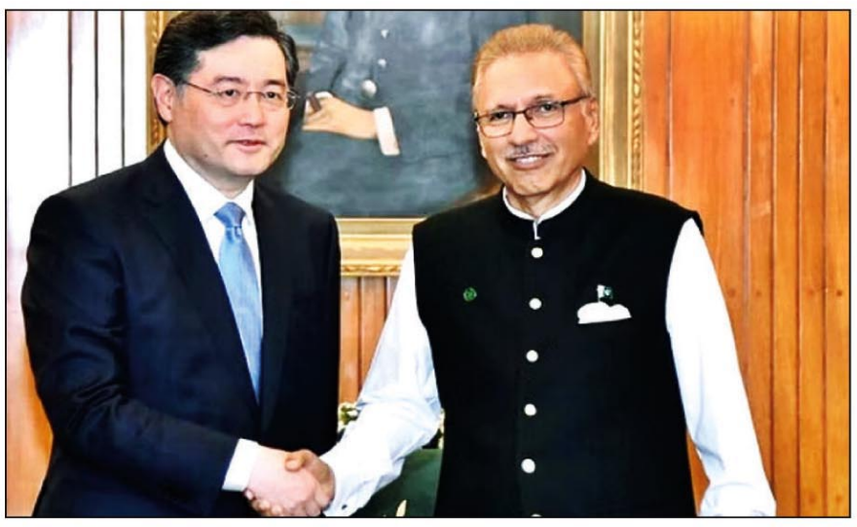

आर्थिक मदद का लालच देते पाकिस्तान की यात्रा शुरू की चीनी विदेश मंत्री ने

इस्लामाबाद ।
चीन के विदेश मंत्री चिन गांग की शुरू हुई इस्लामाबाद यात्रा से पाकिस्तान में ऊंची उम्मीदें जगी हैं। चिन ने यहां पहुंचने के बाद यह कहा कि वे पाकिस्तान की आर्थिक मुश्किलों से परिचित हैं और पाकिस्तान की मदद करना उसकी 'प्राथमिकता' है। चिन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की भारत में हुई बैठक में भाग लेने के बाद यहां पहुंचे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी इस बैठक के लिए भारत गए थे। चिन ने यहां पहुंचने के तुरंत बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से मिलने गए। इस मुलाकात के दौरान पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बाद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी किया, जिसमें बताया गया कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए काम करने और मिल कर बाहरी चुनौतियों का सामना करने का संकल्प जताया है। विश्लेषकों के मुताबिक पाकिस्तान को उम्मीद है कि चिन अपनी यात्रा के दौरान पाकिस्तान को विशेष आर्थिक सहायता देने का वादा करेंगे। चीन ने गुजरे महीनों में भी पाकिस्तान को आर्थिक सहायता दी है। हाल ही में उसने लगभग 58 बिलियन डॉलर के निवेश से अपने यहां से पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित ग्वादार तक रेल लाइन बिछाने की योजना घोषित की है। इसके तहत पाकिस्तान में चीन बड़ा निवेश करेगा। इसके चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कोरिडोर (सीपीईसी) परियोजना के तहत वह पहले ही पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कर चुका है। सीपीईसी चीन की महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना का हिस्सा है। जानकारों के मुताबिक इन परियोजनाओं के कारण पाकिस्तान में चीन की पकड़ बेहद मजबूत हो गई है। जबकि खासकर बलूचिस्तान में चीन की पैठ के खिलाफ जन भावनाएं उभार पर रही हैं। कई हलकों से इन परियोजनाओं के कारण पाकिस्तान के चीन के कर्ज जाल में फंसने का अंदेशा भी जताया गया है। इसके बावजूद पाकिस्तान सरकार चीन से करीबी बढ़ाने की नीति पर चलना जारी रख रही है। चिन गांग ने यहां कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती हर स्थिति में खरी उतरी है। उन्होंने कहा- यह दोस्ती 'चट्टान की तरह' मजबूत है।

न्यूज ब्रीफ

उपराष्ट्रपति ने लंदन में भारतीय समुदाय को किया संबोधित, बोले- भारत को अपने डायस्पोरा पर गर्व

लंदन । किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक में भाग लेने पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ब्रिटेन में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस समय भारत लोकतंत्र है जो किसी भी वैश्विक मानकों पर सबसे अधिक कार्यात्मक है और साथ ही उन्होंने समाज में उनके योगदान और भारत-ब्रिटेन संबंधों को मजबूती देने के लिए भारतीय समुदाय के सदस्यों की सराहना की।उन्होंने कहा कि भारत को अपने डायस्पोरा पर गर्व है। वे भारत के एंबेसडर हैं, यहां 1.7 मिलियन और पूरी दुनिया में 32 मिलियन भारतीय रहते हैं। उन्हें उदाहरण के लिए पूरक बनाया जा सकता है और उदाहरण के तौर पर मान सकते हैं कि वे अपनी कर्मभूमि और जन्मभूमि के लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जगदीप धनखड़ ने कहा कि यदि भारत के तीन अंगों विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका को देखें तो आप पाएंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कार्यपालिका सभी सामाजिक मापदंडों के अकल्पनीय स्तर पर मानवता का कार्य कर रही है और उन्होंने लोगों की तकलीफों को कम करने का काम किया है। आम आदमी को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि 2022 में भारत में डिजिटल भुगतान लेनदेन की राशि 1.5 ट्रिलियन थी। उन्होंने कहा कि भारत में 700 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्होंने भारत की सेवा वितरण प्रणाली को एक ऐसे स्तर पर बदल दिया है जिसकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि 110,000,000 किसानों को साल में तीन बार अब तक दो लाख 20,000 करोड़ के बराबर राशि सीधे उनके खाते में और बिना किसी बिचौलिए के मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह का परिवर्तन, क्रांतिकारी बदलाव हुआ है, उसे देखिए। सत्ता के गलियारों को सत्ता के दलालों ने सेनेटाइज कर दिया है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का विकास हुआ है जो हर युवा को अपनी ऊर्जा और क्षमता को पूरी तरह से उजागर करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और क्षमता निर्माण हर स्तर पर नया मानदंड है। उन्होंने कहा कि 34 साल बाद शिक्षा नीति बनी है।

राष्ट्रपति बाइडन ने भारतीय मूल की नीरा टंडन को दी अहम जिम्मेदारी, बनीं पहली एशियाई-अमेरिकी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की टीम में भारतीय मूल की एक और महिला को जगह मिली है। बाइडन ने घोषणा की कि भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन निवर्तमान सलाहकार सुसान राइस की जगह उनकी घरेलू नीति परिषद के अगले प्रमुख के रूप में काम करेंगी। बाइडेन के इस फैसले के बाद नीरा टंडन व्हाइट हाउस सलाहकार परिषद का नेतृत्व करने वाली पहली एशियाई-अमेरिकी बन गई हैं। इससे पहले, नीरा टंडन व्हाइट हाउस में स्टाफ सचिव के रूप में काम चुकी हैं। नीरा तब इस पद पर आसीन होने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी बनी थीं। उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार के रूप में भी काम किया है। टंडन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में घरेलू नीति की सहायक निदेशक और प्रथम महिला की वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था। इसके अलावा टंडन अमेरिका स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय में स्वास्थ्य सुधारों की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अफोर्डेबल केयर एक्ट के कुछ विशेष प्रावधानों पर कांग्रेस और हितधारकों के साथ मिलकर काम किया था। टंडन के पास नीति और प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का अनुभव है जो कि व्हाइट हाउस में नीति को और मजबूत करने का काम करेगा। घरेलू, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में उनका अनुभव इस नई भूमिका में एक महत्वपूर्ण संपत्ति होगी। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव के रूप में टंडन की नियुक्ति आठ महीने बाद हुई जब उन्होंने रिपब्लिकन सीनेटरों के कड़े विरोध के कारण व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के निदेशक के रूप में अपना नामांकन वापस ले लिया। उधर, कनाडा ने राजनीतिक हस्तक्षेप और धमकी के आरोपों को लेकर चीन के राजदूत कांग पीवू को समन किया है। विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि कनाडा चीन के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है और राजनयिक निष्कासन सहित सभी विकल्प मौजूद हैं। वहीं, चीन के राजदूत कांग ने आरोपों को खारिज किया है। चोंग अब चीन के खिलाफ आरोपों के केंद्र में है। चोंग को कथित तौर पर बीजिंग की ओर से उत्पीड़न के लिए निशाना बनाया गया था और उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार की सुस्त प्रतिक्रिया की जमकर आलोचना की।

नेपाल में फिर राजनीतिक अस्थिरता की आहट, सत्ताधारी गठबंधन में लगी पहली सेंध

काठमांडो ।
रवि लमिछाने की नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने पुष्प कमल दहल सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेतृत्व वाले गठबंधन से नाता तोड़कर फिर से नेपाली कांग्रेस के साथ सरकार बनाने के बाद प्रधानमंत्री दहल को लगा यह पहला बड़ा झटका है।

रवि लमिछाने ने एलान किया- 'हमें जनता की अपेक्षाओं और जनादेश का सम्मान करना चाहिए। उप चुनाव में हमें मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने और अपनी पार्टी के संगठन को मजबूत करने का जनादेश मिला है।' उन्होंने कहा कि आरएसपी जनता को यह दिखाएगी कि रचनात्मक विपक्ष की भूमिका कैसे निभाई जाती है।

पिछले महीने तीन संसदीय क्षेत्रों में उप चुनाव हुए थे। उनमें से दो में आरएसपी के उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से सत्ताधारी गठबंधन के उम्मीदवारों को हरा दिया। उसके बाद प्रधानमंत्री दहल ने रवि लमिछाने को अपने मंत्रिमंडल में शामिल करने की इच्छा जताई थी। लेकिन जब मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ, तो लमिछाने का नाम मंत्रियों की सूची में शामिल नहीं था। उस रोज तीन नए मंत्री बने, जो सभी नेपाली कांग्रेस के हैं।

आम चुनाव के बाद पिछले दिसंबर में जब दहल ने यूएमएल के साथ हाथ मिलाकर सरकार बनाई थी, तो लमिछाने की पार्टी उसका हिस्सा थी। लेकिन बाद में उन्होंने यह गठबंधन तोड़कर फिर से नेपाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया। तब वे लमिछाने की पार्टी को नए गठबंधन में भी ले आए। इस बीच लमिछाने की नागरिकता को लेकर विवाद उठ चुका था। इसलिए दहल ने लमिछाने को मंत्री नहीं बनाया। अब वो विवाद हल चुका है।

आरएसपी के चीफ व्हिप संतोष परियार ने हम अपनी ताकत और लोकप्रियता के आधार पर सरकार में उचित हिस्सेदारी चाहते थे। लेकिन हाल की राजनीतिक घटनाओं के बाद हमने देखा कि यह संभव नहीं है।' आरएसपी के इस फैसले के बाद नेपाल में इस सवाल पर बहस खड़ी हो गई है कि क्या अब प्रधानमंत्री को फिर से संसद में विश्वास-मत हासिल करना चाहिए। इस मामले में संविधान विशेषज्ञों की अलग-अलग राय सामने आई है। विशेषज्ञ बिपिन अधिकारी ने कहा है कि संविधान के मुताबिक प्रधानमंत्री के लिए दोबारा विश्वास-मत हासिल करना तब अनिवार्य होता है, अगर मंत्रिमंडल में शामिल कोई दल सरकार से समर्थन वापस ले।

लेकिन नेपाल लॉ कैंपस में पहले एसोसिएट प्रोफेसर रह चुके गणेश दत्त भट्ट के मुताबिक अतीत में ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री फिर से विश्वास-मत हासिल करने की मिसाल कायम कर चुके हैं। उन्होंने कहा- 'प्रधानमंत्री के पक्ष में बहुमत है या नहीं, इसका परीक्षण सदन में होना चाहिए। इसको लेकर हम हम सदन के बाहर अनुमान नहीं लगा सकते।' राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक आरएसपी का सत्ता पक्ष से खुद को पूरी तरह अलग करने का फैसला उसके लिए सियासी तौर पर फायदेमंद हो सकता है। इस पार्टी ने पिछले आम चुनाव में अप्रत्याशित सफलता हासिल कर सबको चौंका दिया था। उप-चुनाव के नतीजे भी उसके पक्ष में रहे। ऐसे में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा कर वह अपनी सियासी जमीन का और विस्तार करने की स्थिति में होगी।

नेपाल में निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटना में तीन घायल, पायलट की हालत गंभीर

काठमांडू। नेपाल का एक निजी हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना पूर्वी नेपाल में घटी, जिसमें एक पायलट समेत तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना संखुवासभा जिले के भोटेखोला नदी के पास हुई, जब निर्माण सामग्री ले जा रहा हेलिकॉप्टर जलमार्ग के पास एक पेड़ से टकरा गया। सूत्रों के अनुसार- दुर्घटना दोपहर को हुई, जिसमें सिमरिक एयर हेलिकॉप्टर के पायलट समेत तीन लोग घायल हो गए। पायलट सुरेंद्र पांडेय गंभीर रूप से घायल है। घायलों को इलाज के लिए काठमांडू ले जाया गया है। हेलिकॉप्टर काठमांडू से संखुवासभा अरुण थ्री हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण सामग्री ले जा रहा था। इस हेलिकॉप्टर में कुल पांच लोग सवार थे और दोपहर डेढ़ बजे भोटेखोला ग्रामीण नगर पालिका के पास सिपरिंग में हेलिकॉप्टर उतारने के समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

उनका बयान, उनकी मर्जी

भारत में आतंकवाद पर घिरने के बाद पाकिस्तान लौटकर क्या-क्या बोले बिलावल

इस्लामाबाद ।
शंघाई सहयोग सम्मेलन (एससीओ) में हिस्सा लेने के लिए दो दिवसीय भारत दौरे पर आए बिलावल भुट्टो जरदारी समिट खत्म होते ही पाकिस्तान लौट गए। भारत में एससीओ सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर घिरने के बाद बिलावल ने पाकिस्तान की जमीं से इस कार्यक्रम को लेकर बयान भी जारी किया है। उन्होंने एससीओ बैठक को पाकिस्तान के लिए सफलता करार दिया है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की तरफ से आतंकवाद के मुद्दे पर घेरे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने (जयशंकर ने) जो भी कहा वह उनकी मर्जी है।

क्या रहा बिलावल का पूरा बयान

गौरतलब है कि एस. जयशंकर ने बिलावल के सामने ही कहा था कि वे एससीओ में आतंक की इंडस्ट्री का प्रवक्ता बन कर आए हैं। इसे लेकर पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा, आतंकवाद से पीड़ित और इसे फैलाने वाले कभी साथ बैठकर आतंक पर चर्चा नहीं कर सकते। जो उन्होंने कहा, वह उनकी मर्जी। मैंने वहां अपना बयान दिया, प्रेस से भी बातचीत की। सबकुछ रिकॉर्ड पर है। वहां झूठे प्रोपेगैंडा की वजह से असुरक्षा का भाव है। यह प्रोपेगैंडा खत्म हो जाता है, जब मैंने वहां जाकर अपनी बात रखी। यह सिर्फ भारत के मुद्दे पर नहीं है, बल्कि उन सबके लिए है, जो पाकिस्तान का नाम आतंकवाद से जोड़ते हैं। उन्होंने इसके बाद सवाल पूछते हुए कहा, आतंक पीड़ित और इसे फैलाने वालों को कभी साथ नहीं बैठना चाहिए। यह नफरत है। क्या मुझे कभी भी मेरे राजनीतिक इतिहास में गलती से भी एक आतंकी के साथ बैठे देखा गया है।

एससीओ समिट में क्या बोले थे बिलावल

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए बिलावल ने कहा कि लोगों की सामूहिक सुरक्षा हमारी संयुक्त जिम्मेदारी है। आतंकवाद वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। हमें आतंकवाद को कूटनीतिक हथियार बनाकर राजनयिक तौर पर एक-दूसरे को घेरने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं केवल पाकिस्तान के विदेश मंत्री के रूप में ही नहीं बोल रहा हूं। हमारे लोगों ने हमलों में सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। मैं उस बेटे के रूप में भी बोल रहा हूं, जिसकी मां की आतंकवादियों के हाथों हत्या कर दी गई थी। इसी के जवाब में जयशंकर ने कहा कि बिलावल का बयान काफी दिलचस्प है, क्योंकि इससे उन्होंने गलती से अपनी मानसिकता का खुलासा कर दिया है।

तोशाखाना मामले में अदालत 10 मई को इमरान खान के खिलाफ तय करेगी आरोप, व्यक्तिगत पेशी के आदेश

इस्लामाबाद।
इस्लामाबाद की एक अदालत ने कहा कि वह सरकारी तोहफों की बिक्री से मिली रकम को कथित तौर पर छिपाने के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ 10 मई को आरोप तय करेगी। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने विदेशी गणमान्य लोगों से मिले तोहफों की बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण पिछले साल खान के खिलाफ तोशाखाना मामला दायर किया था।

वर्ष 1974 में स्थापित तोशाखाना, कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है। तोशाखाना में पाकिस्तानी शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को अन्य देशों की सरकारों, राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिले कीमती उपहारों को संग्रहीत किया जाता है।

व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश - 70 वर्षीय इमरान खान ने मामले में लगाए गए आरोपों को चुनौती दी थी, लेकिन सत्र अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद क्षेत्राधिकार से संबंधित दलीलों और आपत्तियों को खारिज कर दिया था। न्यायाधीश ने आरोपी खान के खिलाफ आरोप तय करने की घोषणा की और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख को उस दिन व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को भी कहा। इससे पहले, अदालत ने खान के खिलाफ आरोप तय करने के लिए सात फरवरी की तारीख तय की थी, लेकिन खान के अदालत में मौजूद न होने और उनके वकीलों द्वारा मामले पर आपत्ति जताए जाने के कारण कई बार इसकी सुनवाई स्थगित हुई। क्रिकेटर से नेता बने खान पर अभी राजद्रोह, आतंकवाद, हत्या, हत्या का प्रयास, ईशनिंदा और अन्य आरोपों के तहत 140 से अधिक मामले दर्ज हैं। इस्लामाबाद हाईकोर्ट में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में खान ने कहा था कि जल्द ही उनके खिलाफ दायर मुकदमों की संख्या दो सौ हो जाएगी।

रेप केस में ट्रम्प की गवाही का वीडियो रिलीज: पूर्व राष्ट्रपति बोले- स्टार बिना इजाजत महिलाओं को छेड़ते हैं, सालों से ऐसा हो रहा है

वॉशिंगटन ।
ट्रम्प पर चल रहे रेप केस के ट्रायल में पहली बार उनकी गवाही का वीडियो रिलीज किया गया। इसमें वो शिकायतकर्ता महिला जीन कैरोल के बारे में आपत्तिजनक कमेंट कर रहे हैं और खुद पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बता रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने ये गवाही अक्टूबर में दी थी। जिसे अब मैनहेटन कोर्ट में पेश किया गया है।

वीडियो में ट्रम्प कैरोल के बारे में कह रहे हैं, वो मेरे टाइप की ही नहीं है। वहीं, कोर्ट में जब उन्हें जीन कैरोल की फोटो दिखाई जाती है तो वो उसे अपनी पत्नी बताते हैं। इसके बाद जब उन्हें बताया जाता है कि वो जीन हैं। तो ट्रम्प कहते हैं कि तस्वीर धुंधली होने के वजह से वो उन्हें पहचान नहीं पाए। दरअसल, ट्रम्प पहले कह चुके हैं कि वो जीन कैरोल का जानते ही नहीं हैं।

बड़े स्टार्स महिलाओं की इजाजत बिना उन्हें छेड़ते रहे हैं - अटॉर्नी के एक सवाल के जवाब में ट्रम्प कहते हैं कि ऐसा सालों से होता आ रहा है कि स्टार (पॉपुलर लोग) बिना इजाजत महिलाओं को

गलत तरीके से छेड़ते हैं। ट्रम्प उन पर रेप का मामला दर्ज कराने वाली महिला को मानसिक तौर पर बीमार भी कहते हैं।

वीडियो में ट्रम्प कैरोल के बारे में कह रहे हैं, वो मेरे टाइप की ही नहीं है। - गवाही का वीडियो 48 मिनट का है। इसमें ट्रम्प के महिलाओं के निजी अंगों पर दिए बयान पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि वो लॉकर रूम की बातचीत थी। ट्रम्प ने सवाल पूछ रही अटॉर्नी को कहा था- तुम भी मेरी टाइप की नहीं हो ट्रम्प के वीडियो में दिख रहा है कि उन्होंने सवाल कर रही अटॉर्नी पर गलत टिप्पणी की। उन्होंने अटॉर्नी रोबर्टा कापलन से कहा- तुम भी मेरे टाइप की नहीं हो, मुझे उम्मीद है इस पर आपको बुरा नहीं लगा होगा। बहस के दौरान ट्रम्प रोबर्टा को राजनीति से प्रेरित कहते हैं। ट्रम्प के वकीलों के मुताबिक आगे की सुनवाई के लिए वो कोर्ट में पेश नहीं होंगें। हालांकि, ट्रम्प ने एक दूसरा वीडियो रिलीज कर कहा है कि ट्रायल की वजह से उन्हें अपनी आयरलैंड की ट्रिप से बीच में ही लौटना पड़ रहा है।

क्या है ट्रम्प पर रेप का आरोपों का पूरा मामला - मैगजीन राइटर ई. जीन कैरोल ने ट्रम्प पर 1995-96 में उनका रेप करने का आरोप लगाया था। कैरोल के मुताबिक, ट्रम्प ने न्यूयॉर्क डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उनका रेप किया। जब उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की तो ट्रम्प ने उन्हें बदनाम किया। ट्रम्प ने कहा था कि कैरोल अपनी बुक की सेल बढ़ाने के लिए उन पर झूठे आरोप लगा रही हैं।

जापान में लगभग आधे युवाओं में है आत्मघाती सोच, अमेरिकी सर्वे में हुआ खुलासा

टोक्यो ।
धनी देशों में अपनी जिंदगी से निराश लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले हफ्ते अमेरिका में हुए एक सर्वे से सामने आया था कि वहां कम उम्र लड़कियों में आत्महत्या की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। अब ऐसा ही निष्कर्ष जापान में हुए एक सर्वे से सामने आया है। गैर सरकारी संस्था निप्पॉन फाउंडेशन की तरफ से कराए गए इस सर्वे के मुताबिक जापान के लगभग आधे (यानी 50 प्रतिशत) युवाओं में आत्मघाती सोच है।

ऐसी भावना से ग्रस्त युवाओं में ज्यादातर ने शोधकर्ताओं को बताया कि अपनी ऐसी सोच के बारे में वे किसी से बात नहीं करते हैं। यह सर्वे पांच लाख से भी ज्यादा नौजवानों के बीच किया गया। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं ने 18 से 29 साल के बीच की उम्र वाले 5,01,018 व्यक्तियों को अपने सवाल भेजे। उनमें से 14,819 व्यक्तियों के उत्तर वैध पाए गए। आत्मघाती सोच से शिकार 56.6 फीसदी युवाओं ने कहा कि वे इस बारे में किसी से बात नहीं करते। जबकि 12.4 फीसदी युवाओं ने कहा कि ऐसी सोच आने पर उन्होंने अपने दोस्तों से बात की है। ऐसी सोच वाले 11.7 फीसदी युवाओं ने कहा कि अपनी इस भावना के बारे में उन्होंने अपनी मां से बात की।

सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक वैध जवाब भेजने वाले नौजवानों में 44.8 फीसदी ने कहा कि उन्होंने कभी ना कभी आत्महत्या करने के बारे में जरूर सोचा है। ऐसी सोच का कारण अपने संबंधों में परेशानी, आसपास के किसी व्यक्ति का डर और रोजगार या शिक्षा संबंधी भविष्य को लेकर चिंता रहे हैं। जिन नौजवानों में आत्महत्या की भावना आई, उनमें से 40.8 फीसदी ने कहा कि अतीत में वो खुदकुशी की तैयारी या कोशिश कर चुके हैं।

सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक आत्महत्या का ख्याल सबसे एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों में आया। समलैंगिकता के मामले में जापान एक कंजरवेटिव सोसायटी है। वहां ऐसे लोगों की जिंदगी मुश्किल बनी रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक एलजीबीटीक्यू समुदाय में सबसे ज्यादा आत्मघाती प्रवृत्ति ट्रांसजेंडर व्यक्तियों या उन व्यक्तियों में देखी गई है, जो सिर्फ समलैंगिकता में रुचि रखते हैं- यानी विषमलिंगी के साथ संबंध बनाने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती।

इसके अलावा यौन उत्पीड़न का शिकार हुए लोगों में भी आत्मघाती ख्याल ज्यादा आते हैं। सर्वे से सामने आया कि यौन उत्पीड़न के शिकार रहे 76.4 फीसदी लोगों में कभी ना कभी आत्महत्या कर लेने का भाव जगा। सर्वे से यह भी सामने आया कि जिन 14 हजार से अधिक लोगों ने वैध उत्तर भेजे, उनमें से 15.3 फीसदी अपने जीवन में यौन उत्पीड़न का शिकार बन चुके थे।

एक रिपोर्ट में जापान सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि 2019 से 2021 के बीच आत्महत्या नौजवान लोगों की मृत्यु का एक बड़ा कारण रही। जापान सरकार आत्महत्या की भावना का शिकार लोगों के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी कर चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जन से अपील की है कि अगर उन्हें कोई आत्मघाती प्रवृत्ति का व्यक्ति मिले, तो वे उसे संबंधित सरकारी विभाग तक पहुंचाने में मदद करें।

पिछड़ा वर्ग-ए को नगर पालिकाओं में मिलेगा आरक्षण

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश सरदार दर्शन सिंह ने पिछड़ा वर्ग-ए को नगर पालिकाओं में आरक्षण अनुपात संबंधी रिपोर्ट शनिवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सौंप दी है। हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग ने अधिनियम की धारा 9 के तहत राज्य में पिछड़े वर्गों की वर्तमान सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थितियों का अध्ययन करने, जनकल्याणकारी योजनाओं में पिछड़े वर्गों को लाभ, प्रतिनिधित्व और भागीदारी का अध्ययन करने, शिक्षण संस्थानों में पिछड़े वर्गों के छात्रों व युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का अनुमान लगाने तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि के उपायों की सिफारिश करने का कार्य सौंपा था। इसके अलावा पिछड़े वर्गों के युवाओं को कौशल विकास और प्रशिक्षण के लिए वर्तमान गतिविधियों का मूल्यांकन करने, राज्य में पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़े वर्गों के लिए आवश्यक आरक्षण के अनुपात का अध्ययन करने का कार्य भी सौंपा गया। इस पर आयोग ने विस्तृत विचार विमर्श के बाद पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़े वर्ग को आरक्षण के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद आयोग को नगरपालिकाओं में भी पिछड़े वर्ग को आरक्षण के बारे में कार्य सौंपा गया। आयोग ने विभिन्न बैठकें आयोजित कीं और राज्य के सभी उपायुक्तों से उनके जिलों की नगरपालिकाओं की संख्या, जनसंख्या के श्रेणीवार आंकड़े मांगे। आयोग ने फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, हिसार, करनाल और अंबाला सहित सभी मंडल मुख्यालयों में जन सुनवाई की और राजनैतिक दलों, संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भी विस्तार से चर्चा की। आयोग को पिछड़े वर्ग को नगरपालिकाओं में आरक्षण के बारे डाक एवं ई-मेल व संदेशों के माध्यम से भी रिप्रजेंटेशन प्राप्त हुए। इस प्रकार आयोग ने हरियाणा राज्य में नगरपालिकाओं में भी पिछड़े वर्ग को आरक्षण के अनुपात के संबंध में विस्तृत जांच की। विभिन्न बैठकें आयोजित करने और मामले पर विस्तार से चर्चा करने के बाद, आयोग ने नगरपालिकाओं में पिछड़े वर्गों के नागरिकों को आरक्षण के अनुपात के बारे में अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को प्रस्तुत कर दी है।

दूसरी पार्टियों में परिवारवाद व भाई भतीजावाद प्रमुख: डॉ. कमल गुप्ता

हिसार (हिंस)। शहरी निकाय मंत्री एवं हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक सरंचना दूसरी पार्टियों से पूरी तरह भिन्न है। जहां दूसरी पार्टियों में कई कई वर्षों तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव नहीं हो पाता, वहीं भाजपा में पन्ना प्रमुख का चुनाव भी विधिवत रूप से होता है। वे शनिवार को नागोरी गेट स्थित बिंदल धर्मशाला में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक हिसार में 21 मई को होने वाले पन्ना प्रमुख सम्मेलन की तैयारियों के बारे में बुलाई गई थी। बैठक का संयोजन सुरेन्द्र सिंह सैनी ने किया। बैठक में राजौरी में सेना के दल पर घात लगाकर आंतकी हमले में पांच पैरा कमांडो के शहीद होने पर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मंत्री कमल गुप्ता ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ दिन-रात बिना किसी स्वार्थ लोभ लालच के पार्टी संगठन के लिए कार्य करता है। पार्टी में ऐसे हजारों की संख्या में पूर्णकालीन कार्यकर्ता

हैं, जो घर-परिवार का मोह व ऐश्वर्यपूर्ण जीवन का त्याग कर पार्टी संगठन का कार्य कर रहे हैं। दूसरी पार्टियों में परिवारवाद, वंशवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद व भाई-भतीजावाद प्रमुख रहता है, वहीं भाजपा में एक साधारण से साधारण कार्यकर्ता भी अपनी योग्यता के आधार पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व उच्च पदों पर पहुंच सकता है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि भाजपा को आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का जो गौरव प्राप्त हुआ है, वह पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ताओं के कारण ही सम्भव हो सका है।

जनसंपर्क सेवाओं के अधिकारी सोमवार से एक घंटा ज्यादा काम कर करेंगे सत्याग्रह

जयपुर (हिंस)। जनसंपर्क एवं संबद्ध सेवाओं के प्रतिनिधि संगठन प्रसार के आह्वान पर प्रदेश के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की सेवाओं के अधिकारी सोमवार, आठ मई से सत्याग्रह की राह अपनाएंगे। सूचना एवं जनसंपर्क सेवाओं के कैडर के सुदृढ़ीकरण, एपीआरओ एवं उपनिदेशक पदों का ग्रेड-पे बढ़ाने, फोटो सेवा के अधिकारियों के पदोन्नति के अवसर बढ़ाने और राज-काज संपादित करने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध करवाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर किए जा रहे इस सत्याग्रह को व्यापक आंदोलन का रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। प्रसार का कहना है कि आंदोलन के दौरान भी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का जन-जन तक प्रचार-प्रसार करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। महात्मा गांधी के सत्याग्रह की प्रेरणा के साथ वे इस दौरान अतिरिक्त घंटों में भी काम करेंगे और अपनी मांगों की ओर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट करेंगे। प्रसार का आरोप है कि पिछले कुछ समय से विभाग के निदेशक द्वारा ऐसे प्रतिकूल निर्णय किए जा रहे हैं, जिनका जनसंपर्क सेवाओं और कार्यों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। मुख्यमंत्री की ओर से बजट घोषणाओं और अन्य अवसरों पर दिए गए निर्देशों के बावजूद जन संपर्क विभाग के अधिकारियों के लिए आवश्यक संसाधन और कार्य निष्पादन के लिए सुविधाएं कंप्यूटर, कागज, प्रिंटर आदि भी उपलब्ध नहीं करवाई जा रही हैं। कार्य की प्रकृति में विस्तार होने के साथ ही कैडर पुनर्गठित करते हुए नए पदों की सृजन की आवश्यकता है। साथ ही सहायक जनसंपर्क अधिकारियों का ग्रेड पे भी बहुत कम है, जिसे तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है। इन्हीं मांगों को लेकर यह सत्याग्रह किया जा रहा है। प्रसार का कहना है कि सोमवार आठ मई से सूचना एवं जनसंपर्क सेवा के अधिकारी कार्यालय समय सायं 6 बजे के पश्चात् अतिरिक्त एक घंटा राजकार्य के लिए निकालेंगे। जनसंपर्क अधिकारियों द्वारा एक सप्ताह तक प्रतिदिन लगभग 200 घंटे के हिसाब से लगभग 1400 घंटे तक अतिरिक्त राज कार्य का संपादन किया जाएगा, जो प्रदेश की अन्य सेवाओं के लिए भी उदाहरण बनेगा। प्रसार का कहना है कि यदि पहले सप्ताह के दौरान मांगें नहीं मानी गईं तो जनसंपर्क सेवा के अधिकारी सायं 7 बजे से कैंडल मार्च का आयोजन करेंगे। इसके लिए पहले तीन दिन तक जिलों में, उसके बाद दो दिनों तक संभाग स्तर पर और अंतिम दिन राजधानी में विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया जाएगा और प्रसार की मांगों की ओर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाएगा। इस दौरान भी राजकीय समय में सभी अधिकारी प्रचार-प्रसार का राजकीय कार्य संपादित करते रहेंगे। मांगें नहीं माने जाने पर तीसरे सप्ताह प्रसार *जनसंपर्क बचाओ कैंप* का आयोजन करेगा। ये कैंप सभी जिलों, संभाग और राजधानी के स्तर पर लगाए जाएंगे। इस दौरान जनसंपर्क सेवा की आवश्यकता और गरिमा से जुड़ी प्रमुख 10 मांगों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही सत्याग्रह के प्रेरणास्रोत महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े प्रमुख विचार भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

पहलवानों के समर्थन में महिलाओं ने निकाली मौन रैली

नारनौल (हिंस)। नारनौल में शनिवार को विभिन्न संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में धरना दे रहे पहलवानों के समर्थन में मौन रैली निकाली। उन्होंने दिल्ली में महिला खिलाड़ियों के साथ हो रहे अन्याय और दिल्ली पुलिस की ज्यादतियों को लेकर रोष जताया। रैली समाजसेवी महिलाओं की अगुआई में निकाली गई। रैली महावीर चौक से आरंभ होकर आजाद चौक पर संपन्न हुई। समाज सेविका सोनू सैनी व ज्योति सैनी ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ सात महिला खिलाड़ियों ने यौन शौषण का आरोप लगाया है। जिसमें एक नाबालिग महिला खिलाड़ी भी शामिल है। इन खिलाड़ियों में से साक्षी फोगट ने तो ओलंपिक में भारत को मेडल दिलवा कर देश का नाम रोशन किया है। आज उसके साथ हुए यौन शोषण की शिकायत भी सत्ता के लिए कोई मायने नहीं रखती। ज्योति भटनागर और आम आदमी पार्टी की नेत्री चंद्रकला ने कहा कि बृजमोहन शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की। जब तक सुप्रीम कोर्ट का डंडा नहीं चला। दिल्ली पुलिस का ये रवैया महिलाओं की अस्मिता को तार-तार कर देने वाला है। अजीत जैन और पूर्व नगर परिषद चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुए आठ दिन से ऊपर हो गए है लेकिन अभी तक पुलिस कोई भी कार्रवाई करती हुई नजर नहीं आ रही। क्रांतिकारी नेता महेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार बृजमोहन के खिलाफ जांच करने में कोताही बरत रही है और इसको अलग-अलग बहाने बना कर राजनीतिक रंग देकर न्याय के लिए उठाई गई मांग को भटका देना चाहती है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर सुकेश दीवान ने कहा कि बीजेपी के प्रवक्ता महिला खिलाड़ियों की न्याय की मांग को जाति विशेष का जामा पहना कर यह सिद्ध करना चाह रही है कि यह यौन शौषण की शिकायत मात्र जातवाद का एक राजनीतिक रूप है जो कि गलत है।

घोषणाएं पूरी नहीं होने पर सख्त हुए सीएम, अधिकारियों से ली रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को यहां सीएम घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु प्रशासनिक सचिवों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान वर्ष 2015 में पुन्हाना में वेयरहाउस बनाने की घोषणा की समीक्षा करते हुए इसके क्रियान्वयन में हुई देरी पर मुख्यमंत्री ने सख्त संज्ञान लेते हुए प्रशासनिक सचिव को एक कमेटी बनाकर पूरे मामले की जांच करने, जिम्मेदारी तय करने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए। बैठक के दौरान बताया गया कि वर्ष 2014 से लेकर 2023 तक कुल 9962 सीएम घोषणाएं की गई हैं, जिनमें से 6555 घोषणाओं पर काम पूरा हो चुका है। 1179 अभी प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सचिवों को निर्देश देते हुए कहा कि वर्ष 2020 तक की लंबित घोषणाओं को इस वर्ष में ही पूरा करने का काम करें, ताकि आम जनता को इन परियोजनाओं का लाभ तुरंत मिल सके। इसके अलावा, वर्ष 2021, 2022 की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी लाई जाए। बैठक में हकीकत नगर करनाल में प्राइमरी स्कूल खोलने की मुख्यमंत्री की घोषणा पर अधिकारियों ने बताया कि इस गर्मी की छुट्टी के बाद स्कूल शुरू हो जाएगा। सिवानी तहसील के कुछ गांवों को भिवानी जिले से हिसार जिले में शामिल करने की सीएम घोषणा पर समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इसके लिए एक टीम गठित की जाए और इन सभी गांवों के सरपंचों के साथ ग्राम सभा की बैठकें आयोजित कर वहां के लोगों की सहमति प्राप्त की जाए, उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा, अनाज मंडी, डबवाली में प्लेटफार्म बनाने के संबंध में समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस संबंध में आज शाम तक प्रक्रिया पूरी की जाए और कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाया जाए। विभिन्न स्थानों पर ऑफिसर्स आवास बनाने की घोषणाओं पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सब-डिविजन पर ऑफिसर्स आवास या फ्लैट बनाने के संबंध में एक कार्य योजना तैयार की जाए, ताकि अधिकारियों को रहने के लिए अच्छी व्यवस्था उपलब्ध हो सके और उप मंडल का कार्य सुचारू रूप से चल सके। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक चरण में जिला मुख्यालय से अधिक दूरी वाले सब-डिवीजनों के लिए कार्य योजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गांवों में बने पार्क एवं व्यायामशालाओं के रख-रखाव की जिम्मेवारी आयुष विभाग को सौंपी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गांवों में जिन परियोजनाओं में भूमि खरीद करने की आवश्यकता है।

गांव-गांव में हो रहा आधारभूत सुविधाओं का विकास : मंत्री मेघवाल

बीकानेर (हिंस)। आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने शनिवार को छत्तरगढ़ के 1 केएम के 8 डीएल में 4 लाख रुपये की लागत से बने अंबेडकर भवन का उद्घाटन किया। इस

अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पहल पर गांव-गांव में आधारभूत सुविधाओं का विकास हो रहा है। यहां बना अंबेडकर भवन आमजन के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान में देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उनके आदर्श आज के दौर में भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत देने के लिए लगाए जा रहे महंगाई राहत शिविरों की जानकारी दी और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति इन शब्दों में पंजीकरण करवाते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 500 रुपये में गैस सिलेंडर, घरेलू उपभोक्ताओं को 100 तथा कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट निःशुल्क बिजली और 76 लाख परिवारों को राशन किट जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। यह महंगाई के मार को कम करने में सहायक सिद्ध होगी।

अधिवक्ताओं के वेलफेयर के लिए प्रयास करेगी एडवोकेट एसोसिएशन : जोशी

जोधपुर (हिंस)। देश में पहली बार राजस्थान प्रदेश में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने पर राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया है। राजस्थान हाइकोर्ट हेरिटेज परिसर में राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजीत जोशी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि नई एसोसिएशन का गठन होने के साथ ही प्रदेश में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट करने के लिए जोधपुर से बिगुल बजाया गया और लंबे संघर्ष के बाद राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अधिवक्ताओं की भावनाओं को समझते हुए प्रदेश में राजस्थान एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को पास करवाया। वहीं अधिवक्ताओं की मांग पर राजस्थान सिविल सर्विसेज ट्रिब्यूनल की भी स्थापना की जा रही है। जोशी ने बताया कि हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही नए हाईकोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं के चेंबर अलॉटमेंट के लिए राजस्थान हाई कोर्ट चेंबर अलॉटमेंट कमेटी के सदस्य जस्टिस विजय विश्नोई, जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस पी एस भाटी के समक्ष मांग पत्र रखा गया, जिस पर कमेटी ने महज 4 दिन में 115 अधिवक्ताओं को नए चेंबर

आवंटित कर दिए। उन्होंने कहा कि हैरिटेज हाईकोर्ट परिसर में 300 अधिवक्ताओं को चेंबर अलॉटमेंट करने की प्रक्रिया की जा रही है। हेरिटेज परिसर में में नए एडवोकेट चैंबर बनाने के लिए एडवोकेट कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने जिला न्यायाधीश अजय कुमार से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि पार्किंग स्थल, गोल्डन जुबली चेंबर और जुबली चेंबर पर 300 नए एडवोकेट चेंबर बनाने का आग्रह किया गया है और जल्द ही इस पर अहम निर्णय होने की उम्मीद है। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के महासचिव गिरवर सिंह भाटी ने बताया कि नई कार्यकारिणी ने अपने कार्यकाल में एडवोकेट हितों को लेकर रूपरेखा तैयार की है जिसमें मुख्य रुप से अधिवक्ताओं के लिए रामराज नगर में तीसरी बार अधिवक्ताओं को रिजर्व दर पर भूखंड आवंटित करने के संबंध में प्रयास किए जाएंगे, साथ ही हेरिटेज हाईकोर्ट परिसर में 300 नए अधिवक्ता चेंबर बनाने, युवा अधिवक्ताओं को बार एसोसिएशन एवं राज्य सरकार की ओर से 5-5 हजार की आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट फिलहाल राष्ट्रपति के पास स्वीकृति के लिए लंबित है इसके लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगा है और समय मिलते ही उनसे मुलाकात कर जल्द से जल्द एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने को पास करवाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बार काउंसिल ने अधिवक्ताओं के सेवानिवृत्ति की उम्र 50 साल कर रखी है 50 साल की वकालत के बाद सेवानिवृत्त होने पर 15 लाख की आर्थिक सहायता दी जाती है इसे घटाकर 40 साल करने की मांग की जाएगी, साथ ही वर्तमान में 100 रुपये का वेलफेयर टिकट लिया जा रहा है इसे घटाकर 50 करने की भी मांग रखी जाएगी। राजस्थान हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की पुस्तकालय अध्यक्ष दीपा गहलोत ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिहाज से सुविधाओं के लिए एडवोकेट एसोसिएशन महिला चेंबर बनाने के भी प्रयास करेगी और महिलाओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गोकुलेश बोहरा ने बताया कि युवा अधिवक्ताओं के लिए एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से आरजेएस आरजेएचएस के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा शुरू की गई है और यहां आने वाले युवा अधिवक्ताओं को निःशुल्क कोचिंग के साथ ही पुस्तकें भी निःशुल्क दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक युवा अधिवक्ताओं का चयन आरजेएस में किया जा सके।

मैरिज गार्डन के चैंबर में जहरीली गैस से तीन युवकों की मौत

पाली (हिंस)। शहर के सुमेरपुर रोड स्थित केशव नगर के मैरिज गार्डन में सीवरेज चैंबर (हौद) की सफाई के दौरान तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक को बचा लिया गया है। उसे उपचार के लिए राजकीय बांगड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा रात दो बजे हुआ था। जबकि, शवों को शनिवार सुबह चार बजे बाहर निकाला जा सका। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब 10 बजे पांच सफाईकर्मी मैरिज गार्डन के सीवरेज चैंबर की सफाई करने पहुंचे थे। चैंबर शादी समारोह के वेस्ट (खाने) से भरा हुआ था। इनमें से चार युवक हौद में उतरे हुए थे और एक युवक रस्सा लेकर बाहर खड़ा था। जैसे ही वे हौद की गहराई में पहुंचे, जहरीली गैस से उनका दम घुटने लगा। वे बेहोश होकर चैंबर में ही गिर गए।

पहलवानों के समर्थन में रामायण टोल पर किसानों ने की बैठक

दिल्ली में होने वाली खापों की बैठक में भाग लेने जाएगा किसानों का जत्था

हिसार (हिंस)। दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों के समर्थन में शनिवार को रामायण टोल संघर्ष कमेटी ने बैठक की। इसमें पहलवानों के समर्थन में रविवार को दिल्ली में होने वाली खापों की बैठक में पहुंचने का फैसला लिया गया। साथ ही दिल्ली में खापों द्वारा लिए जाने वाले निर्णय के अनुसार ही आगे की रणनीति पर चलने की चर्चा की गई। किसान नेता दशरथ मलिक ने बताया कि महिला पहलवानों के यौन शौषण को लेकर दिल्ली में जंतर-मंतर पर चल रहे धरने के समर्थन में रविवार को दिल्ली में होने वाली खापों की बैठक में भाग लेने के लिए हिसार जिले से सैंकड़ों किसान दिल्ली जाएंगे और दिल्ली में खाप पंचायतों द्वारा लिए गए निर्णय को लागू करने के लिए सोमवार को हिसार में चारों टोल कमेटियों की एक बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सभी किसान संगठनों से चर्चा कर टोल प्लाजा पर धरना लगाने के बारे में चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर दशरथ मलिक, सुधीर, बाली, सोनू, जगबीर, बलवान, अमन व सुनील कुमार सहित काफी संख्या में रामायण टोल प्लाजा संघर्ष समिति के सदस्य मौजूद थे। दिल्ली में जंतर मंतर पर चल रहे पहलवानों के धरने के समर्थन में हिसार में आम आदमी पार्टी विरोध प्रदर्शन कर चुकी है।

प्रदेश सरकार हर गरीब के लिए योजनाएं क्रियान्वित कर रही है : रणजीत सिंह

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने शनिवार को जिला के गांव साहुला में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की और ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान बिजली मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को तत्परता से समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार जन समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर है। सार्वजनिक कार्यों व समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। आज शायद ही प्रदेश का ऐसा कोई गांव हो, जहां पर विकास कार्य न करवाए जा रहे हों। सरकार गांवों में विकास कार्यों के लिए ग्रांट उपलब्ध करवा रही है। इसलिए ग्रामीण एकजुट होकर आपसी सहमति से विकास कार्यों की रुपरेखा तैयार करें और विकास कार्य करवाएं। बिजली मंत्री ने कहा कि सरकार बिजली, पानी, सुदृढ़ परिवहन सुविधा तथा निर्माण कार्यों को तेजी से करवा रही है, ताकि छोटे- छोटे कामों के लिए ग्रामीणों को शहर न जाना पड़े।

मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा महाराणा प्रताप से मिलती है : राज्यपाल

जयपुर/उदयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को उदयपुर में भारतीय सेना द्वारा प्रताप स्मारक स्थल पर उपहार में प्रदत्त युद्धक टैंक टी 55 का भव्य अनावरण किया। इससे पहले राज्यपाल ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। राज्यपाल मिश्र ने अपने उद्बोधन में महाराणा प्रताप के बलिदान को याद किया और कहा कि वह प्रताप को पहला स्वतंत्रता सेनानी मानते हैं। महाराणा प्रताप ने कभी समझौता नहीं किया, विपरीत परिस्थितियों में घास की रोटी खाकर, स्वाभिमान की रक्षा करते हुए जीवन यापन किया। इतना ही नहीं, प्रताप ने अकबर की बड़ी सेना का अपने पराक्रम से मुकाबला किया। राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप द्वारा मातृभूमि की आजादी के लिए किया गया संघर्ष मामूली नहीं था, वह अपनी छोटी सी परन्तु बहादुर सेना के साथ युद्ध लड़ते रहे, छापामार युद्ध पद्धति, शत्रुओं को हतोत्साहित करने की शक्ति आदि ने उन्हें हमेशा अग्रणी रखा। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा महाराणा प्रताप से ही मिलती है। उन्होंने अपने भाषण में प्रताप स्मारक की स्थापना के महत्व एवं यहां टी 55 टैंक को लाने पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कार्यक्रम में भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के परिजनों का सम्मान भी किया। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने मंच से

कहा कि महाराणा प्रताप स्मारक समिति शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस करती है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की भूमि हमेशा संघर्षशील रही और कभी आक्रान्ताओं के सामने समझौता नहीं किया। सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल जे एस नैन ने युद्धक टैंक टी-55 की महत्ता और युद्धों में इसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उदयपुर के एक दिवसीय दौरे के अंतर्गत शनिवार प्रातः यहां डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर सम्भागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, जिला कलक्टर तारा चंद मीणा और जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने बुके भेंट कर स्वागत किया।

स्कोडा कोडियाक भारत में लॉन्च : डोर एज प्रोटेक्टर जैसे सेफ्टी फीचर से लैस है एसयूवी, कीमत 37.99 लाख से

नई दिल्ली ।
चेक रिपब्लिकन कार मैकर कंपनी स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में 7 सीटर कोडियाक को लॉन्च कर दिया है। कार डोर एज प्रोटेक्टर जैस सेफ्टी फीचर से लैस है, जो इसके गेट को डैमेज होने से बचाता है। कंपनी ने इस फुल साइज एसयूवी को पहली बार 2017 में पेश किया था। 2023 कोडियाक को लॉन्च करते ही 24 घंटे में इसकी 759 यूनिट्स बिक चुकी हैं। मांग को देखते हुए कंपनी ने अब गाड़ियों के एलॉटमेंट की संख्या बढ़ा दी है। स्कोडा अब हर तिमाही में कस्टमर्स को 750 कोडिएक कार एलॉट करेगी। कार की एयरो डायनमिक्स को बेहतर बनाने के लिए रियर स्पॉइलर को एक्स्ट्रा फिनलेट के साथ बढ़ाया गया है। इसके अलावा कार की सेकेंड रो में पैसेंजर्स के लिए बड़े लाउंज स्टेप और आउटर हेडरेस्ट भी दिए गए हैं। कार 3 वैरिएंट स्टाइल, स्पोर्टलाइन में अवेलेबल है। कोडियाक की कीमत 37.99 लाख रुपए से शुरू होती है, जो इसके टॉप वैरिएंट में 41.39 लाख रुपए तक जाती है। कीमतें दिल्ली एक्स-शोरूम हैं। कार को हर एक तरह की कंडीशन में चलने के लिए डिजाइन किया गया है। कार की हाइट को 15एमएम तक कम किया जा सकता है। कार के फ्रंट में कंपनी की सिग्नेचर ग्रिल दी गई है। इसके दोनों ओर प्रोजेक्टर हेडलैंप दिए गए हैं। साइड में 18 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं। रियर में एलईडी टेललैंप मिलते हैं। स्कोडा कोडियाक में फेज-2 नॉर्म्स के अनुसार अपडेटेड 2.0 टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, 187 की पावर पर 320 का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 7 स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है। पिछले मॉडल की तुलना में यह इंजन 4.2प्रतिशत ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट है। कार ई-20 पेट्रोल पर भी चल सकती है। कार 7.8 सेकेंड में 100 की स्पीड पकड़ सकती है। कार में 6 ड्राइविंग मोड ईको, कम्फर्ट, नॉर्मल, स्पोर्ट, इंडिविजुअल और स्नो हैं। कनेक्टिविटी के लिए कोडियाक में ऐप दिया गया है। कार में 8 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है जो नेविगेशन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले सपोर्ट करता है। कार में फ्रंट और रियर सीट पर पैसेंजर के लिए पोर्ट और वायरलेस फोन चार्जिंग भी दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

कर्ज हासिल करने के लिए शर्तें पूरी करने के झूठे दावे करने लगा पाकिस्तान, खारिज हुई मांग, मिली फटकार

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। एजेंसी ने नकदी संकट में फंसे पाकिस्तान की सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऋण सुविधा के तहत धन जारी करने के लिए उसने आईएमएफ की सभी शर्तों को पूरा कर लिया है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को कुछ शर्तों पर छह अरब डॉलर देने के लिए 2019 में समझौता किया था। यह योजना कई बार बेपटरी हुई और पूरा भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है। आईएमएफ की मांग है कि पाकिस्तान को सभी शर्तों का पालन ठीक ढंग से करना चाहिए। हालांकि, शर्तों का पालन न करने के बाद भी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वित्त मंत्री इशाक दार ने बार-बार दावा किया है कि कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंचने के लिए पाकिस्तान ने सभी शर्तें पूरी कर ली हैं और समझौते से पीछे हटने का कोई कारण नहीं है। बताया कि उसके पास आईएमएफ की ओर से एक बयान आया है, जिसमें नौवीं समीक्षा के लिए जरूरी सभी औपचारिकताएं पूरी करने के पाकिस्तान सरकार के दावे को खारिज कर दिया गया है। समाचार पत्र ने पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन के प्रमुख नाथन पोर्टर के हवाले से बताया, आईएमएफ पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ लगातार काम कर रहा है। पोर्टर ने यह नहीं बताया कि पाकिस्तान ने 1.2 अरब डॉलर के कर्ज के लिए नौवीं समीक्षा में क्या-क्या दावे किए। हालांकि, यह कर्ज की राशि पाकिस्तान को देने में पहले ही सात महीनों की देरी की जा चुकी है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री पहले ही कहते रहे हैं कि मौजूदा आर्थिक हालात में पाकिस्तान को अपनी स्थिति ठीक करने के लिए छह अरब डॉलर की जरूरत होगी। इनमें से तीन अरब डॉलर उसे सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से मिलने की बात कही गई है। लेकिन बाकी के लिए उसे कोई गारंटी नहीं मिली है।

75 डॉलर प्रति बैरल पर आया कच्चा तेल, पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड ऑयल 75 डॉलर पर आ गया है। हालांकि, पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपए, जबकि डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बना हुआ है। भारत में सबसे महंगा पयूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। वहीं महाराष्ट्र के परभणी में पेट्रोल 109.26 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.66 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। आखिरी बार मई 2022 में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किया गया था। तब पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया गया था। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे। जुलाई 2022 में, महाराष्ट्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपए और 3 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी।

एयर इंडिया की नागपुर-मुंबई फ्लाइट में यात्री को बिच्छू ने काटा, एयरलाइन ने बयान जारी कर कही ये बात

मुंबई । एयर इंडिया की नागपुर से मुंबई जाने वाली एक फ्लाइट में यात्री को बिच्छू ने काट लिया। हालांकि, इस घटना में यात्री की जान बचा ली गई और वह अब बिल्कुल ठीक हैं। एयर इंडिया ने इस मामले में एक बयान भी जारी किया है। बताया गया है कि यह घटना 23 अप्रैल को हुई, जिसकी पुष्टि अब हुई है। बताया गया है कि नागपुर-मुंबई फ्लाइट में बिच्छू ने एक महिला यात्री को काटा था। इसके बाद पैसेंजर को तुरंत ही चिकित्सा मुहैया कराई गई और विमान के लैंड होते ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बयान के मुताबिक, लैंडिंग के बाद यात्री को तुरंत एयरपोर्ट पर एक डॉक्टर ने देखा और फिर बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। बयान में कहा गया कि फ्लाइट से लेकर अस्पताल तक एयर इंडिया के अधिकारी लगातार यात्री के साथ रहे और डिस्चार्ज तक उनका पूरा ख्याल रखा। एयर इंडिया ने बताया कि इस घटना के बाद एयर इंडिया की इंजीनियरिंग टीम ने विमान का निरीक्षण किया। टीम ने पूरे प्रोटोकॉल के साथ विमान की छानबीन की और बिच्छू को बाहर किया। इसके बाद प्लेन की सफाई की गई।

एपल-सीईओ ने मीटिंग में 20 बार लिया इंडिया का नाम

टिम कुक ने कहा, आईफोन बेचने के लिए सबसे बेहतरीन जगह है भारत

नई दिल्ली ।
टेक कंपनी एपल के सीईओ टिम कुक ने कंपनी के मार्च तिमाही के रिजल्ट के दौरान 20 बार भारत का नाम लिया। कुक ने कहा कि एपल के लिए भारत न सिर्फ बहुत बड़ा बाजार बन सकता है, बल्कि एक मजबूत प्रोडक्शन बेस बनने का दम रखता है।

कॉन्फ्रेंस कॉल में उनके साथ कंपनी का पूरा सीनियर मैनेजमेंट मौजूद था। कंपनी ने अब अपना फोकस चीन से हटाकर भारत की ओर कर लिया है। कुक ने पिछले महीने भारत के मुंबई और दिल्ली में एक्सक्लूसिव स्टोर की ओपनिंग की थी।

कुक ने कहा, दोनों स्टोर की ओपनिंग शानदार तरीके से हुई है और उम्मीद हैं कि भारत के दोनों स्टोर दुनिया में मौजूद बाकी स्टोर्स के मुकाबले बेहतर रिजल्ट देंगे।

डबल डिजिट में मिली ग्रोथ, भारत पर पूरा फोकस

एपल ने भारत में मार्च तिमाही में सेल्स और रेवेन्यू के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है। सालाना आधार पर कंपनी की ग्रोथ डबल डिजिट में हुई है। कुक ने क्वार्टर्ली रिजल्ट घोषित करते हुए कहा कि भारत का मार्केट तेजी के साथ ग्रो कर रहा है, जिसे देख वे हैरान हैं।

उन्होंने कहा कि वो अपने ऑपरेशनल पार्ट को एक्सपैंड करेंगे। ताकि कस्टमर सर्विस में किसी तरह की कोई कमी ना रह सके।

मार्च से तिमाही के लिए 94.8 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू

कंपनी ने मार्च से तिमाही के लिए 94.8 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू दर्ज किया। ये पिछले क्वार्टर की तुलना में 3प्रतिशत कम है। पिछले क्वार्टर में रेवेन्यू 97.28 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था। इसमें आईफोन की बिक्री का 51.3 बिलियन डॉलर का कॉन्ट्रीब्यूशन है।

पिछले क्वार्टर में आईफोन की सेल्स से 48.84 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू ड्डदर-साल 3प्रतिशत गिरकर 24.1 बिलियन डॉलर हो गया। कुक ने कहा कि वह

उभरते बाजारों में प्रदर्शन से खास तौर पर खुश हैं। एपल का रिजल्ट मार्केट के अनुमानों से बेहतर रहा है।

एपल के लिए भारत बेहतरीन बाजारों में से एक : कुक

कंपनी के ओवरऑल ग्रोथ में भारत के बढ़ते महत्व को दिखाया है। कुक ने कहा, भारत में मिडिल क्लास लोगों की बहुत बड़ी संख्या है और मुझे लगता है कि एपल के लिए भारत बेहतरीन बाजारों में से एक है। भारत के लोगों में गजब की उर्जा है।

एक साल में कंपनी ने भारत में कई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट खोले

रिपोर्ट के अनुसार एपल ने भारत में पिछले साल 6 अरब डॉलर के स्मार्टफोन बेचे थे। भारत में एपल के स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग के लिए कई कंपनियां तैयार हैं और यहां आसानी से वर्कर मिलने की वजह से टिम कुक भारत पर बड़ा दांव लगा रहे हैं।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टेंशन की वजह से एपल भारत में आईफोन बनाने और यहां से एक्सपोर्ट बढ़ाने पर फोकस कर रही है। इस समय चीन में सबसे ज्यादा आईफोन बन रहे हैं। पिछले 1 साल में कंपनी ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट खोलकर आईफोन बनाने की शुरुआत की है।

25 देशों में एपल के 500 से ज्यादा ऑफिशियल स्टोर

एपल ने भारत में पहला ऑफिशियल फ्लेगशिप रिटेल स्टोर मुंबई में 18 अप्रैल को खोला था। ये स्टोर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में है। इसके बाद दूसरा स्टोर साउथ दिल्ली के साकेत में 20 अप्रैल को खोला था।

दोनों स्टोर की ओपनिंग टिम कुक ने खुद की थी। इस दौरान टिम कुक ने स्टोर ओपन करने के बाद लोगों से मिले और तस्वीरें भी खिंचवाई। एपल के 25 देशों में 500 से ज्यादा ऑफिशियल स्टोर है। सबसे ज्यादा 272 स्टोर अमेरिका में है।

एपल स्टोर की 5 बड़ी बातें

सुपर लार्ज स्टोर: ऑफिशियल स्टोर काफी बड़े होते हैं। इसमें भीड़ होने पर भी किसी भी प्रोडक्ट को देखने के लिए थोड़ा भी इंतजार नहीं करना पड़ता।

यूनीक डिजाइन: एपल स्टोर का यूनीक डिजाइन होता है। मुंबई स्टोर का डिजाइन शहर की काली-पीली टैक्सियों से इंस्पायर है। न्यूयॉर्क स्टोर क्यूब शेप का है।

तुरंत बिलिंग: प्रोडक्ट खरीदने के बाद बिलिंग के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं। एपल स्टोर के एम्प्लॉइज बिलिंग के लिए मोबाइल पेमेंट टर्मिनल साथ रखते हैं।

डिवाइस कॉन्फिगर: मैकबुक या आईमैक जैसे प्रोडक्ट को आप अपने हिसाब से कॉन्फिगर करा सकते हैं। रिसेलर्स के पास इस तरह की सर्विस नहीं मिलती थी।

बेहतर ट्रेड-इन वैल्यू: ये स्टोर बेहतर एक्सचेंज वैल्यू के लिए जाने जाते हैं। आमतौर पर यहां ट्रेड इन वैल्यू अमेजन-फ्लिकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म से ज्यादा मिलती है।

जेट एयरवेज के फाउंडर के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

538 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का मामला, केनरा बैंक की शिकायत पर कार्रवाई

नई दिल्ली ।
बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड के फाउंडर नरेश गोयल के मुंबई स्थित ऑफिस सहित 7 ठिकानों की तलाशी ली। दरअसल, केनरा बैंक ने 538 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का नया केस दर्ज कराया है। इसी पर यह कार्रवाई की गई। मामले में नरेश गोयल की पत्नी अनिता और कुछ अन्य लोग भी आरोपी हैं। सीबीआई अधिकारियों ने कहा, गोयल पर पैसे की हेराफेरी और दूसरी अनियमितताओं से जुड़े आरोप हैं। सीबीआई ने नरेश गोयल, उनकी पत्नी अनीता गोयल और एयरलाइन के पूर्व निदेशक गौरांग आनंद शेट्टी के आवासों और कार्यालयों पर छापेमार कार्रवाई की।

अप्रैल 2019 से बंद है जेट एयरवेज

जेट एयरवेज एक समय भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइंस में से एक थी और एयरलाइन को साउथ एशियन नेशन की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन का दर्जा हासिल था। लेकिन, कर्ज में दबे होने के कारण जेट एयरवेज 17 अप्रैल 2019 में ग्राउंडेड हो गई थी। इसके बाद जून 2021 में एयरवेज को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के बैंकरप्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस के तहत जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने बोली जीतने के बाद अपने कब्जे में ले लिया था।

ये कंसोर्टियम मुरारी लाल जालान और कालरॉक कैपिटल की जॉइंट कंपनी है। जालान एक दुबई बेस्ड इंडियन ओरिजिन बिजनेसमैन हैं। वहीं कालरॉक कैपिटल मैनेजमेंट लिमिटेड फाइनेंशियल एडवाइजरी और अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने वाली लंदन बेस्ड ग्लोबल फर्म है। इसके फाउंडर फ्लोरियन फ्रेंच है।

नरेश गोयल ने की थी जेट एयरवेज की शुरुआत

1990 के दशक की शुरुआत में टिकटिंग एजेंट से एंटरप्रेन्योर बने नरेश गोयल ने जेट एयरवेज की शुरुआत कर लोगों को एयर इंडिया का अल्टरनेटिव दिया था। एक वक्त में जेट के पास कुल 120 प्लेन थे। दि ज्वॉय ऑफ फ्लाइंग टैग लाइन के साथ ऑपरेशन करने वाली कंपनी जब पीक पर थी तो हर रोज 650 फ्लाइट्स का ऑपरेशन करती थी।

म्यूचुअल फंड और ब्रोकर नहीं कर सकेंगे फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसर्स का इस्तेमाल

नई दिल्ली।
ब्रोकरों और म्यूचुअल फंडों को विज्ञापन और मार्केटिंग अभियानों में फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसर्स के इस्तेमाल पर सेबी रोक लगाएगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि महामारी में इक्विटी बाजारों में खुदरा निवेशकों में उछाल से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सलाह देने वालों की बाढ़ आ गई है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को डर है कि ऐसे इन्फ्लूएंसर्स निवेशकों को गुमराह कर सकते हैं।

सेबी ब्रोकरों, पंजीकृत ट्रेडरों और म्यूचुअल फंड हाउसों से उन इन्फ्लूएंसर्स के साथ जुड़ने से मना करने की योजना बना रहा है, जो गुमराह करने वाली सलाह देते हैं और

निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। सेबी इस नियम को लागू करने से पहले उद्योग की सलाह लेगा। उसके बाद यह परिभाषित होगा कि कौन सी सलाह भ्रामक है। इसके बाद इस नियम के उल्लंघन पर जुर्माना और बाजार में कारोबार पर प्रतिबंध जैसे दंड लगाए जाएंगे। फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसर्स को रेगुलेट करना सेबी के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। हालांकि, पंजीकृत बाजार बिचौलियों के जरिये विज्ञापन, इवेंट्स और अन्य के साथ इन्फ्लूएंसर्स को जुड़ने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। म्यूचुअल फंड और ब्रोकरों को ऐसे सलाहकारों से दूर रहने की सलाह दी जा सकती है।

एसी- कूलर इंडस्ट्री को 15प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद : शादी-ब्याह के सीजन और अल नीनो से गर्मी बढ़ने पर बिक्री बेहतर रहने आस

नई दिल्ली ।
देश के कुछ हिस्सों में बेमौसम बारिश और अपेक्षित गर्मी नहीं पड़ने के बावजूद एसी-कूलर, रेफ्रिजरेटर इंडस्ट्री को बीते साल की तुलना में 15-20प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद है। इंडस्ट्री का मानना है कि मई-जून और साल के बाकी महीनों में अच्छी बिक्री से यह आंकड़ा कवर हो जाएगा। साल 2022 में देश में लगभग 82.5 लाख एसी बिके थे। इस साल यह आंकड़ा 95 लाख तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अल नीनो प्रभाव बनने से मॉनसून के सीजन में भी कम बारिश होगी तो गर्मी बढ़ने से एसी कूलर की बिक्री का आंकड़ा कवर हो जाएगा। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के प्रेसिडेंट एरिक ब्रगेंजा

के मुताबिक बारिश की वजह से डिमांड में थोड़ी कमी आई है। लेकिन इस साल बाकी महीने डिमांड मजबूत रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि एसी इंडस्ट्री इन गर्मियों में 10-15प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज कर सकती है। गर्मी का सीजन लंबा चलने से बिक्री का लक्ष्य कवर होगा

1. गोदरेज: 2022-23 में एसी बिक्री 3 गुना बढ़ी - गोदरेज अप्लायंसेस के एसी डिवीजन के प्रोडक्ट ग्रुप हेड सब्यसाची गुप्ता ने कहा, इस साल इंडस्ट्री 20प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद कर रही है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2022-23 में एसी की बिक्री में तीन गुना की ग्रोथ दर्ज की। ग्रोथ का यह ट्रेंड अप्रैल में भी जारी रहा है।

2. पैनासोनिक: टारगेट हासिल करने की उम्मीद - पैनासोनिक मार्केटिंग इंडिया के एमडी फुमियासू फुजिमोरी के मुताबिक बेमौसम बारिश ने एसी की बिक्री पर बहुत मामूली असर किया है। लेकिन गर्मी के लंबे सीजन के चलते टारगेट पूरा हो जाएगा। बीते साल बिक्री में 35प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है।

3. हिताची: दो माह बिक्री कम रही, लेकिन आगे अच्छी रहेगी बिक्री हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया के सीएमडी गुरमीत सिंह ने कहा, बीते दो महीने बिक्री थोड़ी कम रही। लेकिन आगे अच्छी बिक्री की उम्मीद है। लिवप्योर के एमडी व सीईओ राकेश कौल ने कहा बारिश के बावजूद देश की कूलर इंडस्ट्री इस साल 10प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज करेगी।

केंद्रीय कर्मचारियों को फिर मिल सकती है खुशखबरी

1 जुलाई से महंगाई भत्ते में हो सकती है 3-4प्रतिशत की बढ़ोतरी, सरकार ने मार्च में 4प्रतिशत बढ़ाया था

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार 1 जुलाई से फिर से डियरनेस अलाउंस महंगाई भत्ते में 3-4प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। कर्मचारियों और पेंशनर्स को बढ़ती कीमतों की भरपाई के लिए दिया जाने वाला डीए साल में दो बार जनवरी और जुलाई में रिवाइज किया जाता है।

मार्च में 4प्रतिशत बढ़ा था महंगाई भत्ता - केंद्र सरकार ने मार्च 2023 में महंगाई भत्ते में 4प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। ये बढ़ोतरी 1 जनवरी 2023 को लागू की गई थी। 4प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार के कर्मचारियों का डीए बढ़कर 42प्रतिशत हो गया है। इससे पहले सितंबर 2022 में डीए में 4प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी, जो जुलाई 2022 से लागू की गई थी।

डीए में 3-4प्रतिशत की और बढ़ोतरी की उम्मीद - रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब 7वें वेतन आयोग के कर्मचारियों के लिए डीए में 3-4प्रतिशत की और बढ़ोतरी की उम्मीद है, जो

जुलाई से लागू की जा सकती है। लेटेस्ट डेटा के मुताबिक, अभी 47.58 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारी और 69.76 लाख पेंशनभोगी हैं।

सरकारी कर्मचारियों को दिया जाता है डीए - महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों को दिया जाता है, जबकि महंगाई राहत पेंशनर्स को दी जाती है। डीए कर्मचारियों के बेसिक वेतन के आधार पर दिया जाता है। वहीं डीआरबेसिक पेंशन के आधार पर दिया जाता है।

क्या होता है महंगाई भत्ता - महंगाई भत्ता ऐसा पैसा है, जो महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बनाये रखने के लिये दिया जाता है। यह पैसा सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों और पेंशनर्स को दिया जाता है। इसका कैलकुलेशन देश की मौजूदा महंगाई के अनुसार हर 6 महीने पर किया जाता है। इसकी गणना संबंधित वेतनमान के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन के अनुसार की जाती है। महंगाई भत्ता शहरी, अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों का अलग-अलग हो सकता है। अब अगर (पब्लिक सेक्टर यूनिट्स) में काम करने वाले लोगों के महंगाई भत्ते की बात की जाए तो इसके कैलकुलेशन का तरीका यह है- महंगाई भत्ता प्रतिशत= (बीते 3 महीनों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का औसत (बेस ईयर 2001=100)-126.33))×100

ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है - भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं।

डीए के बाद कितना फायदा होगा - इसके लिए नीचे लिखे फॉर्मूला में अपनी सैलरी भरें..(बेसिक पे + ग्रेड पे) म डीए प्रतिशत = डीए अमाउंट आसान भाषा में समझें तो बेसिक सैलरी में ग्रेड सैलरी को जोड़ने के बाद जो सैलरी बनती है, उसमे महंगाई भत्ते की दर का गुणा किया जाता है। जो नतीजा आता है, उसे ही महंगाई भत्ता यानी डियरनेस अलाउंस कहा जाता है। अब इसे एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी 10 हजार रुपए और ग्रेड पे 1000 रुपए है। दोनों को जोड़ने पर टोटल 11 हजार रुपए हुआ। अब बढ़े हुए 42प्रतिशत महंगाई भत्ते के लिहाज से देखें, तो यह 4,620 रुपए हुआ। सबको जोड़कर आपकी टोटल सैलरी 15,620 रुपए हुई। पहले 38प्रतिशत डीए के लिहाज से आपको 15,180 रुपए सैलरी मिल रही थी। यानी 4प्रतिशत डीए बढ़ने के बाद हर महीने 440 रुपए का फायदा होगा।

पापा संग आउटिंग पर निकले अर्जुन हुउ बेहद खुश

-बोले- यह मेरे लिए सपना सच होने जैसा है

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अर्जुन कपूर हाल ही में वेकेशन एंजॉय करने निकले हुए हैं, लेकिन इस बार वह अपनी गर्लफ्रेंड मलाइका संग नहीं, बल्कि पिता बोनी कपूर संग नजारे ले रहे हैं। पापा संग आउटिंग पर निकले अर्जुन बेहद खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अपनी खुशी जाहिर भी की है। अर्जुन कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में अर्जुन अपने पापा बोनी कपूर के साथ घूमते हुए नजर आ रहे हैं। इसमें वह अपनी बहन अंशुला कपूर, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर के लिए भी बोलते हुए नजर आते हैं। वीडियो शेयर कर एक्टर ने कैप्शन में लिखा-हंस झिमर लाइव पापा बोनी कपूर के साथ! क्या अनुभव है! यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।.. यह भावनात्मक, प्रेरणादायक और अविश्वसनीय था। इसे मेरी बकेट लिस्ट से हटा दिया... सही अर्थों में एक जबरदस्त ऑडियो और विजुअल शो।

उसके द्वारा किए गए मेरे सभी पसंदीदा गानों को करीब से और व्यक्तिगत रूप से देखना... क्या इससे बेहतर कुछ हो सकता है? काम की बात करें तो अर्जुन कपूर को आखिरी बार फिल्म कुत्ते में देखा गया था। उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। अब वह जल्द ही फिल्म द लेडी किलर, मेरे हस्बैंड की बीवी जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। बता दें कि एक्टर अर्जुन कपूर यूं तो अपनी लेडीलव मलाइका अरोड़ा संग अक्सर घूमने निकले रहते हैं। दोनों की रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बनती हैं।

ट्रोल आर्मी को जवाब भी दे देती हैं दीपिका

-एक्ट्रेस ने कहा-कुछ लोग सिर्फ परेशान करना जानते हैं

मुंबई (ईएमएस)। रामायण में माता सीता का किरदार निभाकर घर-घर में फेमस हुईं दीपिका चिखलिया ने बताया है कि वो ट्रोल आर्मी को जवाब भी दे देती हैं। उन्होंने बताया है कि वह ट्रोल आर्मी से कैसे डील करती हैं। उनका मानना है कि अगर वह एक पब्लिक फिगर हैं तो पूरा देश उनके बारे में हर तरह की बात करेगा। अपने ओपिनियन बनाएगा। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ परेशान करना जानते हैं। लेकिन कुछ लोग वाकई प्यार देते हैं। दीपिका चिखलिया ने कहा कि वह फेमस हैं। पब्लिक फिगर हैं। इसलिए उनकी यही कोशिश होती है कि वो अपने चाहने वालों को दुखी न करें। उनका दिल न दुखाएं। वो कुछ ऐसा न लिखें या पोस्ट करें जिससे लोगों की भावनाएं आहत हों। इसलिए वो रील्स भी एवरग्रीन सॉन्ग्स पर बनाती हैं। जिससे मयार्दा बनी रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि लोग उन्हें मैसेज करते हैं कि वो मुझे माता सीता के रूप में देखते हैं। इसलिए वो ऐसी-वैसी रील्स न बनाएं। कपड़ों को लेकर भी कहते हैं कि वह ऐसे-वैसे कपड़े न पहनें। दीपिका ने इंटरव्यू में आगे कहा कि उन्हें पता है कि उनका चेहरा माता सीता की छवि दशार्ता है। उनको लोग सम्मान देते हैं। इसलिए वह कुछ भी रिवीलिंग चीजें नहीं करती हैं। उनकी कोशिश सिंपल चीजों पर होती है। वही वो करती हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं। वह अपनी सीमा जानती हैं और उस-का पूरा ख्याल रखती हैं। जिससे किसी को दुख न पहुंचे। हालांकि दीपिका चिखलिया ने लोगों से ये भी कहा कि लोगों को ये समझना चाहिए कि वह भी पेशे से एक एक्टर हैं और उससे भी पहले एक इंसान हैं। वह हमेशा सीता नहीं रह सकती हैं। उन्होंने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि वह अरुण गोविल के साथ एक मूवी में आ रही हैं। इसमें वह एक गुस्सैल पत्नी के रूप में दिखाई देंगी। इसमें वह अपने पति से दिनभर लड़ती दिखाई देंगी। दीपिका ने कहा कि वो एक एक्टर के नाते तरह-तरह के किरदारों को एक्सप्लोर करेंगी। उन्हें वो लिबर्टी चाहिए जिससे उनको तमाम तरह की चीजों को करने का मौका मिले। वो अपने फैन्स की उम्मीदों का भी ध्यान रख रही हैं लेकिन उनकी भी पसंद-नापसंद का लोगों को ध्यान रखना चाहिए। उसकी इज्जत करनी चाहिए। बता दें कि दीपिका सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। वहां ये आए दिन बॉलीवुड गानों पर या फिर किसी भजन पर रील्स बनाकर शेयर करती रहती हैं। कुछ पर लोग इनकी तारीफ करते हैं और कुछ पर इन्हें जमकर ट्रोल करते हैं।

पुष्पा 2 के ऑडियो राइट्स करीब 65 करोड़ में बिके

-तोड़ दिया ये रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के सुपर स्टार अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 के ऑडियो राइट्स करीब 65 करोड़ में बिके हैं जो आरआरआर, और प्रभास की फिल्म साहो और बाहुबली से भी ज्यादा हैं। बता दें कि राजामौली की आरआरआर के राइट्स 25 करोड़, साहो के 22 करोड़ और ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 के राइट्स 10 करोड़ में बिके थे। साउथ की इन सभी फिल्मों के मुकाबले पुष्पा 2 के ऑ-डियो राइट्स बहुत बड़े अमाउंट में बिके हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। पुष्पा में अल्लू अर्जुन का स्टाइल से लेकर डायलॉग्स ने दर्शकों को काफी इम्प्रेस किया था। इस फिल्म के बाद दर्शक पुष्पा द रूल का इंतजार कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक इस फिल्म में पुष्पा और पुलिस अफसर शेखावत की लड़ाई दिखाई जाएगी। पुष्पा के साथ पूरे गांव वाले होते हैं, उसका साथ देने के लिए पुलिस के खिलाफ हो जाते हैं। इस पार्ट में श्रीवल्ली को लेकर कहा जा रहा है कि उसकी मौत हो जाती है। हालांकि अभी इस बारे में मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल जानकारी साझा नहीं की गई है। बता दें कि साउथ के स्टाइलिश सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की सुपरहिट फिल्म पुष्पा के बाद से दर्शक इसके सीक्वल पुष्पाः द रूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभी तक न ही फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कुछ अनाउंस हुआ है और न ही इसका ट्रेलर ही आया है। इसके बाद भी फैंस इस फिल्म के अपकमिंग अपडेट्स को जानने को लेकर काफी एक्साटेड रहते हैं।

विजय देवरकोंडा की वीडी12 आधिकारिक तौर पर लांच

अभिनेता विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म, जिसका अस्थायी शीर्षक वीडी12 है, बुधवार को पूजा के साथ आधिकारिक तौर पर लांच की गई। एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन जर्सी के निमार्ता गौतम नायडू तिन्ननुरी कर रहे हैं और इसमें श्रीलीला भी हैं, जो किस, पेली संदा और धमाका जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। सीथारा एंटरटेनमेंट्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने विजय, श्रीलीला, गौतम और कई अन्य की तस्वीरें साझा कीं। फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर भी साझा की गई। ट्वीट में कहा गया वीडी12 आधिकारिक तौर पर पूजा समारोह के साथ लांच किया गया, जून 2023 से शूट शुरू होगा। फिल्म से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया गया हैं।

प्रियंका चौपड़ा पर पिता ने लगाई थी कई पाबंदियां, लड़कों से थे परेशान

मुंबई(ईएमएस)। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने नया खुलासा किया है। उन्होंने मीडिया को दिए एक इंटव्यू में बताया कि उनके पिता ने उन पर 16 साल की उम्र में अनेक पाबंदियां लगा दी थीं। उन्होंने घर की खिड़कियां तो ढंकवा दी थी, मेरे जींस पहनने पर भी रोक लग गई थी। गौरतलब है कि प्रियंका चोपड़ा इन दिनों मेट गाला 2023 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इवेंट में एक्ट्रेस के लुक से ज्यादा उनके अरबों के डायमंड नेकलेस ने सुर्खियां बटोरी। यहीं पर एक्ट्रेस ने अपने दिवंगत पिता को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि जब वो 16 साल की थी तो उनके पिता ने उन पर कई पाबंदियां लगाई थी। यहां तक कि उन्होंने घर की खिड़कियों को भी ढक दिया था। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि रात को एक लड़का उनकी बालकनी में कूद गया था, जिसके बाद उनके पिता अशोक चोपड़ा परेशान हो गए थे। द हॉवर्ड स्टर्न शो में बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि मेरे पिता बेहद घबराए हुए थे, क्योंकि उन्होंने 12 साल की चोटी वाली एक बच्ची को अमेरिका भेजा था और कूल बनने के चक्कर में मैंने वहां अपने बाल काट दिए थे, केवल वही एक काम मैंने किया था। प्रियंका ने बताया कि मैंने अमेरिकी हर्मोन्स और वहां के टेस्ट के साथ भारत में वापसी की। अटेंशन से उनके पिता इतने परेशान हो गए थे कि उन्होंने बेटी को जींस छोड़ सलवार कमीज पहनने का फरमान सुना दिया था। यहां तक कि कहीं अकेले आना-जाना भी बंद कर दिया था। जब मैं भारत के छोटे से शहर में वापस लौटी तो मैं ऐसी थी हर कोई नोटिस करता था। हाई स्कूल में पढ़ने वाले लड़के मेरे पीछे-पीछे घर आए थे। एक तो रात को मेरी बालकनी में भी कूद गया था। जिसके बाद मेरे पिता पागल हो गए थे और उन्होंने खिड़कियों पर बार लगाने का फैसला किया। खुद पर लगी पाबंदियों के बारे में बताते हुए प्रियंका ने कहा कि मेरे पिता ने मेरी सारी जींस जब्त कर ली और मुझे ढीले कपड़े या फिर इंडियन सूट पहनने के लिए कहा। मेरे पास एक ड्राइवर था जो मुझे हर जगह ले जाता था, वो बहुत डरा हुआ था, लेकिन फिर मेरा करियर बन गया। मुझे अपने पिता के लिए बहुत बुरा लगता है।

आलिया को समझ लिया ऐश्वर्या राय बच्चन

-एक्ट्रेस ने फेमस फैशन शो मेट गाला में किया डेब्यू

मुंबई (ईएमएस)। दुनिया के सबसे फेमस फैशन शो मेट गाला में पपाराजी ने बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भटट को ऐश्वर्या राय बच्चन समझ लिया। वो उन्हें ऐश कहकर बुलाने लगे, लेकिन आलिया के रिएक्शन ने सभी का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर आलिया भटट का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो रेड कार्पेट पर फोटोग्राफर्स के लिए पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने डिजाइनर के साथ एंट्री की। इस वीडियो में कुछ पपाराजी को आलिया को ऐश्वर्या राय बच्चन कहते हुए सुना गया। हालांकि, आलिया ने सिचुएशन को संभाल लिया और कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देती रहीं। इस वीडियो ने नेटिजन्स को नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर लॉन्च इवेंट की याद दिला दी, जहां इंडियन पपाराजी हॉलीवुड स्टार्स के गलत नाम ले रहे थे। इस इवेंट में टॉम हॉलैंड, जीजी हदीद, जेंडाया और निक जोनस भी शामिल हुए थे। मेट गाला में शामिल होने से पहले आलिया भट्ट ने अपने लुक की झलक सोशल मीडिया पर दी थी। उन्होंने 1 लाख मोतियों से बनी ड्रेस पहनी थी। फैंस ने कहा कि किसी दुल्हन से कम नहीं लग रही थीं। मेट गाला में आलिया के अलावा प्रियंका चोपड़ा भी नजर आईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में देखा जाएगा। इसके अलावा उनके पास फरहान अख्तर की जी ले जरा भी है, जिसमें वो कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा संग नजर आएंगी। वो हॉलीवुड मूवी हार्ट ऑफ स्टोन में भी हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने इस साल दुनिया के सबसे फेमस फैशन शो मेट गाला में डेब्यू किया। करीब एक लाख मोतियों से बनी व्हाइट ड्रेस पहनकर जब वो रेड कार्पेट पर आईं तो महफिल लूट ली।

माहिम दरगाह पहुंची कुंडली भाग्य की सृष्टि

रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी का 13वां सीजन में हिस्सा लेने वाले कई कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि कुंडली भाग्य की एक्ट्रेस अंजुम फकीह भी रोहित शेट्टी के रियलिटी शो का हिस्सा होंगी। इससे पहले हाल ही में वह माहिम दरगाह आशीर्वाद लेने पहुंची, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में अंजुम फकीह के अलावा शिव ठाकरे, अंजली आनंद, रुही चतुर्वेदी, अर्जित तनेजा, अर्चना गौतम और नायरा बनर्जी का नाम फाइनल कंटेस्टेंट्स के तौर पर सामने आया है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अंजुम फकीह का वीडियो अपने इंस्टाग्राम शेयर किया है। वीडियो में वह कह रही हैं कि खतरों के खिलाड़ी में जाने से पहले वह दरगाह में ब्लेसिंग्स लेने आईं हैं।

ड्रेस कोड वाले बयान को लेकर पलक तिवारी ने दी सफाई

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी इस वक्त काफी चर्चा में हैं। उन्होंने सलमान की फिल्म "किसी का भाई किसी जान" से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कुछ दिनों पहले पलक ने सलमान खान के सेट का एक नियम बताया था। पलक ने बताया कि सलमान के सेट पर काम करने वाली सभी लड़कियों को ऐसे कपड़े पहनने के लिए मजबूर किया जाता था जिससे उनका शरीर ठीक से ढका रहे। पलक तिवारी के इन बयानों के बाद से चर्चा में आ गई थी। अब पलक ने इस बयान पर सफाई दी है। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में पलक ने कहा, "गलतफहमियां हमारे काम का हिस्सा हैं, मैं अपने और सलमान सर के बीच की खबरों से हैरान नहीं हूं, क्योंकि मैं जानती हूं कि वह बहुत समझदार इंसान हैं। वे यह भी जानते हैं कि मैं उनके बारे में कभी बुरा नहीं बोलूंगी। मैंने गलती की है, मैं सीखूंगी और हमेशा इसका ध्यान रखूंगी।"

पलक और इब्राहिम अली खान के नाम की चर्चा - पलक तिवारी का नाम पिछले कुछ दिनों से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि इन खबरों पर पलक ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। पलक का यह भी कहना है कि इब्राहिम सिर्फ मेरा एक अच्छा दोस्त है और वह उसे अच्छी तरह से नहीं जानती।

टाइगर 3 के लिए बना सबसे मंहगा सेट, एक सीन के लिए मेकर्स ने फूकेंगे 35 करोड़ रुपये

बॉलीवुड के भाईजान और किंग खान हमेशा ही चर्चा में रहते हैं। इस जोड़ी को साथ देखने के लिए फैंस हमेशा उत्सुक रहते हैं। शाहरुख-सलमान एक साथ फिल्म "पठान" में भी नजर आए थे जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और सलमान खान अब एक बार फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। जल्द ही शाहरुख-सलमान सिल्वर स्क्रीन पर टाइगर 3 में साथ नजर आएंगे। इससे फैंस में उत्सुकता का माहौल पैदा हो गया है। "टाइगर 3" के लिए मेकर्स कमर कसने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, टाइगर 3 में शाहरुख खान और सलमान खान दोनों ही कुछ बेहतरीन एक्शन सीन देखने को मिलने वाले हैं। किसी भी एक्शन सीक्वेंस के लिए बड़ी रकम की जरूरत होती है। साथ ही इस फिल्म के मेकर्स शाहरुख-सलमान के इस सीक्वेंस के शूट में हर बारीकी का ध्यान रख रहे हैं। वे इस सीन के लिए अलग से सेट बना रहे हैं, जिसकी कुल कीमत करीब 35 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस फिल्म की शूटिंग 8 मई से शुरू होने की संभावना है। और जिस तरह पठान में सलमान ने शाहरुख की मदद की थी उसी तरह शाहरुख इस फिल्म में भी सलमान की मदद करते नजर आएंगे। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा इमरान हाशमी और कटरीना कैफ भी नजर आएंगे। साथ ही आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है।

जुबली में नीलोफर का किरदार निभाना चाहती है जीनत

स्ट्रीमिंग सीरीज जुबली में दिग्गज एक्ट्रेस जीनत अमान द्वारा नीलोफर के किरदार की तारीफ किए जाने से काफी खुश हैं। एक्ट्रेस वामिका गब्बी विक्रमादित्य मोटवाने द्वारा निर्देशित हाल ही में रिलीज हुई है इस बारे में जीनत अमान ने कहा कि वह जुबली में नीलोफर का किरदार निभाना चाहती हैं। वामिका ने कहा, मुझे उनकी फिल्में और गाने याद है। वह उस समय की सबसे आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और बेबाक अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह हमेशा बाकियों से अलग दिखती थी। उनमें आत्मविश्वास है और आज तक इच्छा को फिर से परिभाषित करती है। उनके द्वारा तारीफ होना खुशी की बात है। उन्होंने आगे कहा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि उन्होंने सीरीज देखी है और उन्हें यह पसंद आया है। उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें मौका दिया जाता है, तो वह नीलोफर की भूमिका निभाना चाहेगी। मैं वास्तव में सम्मानित और खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें मेरे अन्य परफॉर्मेंस भी पसंद आएंगे। जुबली एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें प्रोसेनजीत चटर्जी, अपारशक्ति खुराना, अदिति राव हैदरी, राम कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सूडोकु नवताल- 6423

★★★✯☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6422 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7170

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	ड़
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	हो
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	य
का	न	चे	न्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

शब्द जाल में 'ज' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमीदार, जमीन.

शब्दजाल - 7169 का हल

म	अ	मु	न	सी	ग	आ	बै	शा	खी	र
र	क्ष	ली	म	व	जी	णे	द	ज	क	म
चु	य	ल	बा	क	छ	स	श	ब	ख	जा
इं	तृ	ब	न	बा	र	स	ध	च	श	न
डि	ती	ति	क	ल	चा	सं	क्रो	धी	तु	च
य	या	द	र	री	झ	ली	क्रां	ण	घ	र्थी
र	क्षा	बं	ध	न	ई	बै	स	ती	दी	स
क	एं	द	ई	द	ब	दृ	फ	चो	पा	क
ओ	म	ब	श	रा	म	स	या	औ	व	आ
ण	गॉ	ल	प	ह	जी	त	ऐ	म	ली	द
म	ड	ल	प	य	रा	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6123

1			3		4	6
6	34		40	7	33	
3	1	5			2	
	22		34	5	34	4
		4	6		7	
4	30		30		33	
7		2	5	1		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6122 का हल

7	6	5	1	4	3	2
1	33	2	28	5	30	6
4	5	3	6	2	1	7
2	36	4	33	6	23	1
5	6	7	4	1	2	3
6	36	6	33	3	31	4
3	2	1	4	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

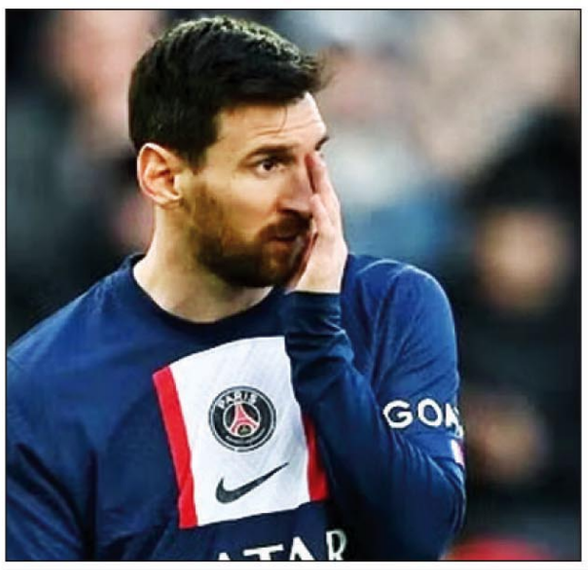

पीएसजी की अनुमति के बिना सऊदी जाने के लिए मेसी ने क्लब से मांगी माफी, दो हफ्तों का लगा था निलंबन

पेरिस।
अर्जेंटीना और पेरिस सेंट जर्मेन के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने क्लब की अनुमति के बिना सऊदी अरब की ट्रिप करने के लिए माफी मांग ली है। हाल ही में मेसी पत्नी और बच्चों संग सऊदी गए थे। इसके बाद क्लब ने उन्हें दो हफ्तों के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि, अब जबकि उन्होंने क्लब से माफी मांग ली है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प रहेगा कि उनके निलंबन को कम किया जाता है या नहीं। मेसी के सऊदी के किसी क्लब से भी जुड़ने के भी कयास लगाए जा रहे हैं।

मेसी ने क्या कहा - फ्रांस के खेल पत्रकार फैब्रिजियो रोमानो ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें मेसी क्लब से माफी मांगते दिख रहे हैं। इस वीडियो में मेसी कहते हैं- मैंने सोचा था कि हम मैच के बाद हमेशा की तरह एक दिन की छुट्टी लेने जा रहे थे। मैंने ही इस टूर का प्लान बनाया था और मैं इसे रद्द नहीं कर सकता था। मैंने पहले भी सऊदी की एक यात्रा रद्द की थी।

मेसी कहते हैं- मैं अपने साथियों से माफी मांगता हूं और मैं इंतजार कर रहा हूं कि क्लब मेरे साथ क्या करना चाहता है। हर किसी के लिए बड़ा हग (झप्पी)। जब तक निलंबन रहेगा, मेसी को ट्रेनिंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा न ही वह खेल पाएंगे और उन्हें इस दौरान की सैलरी भी नहीं दी जाएगी। मेसी का इस सीजन पीएसजी के साथ कॉन्ट्रैक्ट भी समाप्त हो रहा है। ऐसे में इस निलंबन ने उन कयासों को हवा दिया है कि मेसी पीएसजी को छोड़ सकते हैं।

क्लब के हारने पर भी सऊदी अरब की ट्रिप पर गए मेसी - दरअसल, यह पूरा मामला पीएसजी के पिछले मुकाबले से शुरू हुआ। क्लब ने अपना पिछला मैच 30 अप्रैल को लोरिएंट के खिलाफ खेला था। उस मैच में पीएसजी को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के नियम के मुताबिक, अगर पीएसजी वह मैच जीतता तो खिलाड़ियों को दो दिन की छुट्टी मिलती, लेकिन पीएसजी की टीम मैच हार गई। ऐसे में छुट्टी को कैंसिल कर दिया गया था। नियम के मुताबिक, इस स्थिति में मेसी को टीम के साथ ट्रेनिंग करना चाहिए था, लेकिन वह सऊदी अरब चले गए।

मेसी सऊदी अरब के टूर एंड ट्रैवल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उन्हें सऊदी के फुटबॉल क्लब से मिले ऑफर को भी इस निलंबन के पीछे एक बड़ी वजह बताई जा रही है। मेसी इस सीजन के बाद फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को छोड़ने का मन बना रहे हैं। क्लब के साथ उनका करार इस साल जून में समाप्त हो जाएगा। पीएसजी ने मेसी के सामने नए कॉन्ट्रैक्ट रखे हैं, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान ने उस पर साइन नहीं किया है। इसी बीच मेसी के पुराने क्लब बार्सिलोना ने उन्हें फिर से वापस बुलाने में दिलचस्पी दिखाई है।

पीएसजी की टीम में दुनिया के कई बड़े खिलाड़ी हैं। मेसी के अलावा फ्रांस के कप्तान और युवा स्टार किलियन एम्बाप्पे, ब्राजील के दिग्गज नेमार जूनियर और स्पेन के पूर्व कप्तान सर्जियो रेमोस हैं। इसके बावजूद टीम लगातार दूसरे साल यूईएफए चैंपियंस लीग से बाहर हो गई।

न्यूज ब्रीफ

काउंटी में पुजारा-स्मिथ डब्लूटीसी फाइनल की कर रहे हैं तैयारी: पुजारा का इस सीजन का तीसरा शतक, बने 19 हजारी... सचिन के क्लब में शामिल

मुंबई। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया टीम में शामिल अधिकांश खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। वहीं टीम इंडिया के नए दीवार चेतेश्वर पुजारा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के साथ डब्लूटीसी फाइनल की तैयारी में जुटे हुए हैं। पुजारा और स्मिथ काउंटी में ससेक्स की ओर से खेल रहे हैं। डब्लूटीसी फाइनल 7 जून से 11 जून के बीच इंग्लैंड में टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाना है। पुजारा और स्मिथ के बीच वोस्टरशायर के खिलाफ मैच में 61 रन की साझेदारी हुई है। स्मिथ 57 गेंद पर 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि पुजारा 189 गेंद पर 19 चौके और 1 छक्के की मदद से 136 रन बनाकर आउट हुए। इस सीजन के 4 मैचों में तीसरा शतक है। इसके साथ ही पुजारा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 19,000 रन पूरे किए। इसके साथ ही उन्होंने सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और वसीम जाफर के क्लब में एंट्री मारी ली है। पुजारा फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 19,000 रन बनाने वाले छठे भारतीय बन गए हैं। गावस्कर ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 25,834 रन बनाए हैं, जबकि सचिन के नाम 25,396 रन दर्ज हैं। वही राहुल द्रविड़ ने 23,794, लक्ष्मण 19,730 जबकि जाफर ने 19,410 रन बनाए हैं। पुजारा के 19,043 रन हो गए हैं। पुजारा कुछ दिन पहले जाफर के फर्स्ट क्लास के शतकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा था। वोस्टरशायर के खिलाफ 138 रन की पारी से पहले उन्होंने ग्लूस्टरशॉयर के खिलाफ सेकेंड डिविजन काउंटी चैंपियनशिप मैच में भी शतक जड़ा था। अब उनके 59 शतक हो गए हैं।

126 दिन बाद बिना बैसाखी के चलते दिखे पंत: स्टिक फेंकी और चलने लगे ऋषभ, बैकग्राउंड में बजा केजीएफ का थीम सॉन्ग; लिखा- नो मोर क्रचिज-डे

बेंगलुरु। कार एक्सीडेंट में घायल टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत तेजी से रिकवरी कर रहे हैं। वे अब बिना सहारे के चलने लगे हैं। पंत को एक्सीडेंट के बाद पहली बार बिना सहारे के चलते देखा गया है। 25 साल के पंत ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे बिना बैसाखी के चलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में ऋषभ पंत स्टिक फेंककर बिना सहारे चलते नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में केजीएफ का थीम सॉन्ग भी बज रहा है। वीडियो पोस्ट करते हुए पंत ने लिखा, हैप्पी, नो मोर क्रचिज-डे। पंत इस समय बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में चोट से रिकवर कर रहे हैं। एक दिन पहले ऋषभ ने जिम में वर्कआउट करते हुए वीडियो शेयर किया था। उन्होंने उस वीडियो पोस्ट में लिखा, खेल किसी खिलाड़ी का चरित्र बनाता नहीं है, बल्कि उसे सामने लाता है। पंत की फास्ट रिकवरी को देखते हुए बीसीसीआई उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले डब्लूटीसी फाइनल, एशिया कप और वर्ल्ड कप में खिलाने की योजना बना रहा है।

गंभीर और विराट विवाद पर बोले वॉन, कोच खिलाड़ियों के झगड़े में न पड़ें

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच हुए विवाद को गैरजरूरी बताया है। वॉन न कहा कि इस प्रकार की बातें नहीं होनी चाहिये। वॉन ने कहा कि विशेष रुप से गंभीर ने गलती की। उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिये था कि वह कोच हैं और कोच का काम खिलाड़ियों के झगड़े में पड़ना नहीं है केवल मैच को लेकर रणनीति बनाना होता है। वॉन ने कहा कि, खिलाड़ियों के बीच खेल के दौरान बहजबाजी करना चलता है। आधुनिक क्रिकेट में यह अब आम सी बात हो गई है पर कोच का इस तरह से इन मामले में पड़ना हैरान करने वाली बात है। वॉन ने कहा मुझे खिलाड़ियों के छोटे-छोटे मतभेदों से कोई प्रभाव नहीं पड़ता, यह सिर्फ खेल है। आप इसे हर दिन नहीं देखना चाहते पर कोच को इसमें शामिल होने की जरुरत नहीं है। मेरे अनुसार कोच या कोचिंग विभाग का कोई भी हिस्सा खेल में शामिल नहीं होता है। मैदान पर जो जाता है वह मैदान पर रहता है। अगर दो खिलाड़ियों के बीच कोई बहस होती है, तो उन्हें इसे आपस में ही सुलझाना होगा। कोचों का काम डगआउट या ड्रेसिंग रूम में रहकर रणनीतियों को बनाना है खिलाड़ियों के मतभेद में शामिल होना नहीं।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग में जीता दूसरा गोल्ड

पहले ही प्रयास में 88.67 मीटर भाला फेंका, लीग में डबल गोल्ड जीतने वाले इकलौते भारतीय

दोहा।
देश को ओलिंपिक गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप और डायमंड लीग जैसे बड़े कॉम्पिटिशन में मेडल दिलाने वाले जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने एक और कारनामा किया है। नीरज डायमंड लीग में लगातार दूसरा गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 25 साल के नीरज ने दोहा में चल रही प्रतियोगिता के मेन्स जेवलिन थ्रो इवेंट के फाइनल में पहले ही प्रयास में 88.67 मीटर भाला फेंका। यह नीरज का गोल्ड विनिंग परफॉर्मेंस साबित हुआ। नीरज ने साल 2023 का पहला ही मेडल जीता है। पिछले साल नीरज ने ज्यूरिख में डायमंड लीग में पहला गोल्ड जीता था। 2022 में नीरज ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी भारत को सिल्वर मेडल दिलाया था। जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा और सिल्वर मेडल विनर चेक रिपब्लिक के जैकब वाडलेच के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबले की रोचकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों की जीत हार का अंतर महज 0.04 मीटर रहा। जेवलिन थ्रो फाइनल में हर एथलीट को 6 थ्रो यानी 6 अटेम्प्ट मिलते हैं। इनमें से बेस्ट थ्रो को गिना जाता है। चोपड़ा का पहला ही अटेम्प्ट बेस्ट रहा। उन्होंने 88.67 मीटर का थ्रो फेंका जो कि ओवर ऑल इवेंट का बेस्ट थ्रो था। नीरज ने दूसरे थ्रो में 86.04 मीटर की दूरी के साथ अपनी लय बनाए रखी, जबकि जैकब वाडलेच ने अपने दूसरे अटेम्प्ट में सबसे नजदीकी 88.63 मीटर का थ्रो फेंका। थ्रो के तीसरे राउंड में

ग्रेनेडिया के एंडरसन पीटर्स ने अंडर-85 का थ्रो फेंका। नीरज चोपड़ा और जैकब वाडलेच ने अपना अच्छा फॉर्म जारी रखा और क्रमश: 85.47 मीटर और 86.64 मीटर के थ्रो किए। चौथे राउंड में शीर्ष तीन ने लीडरबोर्ड को बरकरार रखते हुए एक-एक फाउल फेंका। जैकब वाडलेच ने पांचवें राउंड में 88 मीटर थ्रो के साथ नीरज चोपड़ा के थ्रो के करीब पहुंचने की कोशिश की, लेकिन वह केवल 88.47 मीटर थ्रो कर सके। वहीं नीरज ने पांचवें राउंड में 84.37 मीटर थ्रो करने के बावजूद अपनी बढ़त बनाए रखी। फाइनल राउंड में नीरज ने 86.52 मीटर का एक शानदार थ्रो फेंका, जबकि जैकब और पीटर्स दोनों 85 मीटर के निशान को पार करने में नाकाम रहे। 90 का आंकड़ा पार नहीं कर सके, लेकिन गोल्ड दिलाया इस चैंपियनशिप से पहले उम्मीद की जा रही थी कि नीरज दोहा में 90 मीटर से ज्यादा भाला फेंकने का रिकॉर्ड बना लेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोहा में चल रही हवा ने उन्हें ऐसा करने से रोका। नीरज ने भले ही 90+ मीटर का मार्क हासिल न किया हो, लेकिन देश को गोल्ड जरूर दिला दिया। चोपड़ा ने 2022 की डायमंड लीग में भी गोल्ड जीता था। तब चोपड़ा ने 88.44 मीटर का थ्रो फेंका था। इससे पहले नीरज ने साल 2017 और 2018 में भी फाइनल के लिए क्वॉलिफाई किया था। वह 2017 में सातवें और 2018 में चौथे स्थान पर थे। नीरज चोपड़ा ने अपने सीनियर करियर का सातवां इंटरनेशनल गोल्ड जीता। इससे पहले चोपड़ा एशियन गेम्स, साउथ एशियन गेम्स, ओलंपिक्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप और डायमंड लीग में गोल्ड जीत चुके हैं।

तीरंदाजी एशिया कप स्टेज-2: भारत ने 5 गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज जीते

मुंबई। भारतीय तीरंदाजों ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एशिया कप 2023 स्टेज-2 में कुल 9 मेडल जीते। जिसमें 5 गोल्ड, 2 सिल्वर और दो ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत ने विमेंस कम्पाउंड टीम, मेंस कम्पाउंड टीम और मिक्स्ड टीम कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीते। वहीं रिकर्व टीम इवेंट में सिल्वर और इंडिविजुअल में दो ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। भारत ने चीन के खिलाफ 3 फाइनल हारे। कुल मिलाकर, रिकर्व तीरंदाजों ने दो गोल्ड और 3 सिल्वर जीते, जिसने भारत को 14 मेडल के साथ लास्ट से टॉप पोजीशन पर पहुंचा दिया। विमेंस कंपाउंड टीम कैटेगरी में तीरंदाजों ने दमदार प्रदर्शन किए। विमेंस और मेंस कंपाउंड टीम ने गोल्ड अपने नाम किए। विमेंस कंपाउंड टीम में प्रगति, रागिनी मार्को और परनीत कौर ने फाइनल में कजाकिस्तान की टीम को 231-223 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं मेंस कंपाउंड टीम इवेंट में अभिषेक वर्मा, कुशाल दलाल और अमित की तिकड़ी ने फाइनल मुकाबले में हांगकांग को 233-227 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। मिक्स्ड टीम इवेंट में भी अभिषेक वर्मा और परनीत कौर की जोड़ी ने गोल्ड मेडल जीता। इस जोड़ी ने फाइनल में फाइनल में कजाखस्तान को 157-145 से हराया।

केएल राहुल आईपीएल - 16 से बाहर, डब्लूटीसी फाइनल भी नहीं खेलेंगे

कप्तान की जगह लखनऊ सुपरजायंट्स ने करुण नायर को अपने साथ जोड़ा

मुंबई।
लखनऊ सुपरजायंट्स के चोटिल कप्तान केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। वे डब्लूटीसी फाइनल भी नहीं खेलेंगे। लखनऊ की फ्रेंचाइजी ने राहुल की जगह राइट हैंड बैटर करुण नायर को टीम में शामिल किया है। आईपीएल की मीडिया एडवाइजरी में बताया गया कि फ्रेंचाइजी ने पिछला सीजन राजस्थान से खेलने वाले करुण को 50 लाख रुपए की बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ा है। वे मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड थे। टीम ने राहुल को 17 करोड़ में रिटेन किया था। आईपीएल से अब तक 16 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं। इनमें मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह, गुजरात टाइटंस के केन विलियम्सन और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। आरसीबी के खिलाफ फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए थे राहुल केएल राहुल इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। आरसीबी की पारी के दूसरे ओवर में फाफ डु प्लेसिस का शॉट रोकने के प्रयास में राहुल के पैर में खिंचाव आ गया और वे मैदान से बाहर चले गए थे। आखिर में राहुल चोट के बावजूद बैटिंग करने उतरे, लेकिन उनकी टीम 18 रन से हार गई। बेंगलुरु ने लखनऊ को 127 रन का टारगेट चेज नहीं करने दिया। चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट देखने से पता चलता है कि केएल राहुल आईपीएल के मौजूदा सीजन में चोटिल होने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले डब्लूटीसी फाइनल टीम में शामिल जयदेव उनादकट और भारत के प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस अय्यर भी चोटिल हो चुके हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला आईपीएल फाइनल के 9 दिन बाद इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया में 7 से 11 जून के बीच इंग्लैंड के द ओवल मैदान पर चैंपियनशिप के लिए भिड़ेंगे।

क्रिकेटर-अभिनेत्रियों की जांच एसआईटी के हवाले: युवराज सिंह, मुनमुन दत्ता-युविका चौधरी पर जातिसूचक टिप्पणी का केस; हरियाणा पुलिस ने कोर्ट में एफिडेविट दिया

हिसार।
पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और अभिनेत्री मुनमुन दत्ता और युविका चौधरी द्वारा जाति सूचक टिप्पणी केस में हिसार के एडिशनल सेशन जज विवेक सिंगल की विशेष कोर्ट में एसपी क्राइम पंचकूला सुरेश कुमार ने एफिडेविट दायर किया है। जिसमें बताया गया कि विशेष कोर्ट के आदेश के बाद क्राइम ने 7 मार्च 2023 के आदेश के बाद रजत कल्सन द्वारा दर्ज कराए गए मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। एसआईटी को क्राइम ब्रांच के हामिद अख्तर लीड करेंगे। उनके साथ एसपी अमित दहिया, एसपी ललित कुमार और इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार भी शामिल रहेंगे।

साथ ही उसमें यह भी कहा गया कि एसआईटी हेड हामिद अख्तर के कर्नाटक चुनाव में ऑब्जर्वर नियुक्त होने के चलते रिपोर्ट पेश करने में देरी हो रही है। विभाग द्वारा जानबूझकर ऐसा नहीं किया जा रहा है।

एसआईटी ने वीडियो की रिपोर्ट ने मिलने का हवाला दिया

रिपोर्ट पेश न करने का कारण यह बताया गया कि तीनों मामलों में वीडियो जांच के लिए सेंट्रल साइंस लेबोरेटरी भेजी गई है। जिसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं मिल पाई है। वहीं शिकायतकर्ता और वकील रजत कल्सन ने कहा कि केस को दर्ज हुए 2 साल से ज्यादा हो चुके हैं। कोई भी रिपोर्ट करीब 2 से 3 महीने में पुलिस को मिल जाती है। चूंकि इसमें आरोपी सेलिब्रिटी हैं, इस

वजह से उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए जानबूझकर देरी की जा रही है।

कल्सन ने कहा कि सुप्रीम और हाईकोर्ट के कई फैसलों में कहा गया है कि ट्रायल कोर्ट जांच एजेंसी को तयशुदा समय में अंतिम रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दे सकती है। यह मांग की गई कि इन मामलों में भी जांच एजेंसी को तीनों आरोपी के खिलाफ अंतिम रिपोर्ट पेश करने के आदेश जारी किए जाएं। इस पर कोर्ट ने वकील रजत कल्सन को शपथ पत्र का जवाब पेश करने और मौजूदा मामले में बहस करने के लिए 9 मई की तारीख दी है। हांसी में एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज है एफआईआर गौरतलब है कि युवराज, मुनमुन दत्ता और युविका चौधरी के खिलाफ वकील रजत कल्सन ने हांसी के शहर थाना में एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराए थे। जिसमें तीनों आरोपी पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट से अंतरिम बेल पर हैं। उनकी औपचारिक गिरफ्तारी हो चुकी है तथा वे जांच में शामिल भी हो चुके हैं। अब कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट पेश करनी बाकी है।

पाकिस्तान पहली बार ओडीआई रैंकिंग में नंबर-1: चौथे वनडे में न्यूजीलैंड को 102 रन से हराया, बाबर सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुंबई।
पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को पांच मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में 102 रन से हरा दिया है। कराची में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 334 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 43.4 ओवर में 232 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इसके साथ ही क्रिकेट इतिहास में पहली बार पाकिस्तान टीम ओडीआई रैंकिंग में नंबर-1 बन गई है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने शानदार शतकीय पारी खेली। उसके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने 5 वनडे मैचों की सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली है। पांचवां वनडे भी कराची में 7 मई को खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20 की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई थी। एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

पाकिस्तान के लिए न्यूजीलैंड सीरीज में कप्तान बाबर आजम ने शानदार खेल दिखाया है। उन्होंने चौथे वनडे मैच में शानदार 107 रनों की पारी खेली। बेहतरीन पारी खेलने के साथ ही बाबर वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने 97

पारियों में ये कमाल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथा वनडे मैच जीतने के साथ ही पाकिस्तान की टीम आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान ने भारत और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया है। पाकिस्तान की टीम वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार आईसीसी रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंची है। पाकिस्तान अब 113.483 अंकों के साथ वनडे रैंकिंग में टॉप पर है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम (113.286) दूसरे और टीम इंडिया (112.638) तीसरे स्थान पर आ गई है। चौथे वनडे मुकाबले की बात करें टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 334 रन बनाए थे। पाकिस्तान की ओर से बाबर आजम ने 107 रनों की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। बाबर का यह वनडे करियर का 18वां शतक है। उनके अलावा आगा सलमान ने चार चौके और दो छक्के की मदद से 46 गेंदों में 58 रन बनाए।

जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 43.4 ओवरों में महज 232 रनों पर सिमट गई। कप्तान टॉम लाथम ने सबसे ज्यादा 60 और मार्क चैपमैन ने 46 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से उसामा मीर ने 4 विकेट जबकि मोहम्मद वसीम ने तीन और हारिस रऊफ ने दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया में चमका चंडीगढ़ का हीरा, पर्थ में भाला फेंक गोल्ड पर जमाया कब्जा

चंडीगढ़।
हीरा की जिंदगी की चमक फीकी पड़ने लगी थी। किडनी फेल होने से हर पल तिल-तिल कर मर रहा था। उसी हीरा ने मौत को मात देकर नया जीवन पाया और देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। चंडीगढ़ के हीरा सिंह दास्पा (38) ने 15 से 21 अप्रैल तक आस्ट्रेलिया के पर्थ में आयोजित वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम में भाला फेंक (जेवलियन थ्रो) में पहला स्थान हासिल कर देश में चंडीगढ़ का मान बढ़ाया है। इस प्रतिस्पर्धा में विश्व के 47 देशों के एथलीट शामिल थे। हीरा ने इस जीत से साबित कर दिया है कि अंगदान के बाद एक सामान्य नहीं सामान्य से कहीं बेहतर जीवन जीया जा सकता है।

2012 में किडनी ने दिया धोखा - स्टार्टअप से बिजनेसमैन बने हीरा ने बताया कि साल 2012 के दिसंबर महीने में अचानक तबीयत बिगड़ी तो डॉक्टर को दिखाया। पता चला कि किडनी खराब हो गई है। अब समझ में नहीं आ

रहा था कि आगे क्या करना है। डायलिसिस पर जाने से पहले मैचिंग किडनी घर में ही मिल गई। मोहाली के एक निजी अस्पताल में मार्च 2013 में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। हीरा ने बताया कि ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. प्रियदर्शी रंजन ने डॉक्टर के साथ एक दोस्त की तरह साथ दिया। हर छोटी से छोटी चीज की जानकारी दी।

बहन ने दिया नवजीवन - पांच भाई-बहन में सबसे बड़े हीरा को जब किडनी देने की बात आई तो बहन आशा ने एक पल में हामी भर दी। हीरा का कहना है कि आशा के साथ बचपन से ही उनकी एक अलग बॉडिंग रही है। जब मुसीबत आई तो उसने सबसे पहले साथ दिया। खास बात यह है कि हम दोनों भाई-बहन का ब्लड ग्रुप भी ए पॉजिटिव है। चंद ही दिनों में मेरा किडनी ट्रांसप्लांट हो गया। आशा भी बिल्कुल ठीक है। भाई को अपनी किडनी देकर जान बचाने वाली आशा को भी ऐसा जीवन साथी मिला, जिसकी बहन ने उसे अपनी किडनी दी थी। हीरा के स्कूल के जूनियर उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिला निवासी अभिनव को भी किडनी संबंधी परेशानी हुई तो उनकी बहन ने अपनी किडनी दी। बहन के भाई को किडनी देने की बात का पता चलने पर अभिनव के परिवार ने आशा का हाथ अपने बेटे के लिए मांगा। दोनों परिवार रिश्ते में बंध गए। अभिनव और हीरा की जोड़ी भी जम गई। जीजा अभिनव और साले हीरा ने आस्ट्रेलिया में एक साथ दम दिखाया।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर कैथरीन ने संन्यास लिया समर्थन के लिए प्रशंसकों का आभार जताया

मैनचेस्टर। इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर कैथरीन साइवर-ब्रंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। अपनी ही टीम की साथी क्रिकेटर नेट साइवर ब्रंट से शादी कर सुर्खियों में आयी तेज गेंदबाज कैथरीन ने साल 2004 में इंग्लैंड की ओर से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। कैथरीन ने अपने करीब दो दशक के खेल सफर में कई अहम रिकार्ड बनाये हैं। इस महिला क्रिकेटर ने इंग्लैंड की ओर से 267 मैच खेले हैं। अपने 19 साल लंबे करियर में साइवर-ब्रंट ने 141 एकदिवसीय, 112 टी20 अंतर्राष्ट्रीय और 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने सभी प्रारुपों में कुल 335 विकेट लिए हैं। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में 170, टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 114 और टेस्ट क्रिकेट में कुल 51 विकेट लिए हैं। वह तीन बार इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम में शामिल रही हैं। कैथरीन एकदिवसीय क्रिकेट में 170 विकेट लेने के साथ ही इंग्लैंड की सबसे सफल गेंदबाज है। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वह 114 विकेट के साथ दुनिया की छठी सबसे सफल गेंदबाज हैं जबकि टेस्ट क्रिकेट में 51 विकेट लेकर विश्व की नौवीं सबसे सफल गेंदबाज हैं। कैथरीन ने अपनी टीम की ही महिला क्रिकेटर नेट साइवर ब्रंट से साल 2019 में सगाई की थी और इसके बाद उन्होंने 2020 में एक दूसरे से शादी की घोषणा कर दी थी हालांकि कोरोना महामारी के कारण दोनों से साल 2022 में शादी की। अपनी पार्टनर नेट साइवर ब्रंट से उन्होंने मई 2022 में शादी कर सभी का ध्यान खींचा था।

रोज शेप और लुक बदलती कार...

बगल से जब कोई लंबी कार 150 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गुजरती है, तो आपके मन में विचार नहीं आता कि इतनी स्पीड कैसे। जमाना हाईटेक है और इस जमाने में रोजाना नए प्रयोग हो रहे हैं, जो कारों की दुनिया को और हाईटेक कर रहे हैं। जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने अपनी स्पोर्ट्स कंसेप्ट कार जीना यानी जियोमेट्री एंड फंक्शंस इन एडेप्शंस का पर्दापण किया, तो अन्य कार निर्माता कंपनियों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लोग हैरान रह गए। यह एक ऐसी कार है जिसका शेप और लुक हर रोज बदला जा सकता है। इसकी बॉडी किसी तरह के मेटल या प्लास्टिक की बनी हुई नहीं है बल्कि इसे बनाने में फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है। इसी वजह से इस कार को मनपसंद लुक देना बेहद आसान है। यह तकनीक पहली बार बीएमडब्ल्यू ने इस्तेमाल की है। जीना को बनाने में फ्लेक्सिबिलिटी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जीना के एक्सटीरियर और इंटीरियर का हर हिस्सा फ्लेक्सिबल है। इस तकनीक के तहत कार के फैब्रिक स्किन के नीच मूवेबल मेटल वायर्स लगाए गए हैं और इन्ही वायर्स को एडजस्ट करके कार की शेप को बदला सकता है। मेटल फ्रेम एडजस्ट करने के लिए एक बटन दबाना होता है और इलेक्ट्रो-हाइड्रॉलिक डिवाइस यह काम कर देती है।

डिब्बाबंद चीजों पर जरूरी है अच्छी लेबलिंग

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थों में नमक की अधिक मात्र लोगों को रोगों का शिकार बना रही है। शोध के अनुसार ब्रिटेन में होने वाले 14 प्रतिशत पेट के कैंसर के मामलों को नमक का कम सेवन करके रोका जा सकता है। ब्रिटेन में प्रत्येक व्यक्ति 8.6 ग्राम नमक खाता है, व्यक्ति को सिर्फ 6 ग्राम नमक खाने की सलाह दी जाती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थो पर उचित लेबलिंग और तत्वों की स्पष्ट जानकारी कई रोगों से बचा सकती है।

स्वस्थ रहना है तो सोना सीखिए

हर किसी के सोने की खास मुद्रा यानी स्लीपिंग पोजिशन होती है। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए। कुछ लोग बिस्तर पर लेटते तो सामान्य पोजिशन में हैं, पर जैसे-जैसे नींद गहराती है, उनकी मुद्रा तरह-तरह के आकार ले लेती है। बात रोचक भले ही लगे, मगर मत भूलिए कि ये मुद्राएं आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं। कुछ आपको सेहत लाभ देती हैं तो कुछ आपकी सेहत को बिगाड़ भी सकती हैं।

शरीर को पुन सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए नींद बेहद जरूरी है, जिसे 'रेस्टोरेशन एंड रिकवरी थ्योरी ऑफ स्लीप' कहते हैं। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए, मगर कुछ मुद्राएं इससे भी अलग और रोचक होती हैं। हर व्यक्ति की सोने की खास मुद्रा होती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोने के समय आपके शरीर की हर मुद्रा आपकी मनोदशा उजागर करती है। यों तो हर उम्र की खास मुद्राएं होती हैं, मगर युवा अवस्था में सबसे अधिक निद्रा मुद्राएं होती हैं। यह मुद्राएं शरीर को प्रभावित करती हैं और सीधे व्यक्ति के तन और मन की सेहत से जुड़ती हैं। यहां तक कि शरीर में पनपते कुछ रोग विशेष निद्रा मुद्रा के कारण गंभीर अवस्था में भी आ जाते हैं तो वहीं कुछ निद्रा मुद्राएं शरीर को आराम पहुंचा कर स्वास्थ्य लाभ कराती हैं।

फुल फीट्स पोजिशन

शरीर को आनंद देने और आराम पहुंचाने वाली श्रेष्ठ मुद्रा है 'फुल फीट्स पोजिशन। अगर आप अपने पैरों को ठोड़ी की ओर मोड़ कर सोते हैं तो आप पूर्ण आनंदमयी मुद्रा में हैं। इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। तंत्रिका तंत्र में कोई तनाव नहीं रहता।

डाउन टुवर्डस बेड

इस कड़ी में दूसरी आम मुद्रा है 'अधो मुख'। यह मुद्रा असल में निद्रावस्था का जागृतावस्था से रिश्ता बताती है। इस निद्रावस्था में पेट के बल सोते हुए पैर सीधे फैले रहते हैं और हाथ सिर की ओर होते हुए या तो सिर को थामे रहते हैं या फिर कैंची का आकार बना लेते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसे बेहतर निद्रा मुद्रा नहीं कहा जा सकता। चूंकि इस तरह सोने वाला निद्रा जगत और चेतना जगत दोनों पर हावी रहता है, इसलिए वह दिनभर की उधेड़बुन को छोड़ नहीं पाता और तनाव में रहता है। मोटे तौर पर यह शरीर को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ले जाने वाली अवस्था है। जिन युवाओं या बच्चों में सोते में 'दांत पीसने' की आदत है, उनके लिए यह खतरनाक मुद्रा है। यह निचले जबड़े को दांतों से घायल कर सकती है। दूसरे जिन्हें अपच यानी बिगड़ी पाचन क्रिया की शिकायत है, उनके लिए भी यह मुद्रा नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि पाचन तंत्र चित्त अवस्था में बेहतर कार्य करता है। जिन लोगों को खर्राटे लेने की आदत है, वह यदि इस मुद्रा में सोते हैं तो उनके खर्राटे रुक जाते हैं, कारण गुरुत्वाकर्षण के

विपरीत होने के कारण यह गले की मांसपेशियों को झोल देने से रोकती है और खर्राटे नहीं आते, मगर यह मुद्रा गले को अवरुद्ध यानी 'चोक' भी कर सकती है।

पिलो होल्डिंग स्लीपिंग पोजिशन

इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटता है, मगर अपने सीने पर दोनों हाथों से तकिया या फिर जाड़ों में रजाई दबाए रहता है। यह मुद्रा तल्लीनता का भाव जगाती है। जो युवा अपने अध्ययन के प्रति समर्पित हैं, वह अकसर ऐसे ही सोते हैं। चिकित्सीय आधार पर यह बेहतर नींद दिलाने वाली मुद्रा है। अगर आप 'इनसोमेनिया' यानी अनिद्रा के शिकार हैं तो यह बेहतर मुद्रा है।

चेन गेंग पॉजिशन

एक अन्य मुद्रा है कड़ी मुद्रा या 'चेन गेंग पोजिशन'। इसमें सोने वाले हाथ पैर की एक कैंची-सी बना डालते हैं यानी हाथ ऊपर की ओर एक कड़ी बनाते हैं तो पैर नीचे की ओर। इस प्रकार सोने वाले 'फोबिया' यानी भय से पीड़ित होते हैं। यह मुद्रा कुंवारी लड़कियों में अधिक पाई जाती है। चिकित्सीय विश्लेषण के अनुसार यह भय एक ग्रंथि बन मानसिक रोग पनपाता है, अत-इस मुद्रा से बचना चाहिए।

स्पिंक्स पोजिशन

स्पिंक्स पोजिशन यानी रहस्यमयी मुद्रा। इसमें व्यक्ति असाधारण रूप से घुटने के सहारे नितम्ब उठाए रहता है तथा सिर को हथेली से थामे रहता है मानो दण्डवत प्रणाम कर रहा हो। हालांकि यह बच्चों की सामान्य निद्रा मुद्रा है, मगर युवाओं को भी इस मुद्रा में सोते देखा जा सकता है। यह उदर विकार को दर्शाती है। पूरे शरीर को मोड़ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रख कर सो जाना आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करता है, अत-इस मुद्रा से बचें।

स्वास्तिक मुद्रा

यह जागृतावस्था और स्वप्नावस्था का सीधा सामंजस्य दर्शाती है। इसमें पेट के बल सोते हैं। दाहिना हाथ ऊपर की ओर और बायां हाथ नीचे की ओर रहता है। इसी तरह दायां पैर घुटने से मुड़ कर ऊपर की ओर रहता है और बायां सीधा रहता है। इस तरह सोने वाले लोग पूरे पलंग पर हावी रहते हैं। इस मुद्रा में उदर में समाए अंग गुरुत्वाकर्षण के विपरीत जाते हैं, अत-विभिन्न विकारों की संभावना रहती है। यह मुद्रा बहुत कम संभव होती है और स्वयं बदल जाती है।

बदलती रहती है निद्रा मुद्राएं

सोने की यह मुद्राएं यहीं समाप्त नहीं हो जातीं। पूरे जीवन में व्यक्ति न केवल मुद्रा बदलते हैं, बल्कि उसके अनुसार उनके रोग भी बदल जाते हैं और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। रोचक पहलू यह है कि अधिकांश लोग यह भी नहीं जान पाते कि वह किन-किन मुद्राओं में सोते हैं और उनकी कौन-सी मुद्रा कब बदल जाती है। इसी प्रकार जो मुद्रा वह बहुत पहले लिया करते थे, वह फिर आ जाती है या फिर जो उनकी प्रिय मुद्रा थी, वह अचानक बदल जाती है और उसकी जगह नई मुद्रा आ जाती है। रोचक बात यह है कि नई मुद्रा पुरानी पर इस हद तक हावी हो जाती है कि वही प्रिय लगने लगती है। अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए अपने से जुड़ी मुद्राएं स्वयं जान कर या दूसरों से पूछ उनकी लिस्ट बनाइए और उनकी संपूर्ण जानकारी लेते हुए उनका अपने से जोड़ कर अध्ययन कीजिए। अगर कुछ दुखदायी, कष्टदायक और रोगवाहक मुद्राएं आप में अब भी पनप रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने की कोशिश करें।

बहुत कुछ होता है नींद में

वैज्ञानिक परीक्षणों में पाया गया है कि जब हम सोते हैं तो एकदम भिन्न दशाओं से गुजरते हैं। संवेदी यंत्रों द्वारा प्रयोगशाला में इसे समझा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली दशा स्लो वेव स्लीप यानी नींद की धीमी गति प्रदर्शित करती है। तरंगित विद्युत प्रक्रिया की यह सबसे धीमी गति पूरे मस्तिष्क से गुजरती है और उसे तरंगित करती है। वहीं दूसरी अवस्था है रेपिड आई मूवमेंट, जिसे रैम पोजिशन भी कहते हैं। इस अवस्था में बंद पलकों में आंख की पुतली तेजी से चलती है। हैरानी की बात तो यह है कि यह मस्तिष्क को झकझोर देती है यानी यह अवस्था जागृतावस्था जैसी ही है। पहली बार शोधकर्ता ने नींद की इस छिपी प्रक्रिया से पर्दा उठाया और पहली बार नींद को समझा। शोधकर्ता ने पता किया कि रैम अवस्था नींद के उस भाग को बताती है, जो अपने आप में पूर्ण गतिशील है। हम जागृतावस्था में आंखों को इतनी तेज गति से नहीं चलाते, जितनी कि रैम अवस्था में चलाते हैं। यह दशा मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखती है। रिपोर्ट बताती है कि नींद आना शरीर की अनोखी जैविक क्रिया है। इस समय शरीर की सामान्य क्रियाएं अपेक्षाकृत धीमी पड़ जाती हैं। मगर रहस्यपूर्ण बात यह है कि सोते समय हमारा पाचनतंत्र काफी सक्रिय हो जाता है।

प्राकृतिक उपचार जो नहीं होने देंगे शर्मिंदा

हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की दुर्गन्ध की समस्या से ग्रसित है, जिसे बीमारी कहना उसे बढ़ा-चढ़ा कर देखने जैसा है। बार-बार जम्हाई आना, सांस में से दुर्गन्ध आना, गैस विकार या पसीने की बदबू सेहत से जुड़ी कुछ ऐसी बातें हैं, जिनसे व्यक्ति दूसरे लोगों से दूर भागने लगता है।

शारीरिक दुर्गंध

कांख यानी बाजुओं के निचले हिस्से की सफाई न होने से शरीर से दुर्गन्ध आती है। इस हिस्से में पसीना भी अधिक आता है, जिससे जीवाणु पैदा होने की आशंका होती है। नहाते समय सही सफाई न करने पर यही जीवाणु रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, वहां मैल जमा हो जाता है और शरीर से दुर्गन्ध आने लगती है।

पैरों से बदबू

पैर में पसीना लाने वाली ग्रंथियां काफी अधिक होती है। अगर पैरों को सूखा और साफ न रखा जाए तो उनमें से दुर्गन्ध आने लगती है। जिन लोगों को अधिक पसीना आता है, उन्हें साफ और पसीना सोखने वाले मोजे पहनने चाहिए।

सांस में बदबू

ब्रश न करने या मुंह की उचित सफाई न करने पर मुंह में बचे अन्नकण सड़ने लगते हैं, जिससे सांस बदबूदार हो जाती है। पेट की नियमित सफाई न होने पर भी मुंह से बदबू आती है। दांत की सफाई के साथ जीभ की नियमित सफाई करें।

बार-बार डकार आना

कुछ लोगों को अक्सर डकार आती रहती है। ऐसा अधिक कार्बन या सोडायुक्त चीजें खाने से होता है।

इनसे बचने के उपाय

बेकिंग सोडा मुंह की बदबू से बचने के लिए एक कप पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडे को मिला कर ब्रश करने के बाद उससे कुल्ला कर लें। पैर की बदबू से बचने के लिए इस घोल को थोड़ी मात्र में अपने जूतों में डाल लें।

ग्वारपाठा (एलोवेरा)

बाल धोने से पहले ग्वारपाठे के जूस को अपने सूखे बाल में लगाएं। कुछ मिनट रखने के बाद शैंपू कर लें। रूसी से निजात मिलती है।

नींबू का रस

नहाते समय नींबू के टुकड़े को कांख में रगड़ लें। नींबू के रस का अम्लीय गुण बैक्टीरिया की उत्पत्ति को रोक कर ताजगी देता है। सुबह के समय पानी में नींबू का रस मिला कर कुल्ला करने पर भी मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। पानी दिन भर में कम से कम आठ गिलास पानी पिएं। पानी पेट में मौजूद टॉक्सिन को बाहर कर गैस विकार में भी राहत देता है। पेट की नियमित सफाई होने पर मुंह से दुर्गन्ध नहीं आती। लहसुन व सौंफ लहसुन एंटीबायोटिक है व पाचन में उपयोगी है। गैस विकार में भी इससे राहत मिलती है। इसी तरह खाने के बाद सौंफ खाना लाभदायक है व मुंह से दुर्गंध में भी राहत मिलती है।

अस्पतालों और रेडियो थैरेपी सेंटर्स में बढ़ी फिजिसिस्ट की मांग

रेडिएशन फिजिक्स में बेहतर कॅरियर का विकल्प

फिजिक्स यानि भौतिक शास्त्र के तहत ऊर्जा के रूपांतरण एवं उसके द्रव्य संबंधों का अध्ययन किया जाता है। दूसरे शब्दों में स्थान, काल, गति, द्रव्य, विद्युत, प्रकाश, ऊष्मा एवं ध्वनि के गुणों तथा एक-दूसरे के साथ संबंधों का अध्ययन किया जाता है। ऊर्जा किसी न किसी रूप में जरूरी है और धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसका अध्ययन भी बेहद मायने रखता है। रेडिएशन भी एक तरह की ऊर्जा है। इसे ऐसी ऊर्जा माना जाता है जो किसी माध्यम अथवा स्थान से गुजरते हुए किसी अन्य तत्व में सोख ली जाती है। इसके तहत चिकित्सा क्षेत्र में रेडिएशन थैरेपी के उपयोग के लिए रेडिएशन की सुरक्षित मात्रा का आकलन किया जाता है। रेडिएशन फिजिक्स के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आप खुद को कैसे तैयार करें...?

नेचर ऑफ वर्क

चिकित्सा ही नहीं इसके अलावा शोध कार्यों में भी रेडिएशन फिजिसिस्ट्स के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा रुचि इसलिए भी वैज्ञानिकों द्वारा ली जाती रही है। क्योंकि इस विषय में हुए अनेक क्रांतिकारी आविष्कारों से निर्माण, न्यूक्लियर एनर्जी तथा अत्याधुनिक चिकित्सा जांच-पड़ताल एवं उपचार संभव हो सका है। वैसे भी इस विषय में समग्र भौतिकी की अहम भूमिका है जिस कारण इसमें फिजिसिस्ट, बायोलॉजिस्ट, कैमिस्ट या मेडिकल फील्ड के लोग काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग काफी ज्यादा है और बेहतरीन पारिश्रमिक वाले पदों पर नौकरियां भी खूब उपलब्ध हैं।

अपॉर्चुनिटीज...

यह एक बढ़िया कॅरियर तो है ही साथ ही साथ बेहद चुनौतीपूर्ण भी है क्योंकि इसमें इंसानों की रक्षा तथा रेडिएशन द्वारा उनके कल्याण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन पर ही होती है। हाल के सालों में अस्पतालों, रेडियो थैरेपी सेंटरों तथा कुछ विशेष उद्योगों एवं संगठनों में मेडिकल फिजिसिस्ट की मांग काफी बढ़ गई है। दिशा-निर्देशों के तहत रेडियो थैरेपी सैंटर या अस्पताल में प्रशिक्षित मेडिकल फिजिसिस्ट को नियुक्त करना अनिवार्य है।

स्टडी सेंटर्स...

- डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियल मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई
- डिपार्टमैंट ऑफ फिजिक्स, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई,
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

रेसिपी

पुदीना गट्टा

सामग्री

बेसन दो कटोरी, तीन बड़े चम्मच पुदीना और हरी मिर्च का पेस्ट, नमक, थोड़ी सी अजवाइन, सरसों का तेल, चाट मसाला, नींबू

विधि

एक बर्तन में बेसन, पुदीना हरी मिर्च का पेस्ट नमक और अजवाइन मिक्स करें। थोड़ा पानी डालें। अच्छी तरह से मिलाकर गूंध लें। इसके गट्टे बना लें। पानी में उबालें। पक जाने पर गट्टों को मनचाहे आकार में काट लें। तेल में फ्राई करें। चाट मसाला छिड़कें। थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें। आप चाहें तो प्याज टमाटर की ग्रेवी के साथ भी इन गट्टों का स्वाद ले सकती हैं।

चना दाल खीर

सामग्री

दूध-2 लीटर, चने की धुली दाल-1/4 कटोरी, बारीक कटी मेवा-एक छोटी कटोरी, चीनी-100 ग्राम, किसा कच्चा नारियल-2 बड़ा चम्मच, मिल्क पाउडर-एक कटोरी, शुद्ध घी-एक छोटा चम्मच, इलायची पाउडर-1/4 छोटा चम्मच

विधि

दूध को गरम करें। उबाल आने के बाद 10 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। चने की दाल को धोकर गरम घी में 3-4 मिनट भूनें और उबलते दूध में डालें। दाल को अच्छी तरह गलने तक पकाएं। गैस बंद करके गर्म दूध में ही मिल्क पाउडर, इलायची पाडडर, मेवा और चीनी डालकर चलाएं। कच्चा नारियल तवे पर भूनें और हल्का बादामी हो जाने पर खीर के ऊपर डालें। स्वादिष्ट खीर सर्व करें।

आपका ये कदम सैलरी बढ़ाने में करेगा मदद

क्या आप जानते हैं कि कई लोगों को ऑफिस का काम क्यों बोरिंग लगता है, क्योंकि उनके ऑफिस डेस्क पर चारों ओर दुनिया भर का सामान बिखरा पड़ा होता है और वह सजाया नहीं होता। यदि आप अपने घर से ज्यादा समय अपने ऑफिस में बिताते हैं तो यह जरूरी है कि ऑफिस डेस्क को ऐसा सजा दिया जाए कि वहां पर बैठकर काम करने का दिल करे। ऑफिस डेस्क को सजाने से पहले इस बात पर ध्यान दें कि वहां पर किन-किन चीजों को बदलने की आवश्यकता है। कई लोगों को लगता है उनकी डेस्क पर लाइटिंग को बदलने की आवश्यकता है तो वे अपनी डेस्क पर लैंप लगा लेते हैं। यदि आप भी अपनी ऑफिस डेस्क को सजाने की सोच रहे हैं तो ये टिप्स आपके बहुत काम आएंगे। ऑफिस डेस्क को व्यवस्थित रखने का ये तरीका आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान...

यदि आपकी ऑफिस डेस्क फालतू सामान से घिरी और बिखरी हुई है तो फिर आप उसे चाहे जितना मर्जी सजा लें, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। हमेशा अपनी ऑफिस डेस्क को साफ -सुथरा रखें और जिन चीजों की आवश्यकता न हो उन्हें निकाल दें या फिर ड्राअर में रख लें।

लाइटिंग सही रखें और हरियाली भी लगाएं

कई लोग कहते हैं कि उनके डेस्क पर लगी लाइट या तो बहुत ज्यादा तेज होती है या फिर बहुत धीमी। यदि आपको भी यह समस्या है तो आप अपने डेस्क पर अच्छा-सा लैंप लगाकर उस लाइट को सही कर सकती हैं। हरा रंग आंखों के लिए अच्छा माना जाता है इसलिए अपने ऑफिस में थोड़ी-सी हरियाली भी लगाएं। इसके लिए आप कोई छोटा-सा ग्रीन प्लांट अपनी डेस्क पर रख सकती हैं। अपनी ऑफिस डेस्क को रंगीन बनाने के लिए आपको रंगीन स्टेशनरी खरीदनी चाहिए, जिससे आपका ऑफिस डेस्क हमेशा खिला-खिला लगे। हर ऑफिस में सॉफ्ट बोर्ड होता है जिसका प्रयोग हर किसी को करना चाहिए।

टार्गेट का प्रिंट आउट

जब आप अपनी ऑफिस डेस्क को सजा रहे हों तो वह सजावट न केवल आपके काम को भी बढ़ावा ही दे, बल्कि आपके काम को शो भी करें, ऐसा आपका मकसद होना चाहिए। अपने टार्गेट का एक प्रिंट आउट निकालकर अपनी डेस्क के सॉफ्ट बोर्ड पर लगाएं। इससे आपके दिमाग में हमेशा वही काम रहेंगे जो आप करना चाहते हैं और आपका यह कदम आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मदद करेगा। अपनी ऑफिस डेस्क को मस्त बनाने के लिए उस पर एक फंकी पेन स्टैंड रख सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**